अम्बर ऑफसेट प्रा. लि.
केडलगंज, अलवर
अत्याधुनिक छपाई का विश्वसनीय स्थान
अत्याधुनिक तकनीक से प्लेट मेकिंग, ग्राइंडिंग एवं नेगेटिव, पॉजिटिव के लिए सम्पर्क करें-
फोन नं.- 2335105

सांध्य ज्योति दर्पण

www.dainiksandhyajyotidarpan.com

वर्ष 34 | अंक 264 | अलवर, मंगलवार, 15 अक्टूबर 2024 | जयपुर, अलवर, नागौर व भरतपुर से एक साथ प्रकाशित | पृष्ठ 8 मूल्य: एक रु.

अम्बर ऑफसेट प्रा. लि.
केडलगंज, अलवर
अत्याधुनिक छपाई का विश्वसनीय स्थान
अत्याधुनिक तकनीक से प्लेट मेकिंग, ग्राइंडिंग एवं नेगेटिव, पॉजिटिव के लिए सम्पर्क करें-
फोन नं.- 2335105

बहरोड़, भिवाड़ी, राजगढ़, तिजारा, कोटकासिम, थानागाजी, मालाखेड़ा, लक्ष्मणगढ़, किशनगढ़बास, कठूमर, खेड़ली, बानसूर, खैरथल, गुरुग्राम, धारूहेड़ा व रेवाड़ी से प्रसारित

शहरी व ग्रामीण क्षेत्र बीमारियों की चपेट में, अस्पतालों में भारी अव्यवस्था कायम

अलवर, 14 अक्टूबर (नसं)। एक ओर पुराना अलवर जिला मौसमी बीमारियों की चपेट में है। दूसरी ओर अस्पतालों में अव्यवस्थाओं का भारी आलम छाया हुआ है। जिससे मरीज भारी परेशान है। जिले के थानागाजी क्षेत्र के खेड़ा निवासी 14 साल के लड़के की डेंगू से मौत हो गई। लड़का गिरिराज पिता श्रवण योगी की इकलौती संतान था। तेज बुखार के साथ उसके शरीर पर सूजन आई और हालत बिगड़ गई।

गिरिराज के चचेरे भाई बाबूलाल योगी ने बताया कि गिरिराज को 4 दिन पहले अचानक तेज बुखार हुआ था। जिसको उपचार के लिए थानागाजी लेकर आए। यहां 2 दिन तक उपचार चला। इसके बाद तबीयत में थोड़ा सुधार हुआ तो रविवार देर शाम घर लेकर चले गए।

सुबह होते-होते फिर से अचानक तेज बुखार चढ़ गया। शरीर में सूजन आना शुरू हो गई। इस कारण फिर थानागाजी अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन कुछ देर देखने के बाद डॉक्टरों ने बालक की हालत गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल अलवर रेफर कर दिया। अलवर ले जाते समय बीच रास्ते में ही गिरिराज ने दम तोड़ दिया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बाबूलाल ने बताया कि छोटे भाई की अचानक बुखार आने से हालत बिगड़ी थी। पहले जांच में डेंगू बुखार बताया था। गिरिराज के पिता श्रवण योगी खेती बाड़ी करते हैं।

कोटकासिम क्षेत्र बना डेंगू-मलेरिया का हब : कोटकासिम सहित क्षेत्र में पिछले काफी समय से मौसमी बीमारियों का प्रकोप इस कदर फैला हुआ है कि ग्रामीण क्षेत्र में घर-घर में मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीज देखे जा रहे हैं।

सूत्रों की माने तो इस समय क्षेत्र में डेंगू व मलेरिया से पीड़ित मरीज देखे जा रहे हैं। जिसके चलते ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी बीमारियों को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। वहीं दूसरी तरफ उपखंड क्षेत्र के स्वास्थ्य केन्द्रो में पूरी तरह व्यवस्था चौपट होने से ग्रामीण मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पा रहा है। इससे ग्रामीण मरीजों को झोलाछाप चिकित्सकों की शरण लेनी पड़ रही है। हालात इस कदर बिगडे हुए हैं कि खंड के स्वास्थ्य केन्द्रों पर कहीं तो स्टाफ का अभाव है तो कहीं चिकित्सकों के पद रिक्त चल रहे है और कई स्वास्थ्य केन्द्रों पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी ओपीडी से नदारद मिलते हैं।

नाराज ग्रामीणों ने बीबीरानी के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर ताला लगा कर विराध प्रर्दशन किया और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ नारेबाजी की।

सोमवार को उपखंड क्षेत्र के बीबीरानी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ओपीडी के समय चिकित्सकों की कुर्सी खाली पडी थी। वहीं ओपीडी में आने वाले मरीजों की भीड़ लग गई। ग्रामीणों द्वारा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से फोन पर अव्यवस्था के बारे में अवगत कराना चाहा। ग्रामीणों का आरोप है की जिम्मेदार अधिकारियों के फोन भी बंद मिले। ऐसे में परेशान ग्रामीणों द्वारा बीबीरानी सीएचसी पर ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि अस्पताल में चार-चार चिकित्सक कार्यरत है। उसके बावजूद भी आपीडी के समय चिकित्सकों की कुर्सिया खाली मिलती है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में कार्यरत चिकित्सकों की लापरवाही को लेकर कई बार उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया। उसके बावजूद भी स्वास्थ्य केन्द्र में हालात सुधरने के नाम नहीं ले रहे है।

इसका खामियाजा ग्रामीण जनता को भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया एक तरफ तो जिला कलेक्टर द्वारा सभी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं उपखंड स्तर के अधिकारियों को औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य केन्द्रों में व्यवस्था सुधारने के दिशा-निर्देश दिए हुए है। उसके बावजूद भी बीबीरानी स्वास्थ्य केन्द्र के हालात बद से बदत्तर बने हुए है। ग्रामीणों का आरोप है कि औचक निरिक्षण के नाम पर जिम्मेदार अधिकारी अपने कार्यालयों के दस्तावेजो में ही खानापूर्ति कर रहे हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. बृजवीर सिंह ने बताया कि में हाई कोर्ट में कोर्ट एविडेंश के लिए जयपुर गया हुआ था। वहीं मेरा कार्यभार चिकित्साधिकारी डॉ. रोहिताश को सौंपा गया था।

खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. गोविन्द सिंह ने बताया कि बीबीरानी सीएचसी में कार्यरत चिकित्सकों की लापरवाही का मामला पूर्व में भी सामने आया था।

शिकायत होने पर उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया था। लेकिन सोमवार को फिर अव्यवस्थाओ को लेकर ग्रामीणों द्वारा प्रदर्शन की जानकारी प्राप्त हुई है। इस मामले की उच्च अधिकारियों द्वारा गठित टीम के माध्यम से जांच कराई जायेगी तथा दोषी पाये जाने वाले चिकित्सकों के खिलाफ सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

सात थानों की पुलिस ने 55 आरोपियों को पकड़ा

भिवाड़ी, 15 अक्टूबर (निसं)। जयपुर रेंज आईजी द्वारा चलाए जा रहे एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत रविवार को सुबह से देर रात तक भिवाड़ी एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन में बड़ी कार्रवाई की गई। भिवाड़ी थाना पुलिस ने 11, यूआईटी फेज थर्ड थाना पुलिस ने 6, चोपानकी थाना पुलिस ने 7, खुशखेड़ा थाना पुलिस ने 6, टपूकड़ा थाना पुलिस ने 6, शेखपुर अहीर थाना पुलिस ने 6, और तिजारा थाना पुलिस ने कुल 13 अपराधियों को गिरफ्तार किया। पूरे जिले में कुल 55 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

भिवाड़ी एसपी ज्येष्ठा मैत्रेई ने बताया कि जयपुर रेंज आईजी के अभियान के तहत भिवाड़ी जिले के सातों थानों में एक साथ व्यापक स्तर पर यह कार्रवाई की गई। जिले के सभी थानों में स्थाई वारंटी, वांछित अपराधी, संगीन अपराधों में शामिल बदमाशों के साथ-साथ टॉप टेन सूची में शामिल इनामी बदमाश और पॉक्सो सहित पेंडिंग मामलों में फरार अपराधियों को पकड़ा गया। भिवाड़ी पुलिस ने यह कार्रवाई एक साथ सभी थानों में की, जिससे अपराधियों को बचने का मौका न मिल सके।

खैरथल पुलिस ने 156 बदमाशों को पकड़ा

खैरथल, 15 अक्टूबर (निसं)। जयपुर रेंज आईजी द्वारा चलाए जा रहे एरिया डोमिनेशन के विशेष अभियान के तहत रविवार को खैरथल में एसपी मनीष चौधरी के निर्देशन में बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई। अभियान रविवार सुबह से देर रात तक चला।

खैरथल जिले के सभी थानों की कुल 18 टीमों में शामिल 149 पुलिसकर्मियों ने एक साथ 92 बदमाशों के ठिकानों पर दबिश देकर कुल 156 बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

चौधरी ने बताया कि इस अभियान में जिले के सभी थानों में स्थाई वारंटी, वांछित अपराधी, संगीन अपराधों में शामिल बदमाश, टॉप टेन के इनामी बदमाश और पोक्सो सहित पेंडिंग मामलों में फरार अपराधियों को पकड़ा गया।

विशेष योग्यजन आवेदन कर सकेंगे 7 तक

अलवर, 15 अक्टूबर (निसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक अनिल माच्या ने बताया कि मांसपेशीय दुर्विकास से पीडित दिव्यांगजन इलेक्ट्रिक पावर/व्हील चेयर हेतु अपने प्रस्ताव निर्धारित प्रपत्र में 7 नवम्बर 2024 को सांय 6 बजे तक ऑफलाइन माध्यम से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कार्यालय में प्रस्तुत करें।

इसके लिए आवेदन जिला कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि मानसिक दुर्विकास से ग्रसित विशिष्ट विकलांगता यूडीआईडी दिव्यांगता प्रमाण पत्र पीला (40 प्रतिशत से 79 प्रतिशत तक) अथवा नीला (80 प्रतिशत एवं इससे अधिक) स्वप्रमाणित संलग्न करें।

भगवत-चिंतन

प्रसन्न रहना सीखिए

परिस्थिति से अधिक मनस्थिति हमारे जीवन में सुख-दु:ख का निर्धारण करती है। जिन्दगी से हमारी शिकायतों का कारण अभाव नहीं अपितु हमारा स्वभाव होता है। हम केवल खोने का दु:ख मनाना तो जानते हैं पर पाने की खुशी नहीं। खुशी के लिए काम करोगे तो खुशी ही मिले यह आवश्यक नहीं लेकिन खुश होकर काम करोगे तो खुशी अवश्य मिलेगी यह निश्चित है।

सुख-दु:ख रूपी दो नदियों के संगम का नाम ही तो जीवन है। जिन्दगी से शिकायत करने की अपेक्षा जो प्राप्त है, उसका आनंद लेना सीखो, यही जीवन की वास्तविक उपलब्धि है। शांति एवं आनंद उसी के जीवन में होता है, जिसकी दृष्टि क्या खो दिया की अपेक्षा क्या पाया, इस बात पर होती है। भीतर से प्रसन्न रहिए क्योंकि मन की प्रसन्नता तन के दु:खों को भी कम कर देती है।

-महंत सुमेर गिरी महाराज

त्रियोग में शरद पूर्णिमा मनाई जाएगी कल

अलवर, 15 अक्टूबर (नसं)। आश्विन मास शुक्ल पक्ष में मनाई जाने वाली - शरद पूर्णिमा 16, अक्टूबर, बुधवार को मनाई जाएगी, इसे कोजागरी पूर्णिमा, कौमुदी-पूर्णिमा व रास-पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है।

पंडित यज्ञदत्त शर्मा ने बताया कि शरद पूर्णिमा पर इस बार- रवियोग, ध्रूव योग व व्याघात नामक 'त्रियोग' का विशेष शुभ संयोग बन रहा है। इन योग में भगवान श्री पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है।

शास्त्रोक्त इस दिन चन्हमा सोलह कलाओ युक्त रहता है, और चन्द्रमा की किरणो से अमृत की वर्षा होती है। पौराणिक ग्रंथों में लेख है कि- इस दिन चंन्हया की रोशनी मे खीर रखने से, खीर अमृततुल्य हो जाती है,जिससे श्रद्धालुओं को सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है, और उस खीर के प्रसाद के सेवन से तन और मन शुद्ध होता है। इस पूर्णिमा का व्रत करने से सुख-समृद्धि बढ़ती है, और श्रद्धालुओं की मनोकामना पूर्ण होती है। शास्त्रोक्त यह भी मान्यता है कि- शरद पूर्णिमा की रात - मां लक्ष्मी भूमंडल पर भ्रमण करती है।

डंपर चोरी, लूट और डकैती का आरोपी गिरफ्तार

भिवाड़ी, 15 अक्टूबर (निसं)। तिजारा थाना पुलिस ने रविवार रात को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए डंपर चोरी, लूट और डकैती के मामले में फरार एक 2 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। यह बदमाश जयपुर के चंदवाजी में डंपर चोरी करने वाले हार्डकोर बदमाशों के साथ मिलकर वारदातों को अंजाम देता था।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश सलमान, पुत्र जमाल खान, तिजारा के चावंडीकला का निवासी है। वह जयपुर के चंदवाजी थाने में डंपर चोरी, लूट, और डकैती के मामलों में फरार चल रहा था। रविवार देर शाम पुलिस को सूचना मिली कि सलमान अपने घर पर आया हुआ है। इस पर पुलिस ने उसके घर पर दबिश दी और उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की कड़ाई से पूछताछ के दौरान सलमान ने कई डंपर चोरी की वारदातें करने की बात स्वीकार की।

उसने बताया कि वह चंदवाजी के रहने वाले मुस्ताक उर्फ मुक्ता, अरशद उर्फ लंगड़ा और मुब्बा के साथ मिलकर डंपर चोरी की वारदातों को अंजाम देता है।

पुलिस ने आगे की कार्रवाई के लिए चंदवाजी पुलिस को सूचना दे दी है और अब सलमान को चंदवाजी पुलिस के हवाले किया जाएगा।

पेयजल समस्या का नहीं निकला समाधान, परेशान महिलाओं ने लगाया फिर से जाम

अलवर, 15 अक्टूबर (नसं)। शहर में पेयजल समस्या का समाधान नहीं निकल पा रहा है। कई वार्ड व मौहल्लों में अभी भी पानी की समस्या बरकरार है। वार्ड नंबर 13 में पानी की समस्या को लेकर महिलाओं ने सोमवार को मुंशी बाजार से दिल्ली दरवाजा रोड पर जाम लगाया। जाम की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जलदाय विभाग के अधिकारी को बुलाया गया। इस दौरान महिलाओं ने पानी की समस्या से अधिकारियों को अवगत कराया।

जिस पर अधिकारियों ने महिलाओं को पानी की समस्या का निस्तारण करने का आश्वासन दिया। महिलाओं ने बताया कि सर्दी का मौसम शुरू हो चुका है लेकिन पानी की किल्लत जस की तस बनी हुई है। पानी की समस्या से महिलाएं परेशान है महिलाओं को दूर दराज से पानी भरकर लाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा सरकारी टैंकर की सप्लाई नही की जाती है। ना ही पानी की समस्या पर जलदाय विभाग अधिकारी ध्यान दे रहे है। काफी बार जलदाय विभाग कार्यालय में जाकर महिलाओं ने पानी की समस्या से अधिकारियों को अवगत कराया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ इसलिए आक्रोशित महिलाओं ने जाम लगाया।

मोपेड बाईक की भिड़ंत, पति-पत्नी गंभीर घायल

अलवर, 15 अक्टूबर (नसं)। जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र में बाइक और मोपेड की भिड़ंत में पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें गंभीर हालत में अलवर जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

जानकारी के अनुसार उत्तरप्रदेश के बुलंदशहर निवासी हबीब खान और उसकी पत्नी नसीबन उत्तर प्रदेश से गुजरात कपास की खेती में मजदूरी करने के लिए मोपेड से जा रहे थे। रास्ते में लक्ष्मणगढ़ में अपने रिश्तेदार के यहां जाना था।

रास्ते में तेज गति से आ रही एक बाइक ने उनकी मोपेड को टक्कर मार दी। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दोनों के सिर में गंभीर चोट लगी है। दोनों पति-पत्नी हर साल सीजन में कपास की खेती में मजदूरी करने यूपी से गुजरात जाते हैं।

जिंदा कारतूस सहित एक बदमाश गिरफ्तार

भिवाड़ी, 15 अक्टूबर (निसं)। पुलिस जिले की तिजारा थाना पुलिस ने अवैध हथियार रखने वाले बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। साथ ही उसके कब्जे से एक कारतूस और एक देसी कट्टा बरामद किया है। आरोपी इसे बेचने की फिराक में घूम रहा था।

तिजारा थाना अधिकारी हनुमान प्रसाद ने बताया कि आगामी दिनों में त्योहारी सीजन को देखते हुए क्षेत्र में बदमाशों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। जिसके तहत पूरे क्षेत्र में अवैध हथियार रखने वाले बदमाशों की बड़े स्तर पर धर पकड़ की जा रही है।

इसी के तहत तिजारा थाना पुलिस ने अलापुर जट्ट के रहने वाले शाहिद पुत्र ईसी मेव को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने इसके कब्जे से एक जिंदा कारतूस और एक 315 बोर का देसी कट्टा जप्त किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी के खिलाफ करीब 8 मामले अनेक धाराओं में बानसूर, तिजारा, अलवर, राजगढ़, किशनगढ़ बास के थानों में दर्ज हैं। यह व्यक्ति अपराधिक प्रवृत्ति का है जिससे कड़ाई से पूछताछ की जा रही है।

बानसूर के चूला में फिर बघेरी की हलचल से भारी दहशत का माहौल

बानसूर, 15 अक्टूबर (नसं)। जिले में पिछले एक महीने से लेपर्ड (बघेरे) की मूवमेंट ने ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना दिया है। इस दौरान लेपर्ड कई पालतू जानवरों का शिकार कर चुका है, लेकिन वन विभाग अभी तक इसे रेस्क्यू करने में असफल रहा है।

रविवार रात को लेपर्ड बानसूर के चूला गांव के आबादी क्षेत्र में घुस गया। उसकी मूवमेंट एक मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जब ग्रामीणों ने लेपर्ड की उपस्थिति की सूचना के बाद सीसीटीवी चेक किए, तो वे भयभीत हो गए। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले महीने से लगातार लेपर्ड की गतिविधियां देखी जा रही हैं, जिससे पूरे गांव में डर का माहौल बना हुआ है।

इस बारे में कई बार वन विभाग को सूचना दी गई, लेकिन विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि लेपर्ड अब तक कई पालतू मवेशियों का शिकार कर चुका है, जिसके चलते वे अपने मवेशियों की दिन-रात निगरानी कर रहे हैं।

कानपुरा वन नाका के वनपाल जयकिशन यादव ने बताया कि लेपर्ड की उपस्थिति की सूचना सोमवार सुबह प्राप्त हुई है और टीम को स्थिति की मॉनिटरिंग के लिए भेजा जाएगा।

उन्होंने बताया कि पिछली बार भी टीम भेजी गई थी, लेकिन खेतों में फसल होने के कारण लेपर्ड की मूवमेंट पकड़ में नहीं आ सकी। आज फिर से टीम को भेजकर लेपर्ड को जंगल की ओर खदेड़ने के प्रयास किए जाएंगे।

एनसीआर का खामियाजा : पटाखों पर रोक जैसे नियम तो थोप दिए, पर बजट से अभी तक महरूम

मुंडावर, 15 अक्टूबर (निसं)। जिले में पटाखा चलाने व बिक्री करने की प्रशासन की ओर से कोई अधिसूचना जारी नहीं होने के कारण एनसीआर क्षेत्र की लकीर पिटी जा रही है। जबकि एनसीआर के आए दिन नए नियम बनाए जा रहे हैं। बावजूद इसके जिले में भी दिल्ली एवं एनसीआर में प्रदूषण नियंत्रण में तेज ध्वनि व प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों के चलाने एवं बिक्री रोक के दायरे में लिया हुआ है। लेकिन जिले को एनसीआर के विकास का बजट से महरूम रखा जा रहा है।

बताया तो यहां तक जा रहा है कि पिछले वर्ष एनसीआर मैनेजमेंट की हुई बैठक में एनसीआर क्षेत्र का दायरा 100 किलोमीटर तक किया गया है। दायरे के बाद खैरथल व मुंडावर एनसीआर क्षेत्र से दूर हो जाते हैं।

बावजूद इसके बाद पटाखा प्रतिबंध किया जाना लकीर पीटना माना जा रहा है। कहा तो यह भी जा रहा है कि धीमी आवाज व कम प्रदूषण पटाखों की बिक्री की अनुमत जारी होगी। लेकिन शासन प्रशासन की ओर से किसी भी तरह का कोई गाइडेंस जारी नहीं होने से क्षेत्र वासियों के लिए दीपावली का त्यौहार फीका माना जा रहा है। क्षेत्रवासी एडवोकेट सतीश यादव नाहर खेड़ा एवं सुभाष शर्मा का कहना है कि मुंडावर एवं खैरथल कस्बों को एनसीआर क्षेत्र में माना तो जा रहा है। लेकिन क्षेत्र में एनसीआर क्षेत्र में होने वाली सुविधा का न तो बजट मिलता है, और ना हीं एनसीआर क्षेत्र एवं दिल्ली पहुंचने की कोई सीधी कनेक्टिविटी की हुई है।

लेकिन एनसीआर के नियम व अनेक प्रकार के टैक्स थोप कर क्षेत्रवासियों को केबल परेशान किया जा रहा हैं।

एनसीआर में शामिल होने का नहीं मिल रहा फायदा

दिल्ली एनसीआर से मुंडावर खैरथल जैसे शहर करीब 200 किलोमीटर दूरी पर है। पिछले दिनों एनसीआर अधिकारियों ने एनसीआर क्षेत्र की सीमा को घटा कर 100 किलोमीटर तक सीमित कर दिया था। क्षेत्र में एनसीआर विकास का बजट भी नहीं आ रहा है। लेकिन एनसीआर के नियम में व्हीकल एक्ट, ध्वनि व वायु प्रदूषण जैसे नियम थोपे हुए है। पेट्रोल डीजल व अन्य वस्तुओं मे भी एनसीआर का टैक्स दे रहे हैं। लेकिन फायदा कुछ नहीं मिल रहा।

एडवोकेट, सतीश यादव नाहर खेड़ा

कम ध्वनि व कम प्रदूषण करने वाले पटाखा चलाने की अनुमति मिल जाए तो दीपावली के उत्सव में उल्लास आ जाएगा। पटाखे चलाने से ज्यादा व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर से लगातार कार्बन उत्सर्जन हो रहा है। इन पर प्रतिबंध लगाना ज्यादा सार्थकों होगा।

एडवोकेट, सुभाष शर्मा

असद हॉस्पिटल
सहारा सोनोग्राफी के पास, भगतसिंह चौराहा, अलवर
M. 9587298975, 96728 52465

डॉ. साहुन खान (सर्जन)
जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
MBBS, MS, FIAGES, FMAS
RMC No. 29637
भूत पूर्व चिकित्सक
SMS हॉस्पिटल, जयपुर
सफदरजंग हॉस्पिटल, दिल्ली
ESIC हॉस्पिटल, दिल्ली

डॉ. परवीन खान (गायनेकॉलोजिस्ट)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
MBBS, MS, FMAS
RMC No. 34148
भूत पूर्व चिकित्सक
SMS हॉस्पिटल, जयपुर
महात्मा गांधी हॉस्पिटल, जयपुर

असद हॉस्पिटल में सुविधाओं का विस्तार

डॉ. मोहित अग्रवाल
M.B.B.S., D.N.B. (Orthopedics)
(हड्डी रोग विशेषज्ञ)
हड्डी सम्बन्धित रोग :-
- कोहनी व एडी का दर्द व सूजन का ईलाज।
- बच्चे के जन्मजात टेड़े पैरो का प्लास्टर से ईलाज।
- हड्डियों से पुरानी एवं रोड व प्लेट निकालना।
- सभी प्रकार के फ्रेक्चर का ईलाज व ऑपरेशन।
- घुटनों में मवाद (इन्फेक्शन)।
- रीड़ की हड्डी का दर्द, कमर दर्द।
- हाथ व पैरों में सुन्नपन व झनझनाहट।
- जोड़ो का पुराना दर्द।
- हाथ व पैरों में नसों का खिचांव।
- गठिया बाय।

डॉ. महेश सोनवाल
M.Ch. (Urology)
(मूत्र रोग विशेषज्ञ)
मूत्र सम्बन्धित रोग :-
- पेशाब के रास्ते पथरी की शिकायत।
- बार-बार पेशाब आना।
- प्रोस्टेट बढ़ना।
- उठने-बैठने, जोर लगाने, खांसने-छींकने से मूत्र उत्सर्जन होना।
- पेशाब में जलन, पेशाब रूकने और पथरी की शिकायत।

डॉ. लोकेश लालवानी
MBBS, DNB, FCCS
Chest Physician and Interventional Pulmonologist
(चेस्ट फिजिशियन)
चेस्ट सम्बन्धित रोग :-
- टी. बी. रोग
- अस्थमा
- सांस
- बुखार
- खाँसी, जुकाम
- सांस भरना

ईमरजेंसी सेवाएं उपलब्ध

पूर्णतया वातानुकूलित अस्पताल
ओ.पी.डी. मरीज देखने का समय
एम्बुलेंस सुविधा
प्रात: 9 बजे से 2 बजे तक | सायं 4 बजे से 8 बजे तक

नाबालिग बच्चे के साथ किया कुकर्म

जयपुर। हरमाड़ा थाना इलाके में एक महिला ने अपने पड़ौसी पर पोते के साथ गलत काम करने की शिकायत दर्ज कराई हैं। महिला की शिकायत पर पड़ौसी के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली गई हैं। मामले की गम्भीरता को देखते हुए मामले की जांच एसीपी चौमूं अशोक चौहान को दी गई हैं। एसीपी अशोक चौहान ने बताया कि पीड़ित दादी ने 13 अक्टूबर को हरमाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके नाबालिग पोते के साथ पड़ौसी ने गलत काम किया। पडौसी के यहां से घर लौटे पोते से दादी ने जब रोने का कारण पूछा तो बच्चे ने पड़ौसी पर गलत काम करने का आरोप लगाया। जिस पर महिला पोते को लेकर हरमाड़ा थाने पहुंची और पुलिस अधिकारियों को घटना को लेकर जानकारी दी। जिस पर हरमाड़ा थाना पुलिस ने महिला की रिपोर्ट पर कॉलोनी के युवक के खिलाफ नाबालिग के साथ गलत काम करने की एफआईआर दर्ज की। मामले की गम्भीरता को देखते हुए नाबालिग बच्चे का मेडिकल कराया दिया गया हैं। जल्द बच्चे के 164 के बयान दर्ज किये जाएंगे। पीड़ित महिला ने जिस पडौसी पर गलत काम करने का आरोप लगाया है उसकी गिरफ्तारी के लिए सम्भावित ठिकानों पर रेड की जा रही है। जल्द आरोपी की गिरफ्तारी होगी।

गंगापुरसिटी में अग्रवाल समाज का सम्मान समारोह 27 अक्टूबर को

गंगापुर सिटी। अग्रवाल कर्मचारी विकास समिति गंगापुर सिटी द्वारा अग्रवाल समाज गंगापुर सिटी के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह 27 अक्टूबर रविवार को पर्ल होटल बाई पास रोड गंगापुर सिटी पर आयोजित होगा।अग्रवाल कर्मचारी विकास समिति अध्यक्ष राधामोहन गोयल , महामंत्री धनश्याम सेवा व कार्यक्रम संयोजक जगदीश अकाउंटेंट ने बताया कि हर बर्ष की भांति इस वर्ष सत्र 2024 में MBBS, MS, IIT, JEE MAINS में 10000 रैंक, IAS, IES, RAS, 10th,12th में 90 प्रतिशत एवं नवनियुक्त सरकारी कर्मचारियों सत्र 20 नवम्बर 2023 से 27 अक्टूबर 2024 अग्रवाल सरकारी कर्मचारियों का सम्मान समारोह 27 अक्टूबर रविवार को पर्ल होटल बाई पास रोड गंगापुर सिटी पर किया जाएगा। सम्मान समारोह के लिए आवेदन फार्म गौरव स्टेशनर फब्बारा चौक, जितेन्द्र बुक्स एण्ड जनरल स्टोर फब्बारा चौक, महेंद्र मेडिकल स्टोर कचहरी रोड,खेमा मेडिकल स्टोर उदेई मोड, गुप्ता डायग्नोस्टिक सेंटर अस्पताल रोड, हरिओम भगत सुभाष बाजार, मित्तल आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय मिर्जापुर, कार्तिक कलेक्शन आर्य समाज मंदिर के पास उपलब्ध है। आवेदन दिनांक 17 अक्टूबर तक उक्त स्थानों से प्राप्त कर जमा कराए जा सकते हैं।

चौमूं में श्रीराम-जानकी का राजतिलक देख गाए मंगल गीत

चौमूं। रामलीला का शनिवार रात्रि को रामलीला के मंच पर रंग बिरंगी रोशनी एवं भगवान राम के राज्याभिषेक के साथ समापन हुआ। इससे पहले रेलवे स्टेशन खेल मैदान में रावण दहन के बाद भगवान श्रीराम का चौपड़ स्थित जानकीनाथ मंदिर के सामने रामलीला के मंच पर उपस्थित दर्शकों के बीच में भव्य राजतिलक किया गया। रामलीला स्थल भगवान श्रीराम के जयकारो से गूंज उठा और जय जयकार होने लगी। श्री आदर्श रामलीला मंडल के अध्यक्ष कालूराम जाट, महामंत्री गोपाल लाल रेवड़का, निर्देशक महेश शर्मा हवेलीवाला सहित मंडल के अनेक पदाधिकारियों ने भगवान श्रीराम की आरती उतारी एवं आशीर्वाद लिया। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माने जाने वाला विजयादशमी पर्व बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया । रामलीला के मंच पर जैसे ही भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक हुआ, वैसे ही पटाखो की रंग बिरंगी आतिशबाजी से मंच बड़ा ही सुंदर लगने लगा और ऐसा लगा कि मानो अयोध्या नगरी ही आज चौमूं रामलीला में आ बसी हो। भगवान श्रीराम का राजतिलक देखकर रामलीला में उपस्थित दर्शक खुशी से झूम उठे और तालिया की गड़गड़ाहट से पूरा रामलीला स्थल गूंजने लगा। भगवान राजाराम के मंगल गीत गाए गए। मंडल के निर्देशक महेश शर्मा हवेलीवाला भगवान श्रीराम के चरणों में आशीर्वाद लेते समय भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। इससे पूर्व नगर परिषद के आयुक्त सूर्यकांत शर्मा के द्वारा मंडल के कलाकारों को चांदी के वर्क से युक्त हनुमान चालीसा भेंट की गई। इस अवसर पर अरुण जांगिड़, दीपक पुजारी, सत्यनारायण पुजारी, सुरेश मानावत, सतीश शर्मा, कोषाध्यक्ष गिरीश शर्मा, महेश भातरा, राजेंद्र शर्मा, बनवारी लाल भातरा, श्याम सुंदर कर्मवीर, अरविंद भातरा, गोविंद विजयवर्गीय सहित मंडल के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यकर्ता एवं काफी संख्या में दर्शक द्य रामलीला मंडल के अध्यक्ष कालूराम जाट एवं महामंत्री गोपाल लाल रेवड़का ने उपस्थित लोगों के साथ-साथ पुलिस प्रशासन, रामलीला मंडल एवं उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

वाल्मीकि समाज की क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित

रींगस। कस्बे के नदी पुलिया के समीप स्थित क्रिकेट स्टेडियम में वाल्मीकि समाज क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश भर से 16 टीमों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि खंडेला विधायक सुभाष मील ने बेटिंग करके किया और खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल को खेल भावना और अनुशासन के साथ खेलना चाहिए और हार से कभी भी घबराना नहीं चाहिए क्योंकि हार हमेशा एक बड़ी सफलता का द्वार खोलती है। उद्घाटन कार्यक्रम में आए अतिथियों का शिक्षाविद प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में आयोजक मंडल के सदस्यों ने माला पहनाकर, साफा बंधवा और प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। रामनिवास घोघलिया ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच सरदारशहर और अजमेर के बीच खेला गया जिसमें सरदारशहर 22 रनों से मैच की विजेता रही। एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रदेश भर से 16 टीमों ने भाग लिया। इस दौरान पालिका उपाध्यक्ष अमित शर्मा, ठेकेदार गुलाब चंद, पार्षद राकेश भादुपोता, बीरबल निठारवाल, मोतीराम जांगिड़, महेश अग्रवाल, लोकेश कुमावत, पप्पू राम मारवाल, ठेकेदार जगदीश प्रसाद कुमावत, चंद्रशेखर बावलियां, तेजपाल कुमावत, जमादार रमेश कुमार, कालीचरण सहित आयोजक मंडल के रामनिवास घोघलिया, रमेश टांक, दिनेश टांक, संजय गुजराती, विशाल टांक, गौतम लांपुवा, शंकर घोघलिया, मिथुन गुजराती आदि मौजूद थे।

एकादशी पर बाबा श्याम का मनमोहक श्रृंगार

खाटूश्यामजी। कस्बे में स्थित बाबा श्याम के दरबार में आश्विन शुक्ल पक्ष की एकादशी व द्वादशी के अवसर पर दो दिवसीय मेला आज से शुरू हुआ। अल सुबह से श्याम भक्त बाबा श्याम के दर्शन करके मन्नोतिया मांगते नजर आए। श्याम दीवाने श्री श्याम मंदिर कमेटी द्वारा बनाई गई व्यवस्था में कतारबद्ध होकर बाबा श्याम के जयकारे लगाते हुए बाबा श्याम के दरबार में पहुंच रहे हैं। श्याम भक्त एकादशी पर हाथों में निशान लिए बाबा श्याम से अरदास करने खाटू नगरी में आ रहे हैं।इसके साथ ही श्री श्याम मंदिर कमेटी द्वारा एकादशी पर बाबा श्याम का मनमोहक श्रृंगार किया गया है वहीं भक्तों के सैलाब को देखते हुए मंदिर कमेटी सुगम दर्शन व्यवस्थाओं को माकूल इंतजाम किए गए हैं।दो दिवसीय मेले में मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान के नेतृत्व में सम्पूर्ण व्यवस्थाओं पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। श्याम बाबा के दो दिन चलने वाले इस मासिक मेले में पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद नजर आ रहा है।

एकादशी पर भीड़ को देखते हुए उपखंड अधिकारी मोनिका सामोर, तहसीलदार महिपाल सिंह राजावत, डीवाईएसपी पार्थ शर्मा के नेतृत्व में दर्शन व्यवस्थाओं को लेकर अलर्ट रहते हुए व्यवस्था की। वही थानाधिकारी राजाराम लेघा के नेतृत्व में पुलिस थाने का जाब्ता, पुलिस लाइन का अतिरिक्त जाब्ता, होमगार्ड्स,सिक्योरिटी गार्ड्स के साथ-साथ स्पेशल क्यूआरटी टीम, एसडीआरएफ टीम के जवानों ने भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ दर्शन व्यवस्था में सहयोग किया।

विहिप और बजरंगदल कार्यकर्ताओं ने किया शस्त्र पूजन

श्रीमाधोपुर। रविवार को विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ता महामंडलेश्वर ओंकारदास महाराज के सानिध्य में गाजे-बाजे के साथ महावीर दल पहुंचे जहां विधि-विधान से शस्त्र पूजन किया। विहिप जिला उपाध्यक्ष मुकेश कुमार शर्मा ने बताया कि श्रीराम दरबार और बजरंग बली के पूजन के बाद परम्परागत विधि विधान से शस्त्रों का पूजन किया गया।

बजरंग दल जिला सह संयोजक रवि प्रजापत व विहिप प्रखंड संरक्षक रामरतन सोनी ने शस्त्र पूजन को शौर्य का प्रतीक बताया। ओंकारदास महाराज ने कहा कि रामायण काल से ही शस्त्र पूजा की परंपरा चली आ रही है। विजया-दशमी के दिन भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर लंका विजय की थी। मान्यता है कि रावण का वध करने से पहले भगवान राम ने शस्त्रों की पूजा की थी। तभी से इस दिन शस्त्र पूजन किया जाता है। कार्यक्रम में विहिप प्रखंड अध्यक्ष अजय मिश्रा, उपाध्यक्ष एडवोकेट अमित ठठेरा, सेवा प्रमुख कृष्ण मुरारी चेजारा, बजरंग दल के प्रखंड संयोजक दीपेंद्र योगी, प्रतीक कुमावत, हेमन्त सैनी, पंकज सैनी आदि मौजूद थे।

शस्त्र पूजन के बाद घोष की धुन पर निकला आरएसएस का पथ संचलन

श्रीमाधोपुर। शहर के स्टेशन रोड स्थित राउमावि से आरएसएस का द्वि पथ संचलन शहर के मुख्य बाजारों से होता हुआ वापस स्कूल के मैदान में पहुंचा जहां पथ संचलन का समापन हुआ।। अनुशासन के साथ घोष की धुनों पर सैकड़ों स्वयंसेवक %संगठन गढ़े चलो सुपंथ पर बढ़े चलो% कहते हुए चल रहे थे। दो मार्गो से निकला पथ संचलन का संगम श्री गोपीनाथ मंदिर के पास रींगस बाजार में हुआ।

पथ संचलन में संघ के स्वयंसेवक एक ही लय और अनुशासन में चलते हुए नजर आए। पथ संचलन का शहर में करीब 2 दर्जन से ज्यादा जगह पर पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया। इससे पहले एकत्रीकरण के बाद शस्त्रों की पूजा की गई। नगर कार्यवाह रामोतार महर्षि ने बताया कि इस दौरान मुख्य वक्ता जयपुर के सह प्रांत कार्यवाह कृष्ण कुमार अडानिया ने कहा कि समाज में जातिभेद न रहे। हर वर्ग में राष्ट्रीयता का भाव प्रवाहित होना चाहिए। नगर संघचालक जटाशंकर व्यास और बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विजय शर्मा ने स्वयंसेवकों से एकजुटता के सूत्र में बंध कर राष्ट्रसेवा में सदैव आगे रहने का आह्वान किया। इस मौके पर सह नगर कार्यवाह अरूण कुमार, नगर प्रचार प्रमुख दिव्यांश भारती समेत संघ से जुड़े काफी संख्या में स्वयंसेवक मौजूद थे।

बारिश के बीच ठंड ने दिखाया रंग

जयपुर। प्रदेश में बारिश का दौर अभी थमा नहीं है। मानसून की विदाई के बाद भी प्रदेश के पूर्वी इलाकों में बरसात का दौर जारी है। पिछले चार दिनों से प्रदेश के 12 से ज्यादा जिलों में बरसात का मौसम बना हुआ है। मौसम विभाग की ओर से रोजाना बारिश का अलर्ट जारी किया जा रहा है। इसके चलते जयपुर समेत कुछ जिलों में हल्की बारिश से ठंडक का अहसास होने लगा है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर सोमवार को भी 17 जिलों में बरसात का येलो अलर्ट जारी किया है। रविवार को अजमेर में अधिकतम तापमान 30.1 डिग्री सेल्सियस, भीलवाड़ा में 26.7, जयपुर में 30, कोटा में 26.4, उदयपुर में 25.5, चित्तौड़गढ़ में 27.5 और जोधपुर में 31.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उदयपुर में पिछले 24 घंटे के दौरान 4 इंच यानि 100 एमएम से ज्यादा बरसात दर्ज हुई। अक्टूबर महीने में सर्वाधिक बारिश का यह नया रिकॉर्ड बना है।

सोमवार को 17 जिलों में येलो अलर्ट

राज्य में आज भी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने 17 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। इसके साथ ही राजस्थान के दक्षिणी हिस्से जिसमें उदयपुर, कोटा और जोधपुर संभाग शामिल हैं, में अगले 3-4 दिन बादल छाए रहने और मेघगर्जन के साथ मध्यम बारिश की संभावना है। राज्य के उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है।

फैक्ट्री में चोरी के इरादे से घुसे आरोपी को पकड़कर पुलिस को सौंपा

श्रीमाधोपुर। शहर के रीको इंडस्ट्रीज एरिया जालपाली में एक फैक्ट्री में चोरी करने के इरादे से घुसे तीन लोगो में से एक जने को फैक्ट्री के लोगो ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। रीको एरिया श्रीमाधोपुर निवासी श्रीनिवास पांडे ने बताया कि माउंट प्रभात एग्रसो प्राइवेट लिमिटेड रीको एरिया जालपाली में 11 अक्टूबर को सुबह 9 बजे चौकीदार ट्यूबवैल चालू करने गया तो ट्यूबवैल की करीब 15 मीटर केबल कटी हुई थी। प्लॉट के ऑफिस ब्लॉक के सभी ताले टूटे हुए थे। वही प्रमोद इंडस्ट्रीज तेल मिल के चौकीदार श्रवण सिंह ने भी शनिवार को थाने में रिपोर्ट दी थी कि चोरी के इरादे से फैक्ट्री में घुसे चोरो ने फैक्ट्री व मकान के 14 ताले तोड़ दिए।

चोरो को कीमती सामान नही मिलने पर तोड़फोड़ कर दी जिससे काफी नुकसान हुआ। रविवार को फिर से तीन जनें चोरी के इरादे से प्रमोद इंडस्ट्रीज तेल मिल में घुस गए, जिनमें से एक को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। इधर मामले में थानाधिकारी जयसिंह बसेरा ने बताया कि आरोपी को पकड़ने के बाद किसी ने रिपोर्ट नही दी। आरोपी सोनू उर्फ कालू सांसी निवासी रींगस को शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आज का राशिफल

मंगलवार, 15 अक्टूबर, 2024

- **मेष :** आपका योजनाबद्ध तरीके से अपनी दिनचर्या व कार्य को करना आपको अपने लक्ष्य हासिल करने में सहायता करेगा। कुछ समय बच्चों के साथ व्यतीत करने से उनका मनोबल बना रहेगा। कहीं फंसा हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलने की उम्मीद है।
- **वृष :** आपने अपनी उपलब्धियां, उम्मीद संबंधी जो सपने सजाए थे। वो बहुत हद तक पूरे हो सकते हैं, इसलिए जोश और मेहनत के साथ अपने काम निपटाने की कोशिश करते रहें। कॉम्पिटिशन के दौर में खुद को साबित करने का अच्छा मौका है।
- **मिथुन :** आज सोच-विचार तथा आत्म निरीक्षण करने का समय है। किसी प्रिय व्यक्ति से मुलाकात आपके लिए वरदान साबित होगी। स्थान परिवर्तन की योजना बन रही है, तो अनुकूल समय है। दूसरों के मामले में बिना वजह हस्तक्षेप ना करें।
- **कर्क :** आप अपनी व्यवस्थित दिनचर्या और कार्यप्रणाली से अपना लक्ष्य हासिल कर लेंगे। जिससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी। कोई उधार दिया हुआ अथवा रुका हुआ पैसा मिलने की भी संभावना है।
- **सिंह :** घर के किसी सदस्य के विवाह संबंधी तैयारियों मैं व्यस्तता रहेगी। यह समय मानसिक शांति व संतोषदायक है। भाइयों के साथ संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। फायदेमंद यात्रा हो सकती है। वैभव संबंधी वस्तुओं की खरीदारी भी संभव है।
- **कन्या :** घर में व्यवस्था बनाए रखने तथा रखरखाव संबंधी काम की अधिकता रहेगी, परंतु आप पूरे मनोयोग और उर्जा से उन्हें संपन्न करने में सक्षम भी रहेंगे। किसी नजदीकी व्यक्ति की मुसीबत में उसका सहयोग करने से आत्मिक खुशी मिलेगी।
- **तुला :** इस समय प्रैक्टिकल तरीके से अपने कार्यों को अंजाम दें, क्योंकि भावनाओं में आकर आप नुकसान कर सकते हैं। कोई प्रॉपर्टी संबंधी मसला हल होने की संभावना है। इसलिए प्रयासरत रहे। युवा वर्ग को अपनी मेहनत के अनुरूप शुभ परिणाम भी हासिल होंगे।
- **वृश्चिक :** प्रॉपर्टी अथवा वाहन से संबंधित लोन लेने का प्रयास कर रहे हैं तो आज आपकी समस्या हल हो सकती हैं। आज का दिन परिवार के साथ आराम और मौजमस्ती में व्यतीत होगा।घर के बदलाव संबंधी योजनाएं क्रिया रूप में परिणित हो सकती हैं।
- **धनु :** पारिवारिक व्यवस्था को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेंगे। पैतृक संपत्ति या किसी भी प्रकार का विवाद आज किसी की मध्यस्थता से सुलझाने का उचित समय है।
- **मकर :** राजनीतिक संबंधों द्वारा पिछले काफी समय से कोई रुका हुआ मामला हल हो जाएगा। इस समय कोई महत्वपूर्ण उपलब्धि भी मिलने की संभावना है। भूमि संबंधी किसी गतिविधि में निवेश करने के लिए समय अनुकूल है। अपने ऊपर अतिरिक्त कार्यभार ले लेने से अत्यधिक थकान और परेशानी महसूस करेंगे।
- **कुंभ :** आज का दिन घर की सुख सुविधा संबंधी कार्य और जरूरत संबंधी वस्तुओं की खरीदारी में व्यतीत होगा। घर के बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद व स्नेह परिवार पर बना रहेगा।
- **मीन :** अपनी दिनचर्या व्यवस्थित करने से आपके व्यक्तित्व में भी निखार आएगा। अनुभवी तथा प्रभावशाली लोगों के साथ संपर्क बनेंगे तथा नई-नई जानकारियां भी हासिल होगी। किसी धार्मिक स्थल पर भी जाने का प्रोग्राम बन सकता है।

पीड़ित मुक्त राजस्थान अभियान की शुरूआत

सड़क किनारे बैठे आश्रयहीन, असहाय, बीमार, लावारिस प्रभुस्वरूप पीड़ितों का करेंगे इलाज, देगें सहारा

धौलपुर, 15 अक्टूबर। राजस्थान को आश्रयहीन, असहाय, नि:शक्त, लावारिस मुक्त कराने के उद्देश्य से संस्था मां माधुरी बृज वारिस सेवा सदन ''अपना घर'' तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वाधान में विशेष रेस्क्यू अभियान संपूर्ण राजस्थान में एक साथ चलाया जा रहा है।

इसी कड़ी में जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी के निर्देशन में अपना घर संस्थान धौलपुर एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग धौलपुर की ओर से सोमवार को विशेष रेस्क्यू अभियान की शुरुआत की गई। इस दौरान धौलपुर शहर जैसे रेल्वे स्टेशन, बस स्टैण्ड, सार्वजनिक स्थल, धार्मिक स्थल सहित ग्रामीण क्षेत्र में टीमें निरीक्षण करते हुए निराश्रितों का इलाज करने के साथ ही उन्हें रहवासीय सुविधा भी उपलब्ध करवायी जायेगी। अभियान 19 अक्टूबर 2024 तक चलाते हुए प्रभुजनों को भर्ती किया जायेगा। रेस्क्यू किये प्रभुजनों की सूचना संबंधित थाने में इंद्राज की जायेगी एवं उनका पुनर्वास किया जायेगा।

संस्था अपना घर आश्रम बाड़ी द्वारा अपना हेल्पलाइन नंबर 8949838684 जारी किया गया है। हेल्पलाईन नंबर पर जिले का कोई भी आम नागरिक सूचना दे सकता है। सोमवार को जिले से विशेष रेस्क्यू अभियान का शुभारम्भ आव्हाद निवृत्ती सोमनाथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद द्वारा एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर किया गया।

इस अवसर पर देवेन्द्र सिंह जांगल, जिला समाज कल्याण अधिकारी, अपना घर आश्रम से सुनील गर्ग, सरंक्षक, राजुद्दी खान, अध्यक्ष, वासुदेव गर्ग, संरक्षक, एड. मुकेश बंसल, एड. कीर्ति राजावत, एड. जितेन्द्र चौहान, श्याम मनोहर कुलश्रेष्ठ, समाज कल्याण विभाग से बीएसएसओ मनीराम शर्मा आदि उपस्थित रहे।

शरद महोत्सव के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु दिए दिशा निर्देश

धौलपुर, 15 अक्टूबर। शरद महोत्सव के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु एवं मेले की तैयारियों हेतु जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारियों को मेले की तैयारियों हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने महोत्सव के दौरान मेला नियंत्रण कक्ष एवं ऑवर्जेवेशन रूम स्थापित कर पर्याप्त मात्रा में आवश्यक संसाधनों सहित स्थापित करने के निर्देश दिए। साथ ही मेला स्थल पर पेयजल, बिजली, चिकित्सा आदि सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समस्त विभाग आपस में समन्वय स्थापित करते हुए पर्यटन विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार आवश्यक व्यवस्थाएं करना सुनिश्चित करें। उन्होंने आयुक्त नगर परिषद को दुकाने व पार्किंग, लाइट्स आदि के संबंध में आवश्यक व्यवस्थाएं किये जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने पुलिस विभाग को मेले के दौरान शांति व्यवस्था, यातायात प्रबंधन एवं सुरक्षात्मक व्यवस्था हेतु निर्देश दिए। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा, नगर परिषद आयुक्त अशोक शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

भारतीय संस्कृति और कला आधारित होंगी विभिन्न प्रतियोगिताएं, दूसरे दिन उपमुख्यमंत्री बैरवा होंगे मुख्य अतिथि

उदयपुर, 15 अक्टूबर। मीरा-प्रकाश वर्मा फाउंडेशन के तत्वावधान में उदयपुर में 16 और 17 अक्टूबर 2024 को 69वां मीरा महोत्सव मनाया जाएगा। इसके तहत विविध सांस्कृतिक आयोजन व प्रतियोगिताएं होंगी। महोत्सव के दूसरे दिन समापन समारोह में उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा मुख्य अतिथि के रूप में सान्निध्य प्रदान करेंगे।

फाउंडेशन के अध्यक्ष लव वर्मा ने बताया कि पिछले 68 वर्षों से यह संस्थान मीरा बाई के जीवन दर्शन, लोक कला के संरक्षण और कलाकारों को मंच प्रदान करने में अग्रणी रहा है। यह संस्थान उदयपुर का एकमात्र ऐसा केंद्र है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय संस्कृति की प्रासंगिकता को बनाए रखने के लिए कार्य कर चुका है।

इस वर्ष का महोत्सव उदयपुर के सेक्टर-11 स्थित प्रकाश वर्मा ऑडिटोरियम में किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत 16 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से होगी, जिसमें मीरा बाई भजन, समूह गायन, और नृत्य प्रतियोगिताएं होंगी। इनमें उदयपुर के विभिन्न विद्यालय और विश्वविद्यालय के छात्र भाग लेंगे। इसके साथ ही मीरा बाई से संबंधित चित्रकला, निबंध, और वीडियो क्लिप प्रतियोगिताएं भी होंगी। तीनों प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी मीरा बाई के जीवन दर्शन के संबंध में बना सकते हैं जो वर्तमान समाज के लिए भी प्रासंगिक हों। प्रतिभागियों को अपनी प्रविष्टियां 16 अक्टूबर सुबह 10 बजे तक जमा करानी होंगी। प्रतिभागी अपनी प्रविष्टियां 8000980177 व 9351773281 पर भेज सकेंगे।

दोनों दिन शाम को सांस्कृतिक संध्या होंगी। सायं 7 बजे से शहर और अन्य स्थानों के प्रतिष्ठित कलाकार मीरा नृत्य नाटिका, लोक कला, शास्त्रीय संगीत, और वाद्य यंत्रों का प्रदर्शन करेंगे। महोत्सव में मीरा बाई के जीवन और उनकी कला को जीवंत करने का यह एक अनूठा प्रयास होगा।

पहले दिन के समारोह के मुख्य अतिथि नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ व राजसमंद सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ होंगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी राजकुमार फत्तावत करेंगे तथा मुख्य वक्ता आलोक संस्थान के निदेशक डॉ. प्रदीप कुमावत होंगे। वे 'भक्ति और शक्ति का प्रतीक- मीरा बाई' विषय पर उद्बोधन देंगे।

दूसरे दिन के समारोह के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा होंगे। अध्यक्षता उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा करेंगे। मुख्य वक्ता इतिहासविद प्रताप सिंह झाला होंगे। वे 'मीरा बाई की तथ्यपरक प्रामाणिक जीवनी' पर उद्बोधन देंगे।

वर्मा ने बताया कि इस वर्ष डॉ. प्रेम भण्डारी, पंडित हरिओम वर्मा, श्रीमती मदना बनावत व श्रीमती सरस्वती देवी धांधड़ा को कलापुरोधा श्री प्रकाश वर्मा कला सम्मान प्रदान किया जाएगा।

कृषि महाविद्यालय बसेड़ी पर तीन दिवसीय खेल एवं सांस्कृतिक टूर्नामेंट का हुआ शुभारम्भ

धौलपुर, 15 अक्टूबर। कृषि महाविद्यालय बसेड़ी पर तीन दिवसीय खेल एवं सांस्कृतिक टूर्नामेंट का शुभारम्भ सोमवार को महाविद्यालय के डीन डॉ. उदय भान सिंह ने फीता काटकर किया। खेल प्रभारी डॉ. भवानी सिंह मीणा ने बताया कि कबड्डी पुरुष वर्ग में कृषि स्नातक चतुर्थ वर्ष ने प्रथम वर्ष को 26-13 से हराया तथा महिला वर्ग में प्रथम वर्ष ने तृतीय वर्ष को 16-8 से हराया। टेबिल टेनिस पुरुष वर्ग में वीरेन्द्र भील ने विशाल को 2-0 से व महिला वर्ग में प्रिया सैनी ने खुशी नामा को 2-0 से हराया। सांस्कृतिक सचिव डॉ. निधि त्यागी ने बताया कि रंगोली प्रतियोगिता में टीना वर्मा, क्ले मोडलिंग में आर्या कुमावत, काटूर्निंग में विजय नागर तथा स्पोट पेटिंग में विजय नागर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। डॉ. रवि कुमार मीणा, डॉ. आशीष शेरा, चन्द्रगुप्त मौर्य व नरेन्द्र ने रेफरी की भूमिका निभाई। डॉ. उदय भान सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए पढाई के साथ खेल-कूद व सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेना जरूरी है। इससे मानसिक विकास के साथ शारीरिक विकास होता है, व्यक्ति में टीम भावना पनपती है व व्यक्ति अनुशासन में रहना सीखता है। डॉ. अरविंद कुमार ने कहा कि खेल को हार-जीत से ऊपर खेल भावना से खेलना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. शिवमूरत मीणा, डॉ. एस.के. दूबे, किरन मीणा सहित समस्त स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संघ समाज में संस्कार व देशभक्ति की भावना भरने का कार्य कर रहा है - पुलक सागर जी महाराज

इंडिया गुलामी का प्रतीक है हमें भारत ही बोलना चाहिए - पुलक सागर जी महाराज

भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जन्म जयंती पर्व को सर्व समाज मिलकर मनाए - निम्बाराम

उदयपुर, 15 अक्टूबर। ऋषभदेव भगवान की पावन धरा पर आरएसएस का विजयादशमी उत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ, कार्यक्रम की शुरुआत मे संचलन निकला जिसमें पूर्ण गणवेश में स्वयंसेवकों ने घोष के वाहन के साथ कदम से कदम मिलाकर नगर संचलन किया।

नगर में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, समाज के प्रबुद्ध जन, व मातृशक्ति ने जगह जगह स्वागत सत्कार किया। संचलन में कुछ दूरी तक पूज्य राष्ट्रीय संत पुलक सागर जी गुरुदेव भी संचलन के आगे चले। संचलन टाउन हॉल मैदान से शुरू होकर नगर भ्रमण के बाद पुन: टाउन हॉल पहुंचा, जहाँ पुलक सागर जी महाराज व निम्बाराम जी क्षेत्रीय प्रचारक के द्वारा सर्वप्रथम शस्त्र पूजन हुआ, उन्होंने संघ के 100 वें वर्ष में प्रवेश के साथ ही प्रत्येक मंडल,व ग्राम स्तर तक शाखाओ की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है। शाखाओ के माध्यम से व्यक्ति निर्माण का कार्य चल रहा है, समाज मे विभिन्न सामाजिक सरोकार के कार्य को आज करने की आवश्यक्ता है।निम्बाराम जी ने कहा छुआछूत ऐसी गंभीर बीमारी है इसे खत्म कर प्रत्येक हिन्दू को गले लगाना होगा, हमें संयुक्त परिवार को बढ़ावा देना होगा,आगामी 15 नवम्बर को भगवान बिरसा मुण्डा के 150 वी जन्म जयंती वर्ष पर सभी समाज मिलकर के महापुरुष की जयंती मनाए।

बिरसा मुंडा ने समाज जागरण के लिए अपना सर्वस्व जीवन लगा दिया। अहिल्याबाई होलकर ने समाज के लिए श्रेष्ठ कार्य किया आज उनकी 350 वीं जन्म जयंती पर्व को सभी मिलकर मनाएं, उन्होंने कहा की महापुरुष किसी एक समाज के नही होते, वे सभी के होते है। अंत में उन्होंने समाज में पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य, समरसता एवं स्वदेशी के विषय भी व्यक्तिगत व परिवारों में ले जाने की आवश्यकता बताते हुए कहाँ की इन पञ्च परिवर्तन से एक सशक्त समाज और समाज से समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होगा।

उन्होंने एक गीत संस्कृति सबकी एक चिरंतन खून रगों में हिन्दू है... की पंक्ति का गान करते हुए अपने विचार रखे।

समापन पर पूज्य संत पुलक सागर जी ने कहा भारत शक्तिशाली राष्ट्र बना है जिसमे संघ की बड़ी भूमिका है, देश भक्ति, अनुशासन, चरित्र व सत्यनिष्ठा स्वयंसेवकों से सीखनी चाहिए, संघ किसी पार्टी, जाति या धर्म का विरोधी नही है।

प्रत्येक स्वयंसेवक के लिए राष्ट्र प्रथम है, देश के पतन का कारण संस्कृति, सभ्यता, भाषा, व संस्कार समाप्त होने से है, भारत को खतरा दुश्मनों से नहीं भारत मे रहने वाले षड्यंत्रकारी तत्वों से है, षड्यंत्रकारी शक्तियां हिन्दू समाज को जातियों मे बाटने का कुत्सित प्रयास कर रहे है। स्वयंसेवक इनकी मंशा को सफल ना होने देंगे, इंडिया गुलामी का प्रतिक है हमें भारत ही बोलना चाहिए, भारत जमीन का टुकड़ा नहीं हम सब भारत है, मै संचलन मे चला तो ऐसा लगा पूरा देश मेरे साथ चल रहा है। इस अवसर पर समाज के कई प्रबुद्धजन, मातृशक्ति भी बड़ी संख्या में उपस्थित रही।

आरपीएफ बैरक कोटा में भारत स्काउट एवं गाइड की सातवीं राज्य रैली का आयोजन

कोटा, 15 अक्टूबर। पश्चिम मध्य रेल भारत स्काउट एवं गाइड की पाँच दिवसीय सातवीं राज्य रैली का आयोजन 15 अक्टूबर से रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) बैरक रिजर्व लाइन कोटा में आयोजित किया जा रहा है। जिसमे कोटा सहित जबलपुर एवं भोपाल मंडल के कुल 390 प्रतिभागी शामिल होंगें।

इस भारत स्काउट एवं गाइड की राज्य रैली में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें लोकनृत्य, प्रश्नमंच, भक्तिगीत, प्रदर्शनी, कैंपफायर, कलर पार्टी, रंगोली, आपदा प्रबंधन, एथनिक फैशन शो एवं बौद्धिक प्रतियोगिता मनोरंजन और खेलों पर आधारित गतिविधियाँ इत्यादि आयोजित किये जाएंगे। इस राज्य रैली कार्यक्रम उद्घाटन में मुख्य अतिथि मण्डल रेल प्रबंधक मनीष तिवारी एवं समापन अवसर 18 अक्टूबर को मुख्य अतिथि पश्चिम मध्य रेलवे महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय होंगी। भारत स्काउट एवं गाइड की सातवीं राज्य रैली कार्यक्रम दिनांक 15.10.2024 से 19.10.2024 तक चलेगी। पश्चिम मध्य रेल भारत स्काउट एवं गाइड की सातवीं राज्य रैली के आयोजन की समस्त तैयारियों को कोटा मंडल द्वारा पूरा कर लिया गया। इसका उद्घाटन डीआरएम द्वारा 15 अक्टूबर शाम 04.00 बजे किया जाएगा।

संत निरंकारी यूथ सिंपोजियम क्रिकेट बैडमिंटन प्रतियोगिता में उत्साह के साथ खिलाड़ियों ने खेल कर अच्छा संदेश दिया, नयापुरा स्टेडियम में संपन्न हुआ

कोटा, 15 अक्टूबर। 14 अक्टूबर संत निरंकारी मंडल के तत्वाधान में कोटा जोन का क्रिकेट बैडमिंटन एवं खेलकूद प्रतियोगिता से कुशल संपन्न हुई। जिसमें 19 क्रिकेट टीमों के बीच उत्साह के साथ बैडमिंटन युवतियां एवं क्रिकेट युवाओं ने भरपूर उत्साह के साथ खेल कर एक अच्छा संदेश दिया। जोनल इंचार्ज संत बृजराज सिंह जी यादव ने कहा कि यह बच्चे सारे स्टूडेंट है व सेवा, सिमरन, सतसंग से जुडे हुए है इनमें अच्छे संस्कार है पढ़ाई में भी यह बच्चे प्रथम रहते हैं खेलकूद में भी आगे रहते हैं यह सौभाग्य का विषय होता है जब ऐसे अवसर प्राप्त होते हैं। अच्छे बच्चे बुराई और फिजूल की बातों से दूर रहते हैं। सत्संग से जुड़े हुए बच्चे अपनी एनर्जी ऊर्जा का सदुपयोग करते हैं इस अवसर पर पूर्व महापौर डॉ रत्ना जैन ने कहा कि बचपन से ही बच्चों को अच्छे संस्कार देने से बच्चों का भविष्य उज्जवल होता है क्योंकि बच्चे गीली मिट्टी होते हैं जैसे डालो ढल जाते हैं हर माता-पिता का कर्तव्य है बच्चों को बचपन से ही सेवा सिमरन सत्संग से जोड़ना चाहिए जिससे बच्चों में पेशेंस सहनशीलता नम्रता करुणा दया प्रेम प्यार मानवता भाईचारा आए हर बच्चों में हिंडोली के मुख्य संत जसविंदर जी ने कहा कि सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की कृपा से क्रिकेट बैडमिंटन प्रतियोगिता कार्यक्रम संपन्न हुआ है आगामी उदयपुर में 20 सितम्बर को एक विशाल कार्यक्रम संपन्न होगा युवाओं का जिसमें गुजरात राजस्थान के युवा बालक बालिकाएं भाग लेंगे।

अवैध भंडारण करने पर 4 गैस सिलेंडर जब्त

कोटा, 15 अक्टूबर। जिले में घरेलू सिलेंडर के दुरुपयोग की रोकथाम अभियान के तहत 4 गैस सिलेंडर जब्त किए। सम्बन्धित फर्म के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 6 ए के अन्तर्गत कार्यवाही की जाएगी।

जिला रसद अधिकारी प्रथम, कोटा कार्तिकेय मीणा के निर्देशन में सोमवार को प्रवर्तन अधिकारी अदिति जगरवाल, संध्या सिन्हा, प्रवर्तन निरीक्षक कृष्ण कुमार यादव विज्ञान नगर क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेण्डरों के दुरूपयोग व अवैध भण्डारण की जॉच बाबत मौके पर पहुंचे।

विज्ञान नगर में छत्रपुरा तालाब में स्थित अल जहूर व्हील एलाइनमेंट एण्ड कार वॉशिंग सेंन्टर, के मालिक मोहम्मद हुसैन निवासी 1-ए-10 विज्ञान नगर, कोटा द्वारा अवैध रूप से गैस सिलेंडर का भण्डारण करने पर मौके से से 1 घरेलू तथा 3 वाणिज्यिक गैस सिलेंडर को जब्त किया गया। जब्त कुल 04 गैस सिलेंडर को सुरक्षा एवं साक्ष्य की दृष्टि से नजदीकी गैस ऐजेन्सी को सुपुर्दगी में दिया गया एवं सम्बन्धित फर्म के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 6 ए के अंतर्गत न्यायालय श्रीमान जिला कलक्टर महोदय, कोटा में प्रकरण दर्ज कराया जायेगा।

स्टेशनों पर प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए चलाया गया अभियान

कोटा, 15 अक्टूबर। मंडल में 15 दिवसीय स्वच्छता पखवाड़ा एवं स्वच्छता अभियान 4.0 डीआरएम मनीष तिवारी के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत 14 अक्टूबर को सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग न करने के प्रति जागरूकता के लिए कोटा सहित मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों जैसे- सवाई माधोपुर, भरतपुर एवं गंगापुर सिटी पर संचालित खानपान स्टालों का खानपान निरीक्षकों द्वारा औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान कोटा में दो, सवाई माधोपुर में दो एवं गंगापुर में एक खानपान स्टाल पर सिगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करते पाया गया जिसे तुरंत ही नष्ट कराया गया साथ ही भविष्य में इसका उपयोग न करने के संबध में सख्त चेतावनी दी गयी।

साथ ही खान-पान यूनिटों, स्टालों, फूड प्लाजा, रिफ्रेशमेंट रूमों और स्वास्थ्य यूनिटों की स्वच्छता, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और उनकी वैधता तिथि की जांच की गई। इसके अतिरिक्त स्टेशन परिसर, प्लेटफार्मों, कांकोर्स एरिया, सर्कुलेटिंग एरिया, एफओबी, रेलवे ट्रैक और यार्ड क्षेत्रों की गहन सफाई सुनिश्चित की। स्वच्छता पखवाड़ा के अग्रिम/अंतिम चरण में स्वच्छता जागरूकता रैली निकाला जाएगा।

यात्रियों से अपील की गई कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें और स्टेशन की स्वच्छता बनाए रखने में रेल प्रशासन का सहयोग करें।

अंतर विभागीय समन्वय एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति समीक्षा बैठक

कोटा, 15 अक्टूबर। अंतर विभागीय समन्वय एवं विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक सोमवार अतिरिक्त जिला कलक्टर (एडीएम) मुकेश चौधरी की अध्यक्षता कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई और आवश्यक निर्देश दिए गए। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने पशुपालन विभाग को निर्देश दिए कि गौशालाओं में मौजूद सभी पशुओं का नियमित टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए।

आरएनटी स्पोर्ट्स क्रिकेट क्लब ने 15 रनों से अजमेर को हराया

उदयपुर, 15 अक्टूबर। राज्य स्तरीय पंचम नर्सेज एवं पेरामेडिकल कोरोना वारियर्स क्रिकेट खेलकुद प्रतियोगिता जयपुर में आयोजित की जा रही हैं।

मिडिया प्रभारी नरेश पूर्बिया ने बताया कि आरएनटी स्पोर्ट्स क्लब उदयपुर व अजमेर के बीच खेला गया। उदयपुर के कप्तान गुलाम नबी ने टोस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ने दस ओवर में पांच विकेट खोकर 75 रन बनाए।

प्रशांत सोनी ने पहली गेंद पर चौका लगातें हुए 11 गेंद खेलकर 11 रन बनाए।गौरव सिंह राठौड़ ने 24 गेंद खेल कर चार चौके के बदौलत 30 रन बनाए। मनीष जीनगर ने 16 गेंद में 13 रन, पीयूष शर्मा ने 2 गेंद में 1 रन, मुकेश वेद ने 4 गेंद खेलकर 3 रन, मुकेश रेगर ने 1 गेंद खेलकर 1 रन, सार्वेश ने 2 गेंद खेलकर 4 रन बनाए। एक्स्ट्रा 12 रन के बदौलत 5 विकेट खोकर 75 रन बनाए। प्रशांत सोनी ने घातंक गेंदबाजी करते हुए 2 ओवर कर 12 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट लिए। सार्वेश ने 2ओवर कर 6 रन देकर 2 विकेट लिए।

पुखराज सोलंकी ने 2 ओवर कर 7 रन देकर 2 विकेट लिए। मनीष जीनगर ने 1ओवर कर 3 रन दिए।गौरव पंडिया ने 1ओवर कर 10 रन, मुकेश वेद ने 2ओवर कर 17 रन दिए। एक्स्ट्रा 17 रन के बदौलत 9 विकेट खोकर 10ओवर में 60 रन ही अजमेर बना पाईं। उदयपुर ने अजमेर को 15 रनों हराया।

हंसराज मीणा, गोविंद ने शानदार फिल्डिंग की। भोम सिंह व मनीष शर्मा ने दौड़ दौड़ कर पानी पिला कर रिहाइड्रेशन किया व खेल सामग्री पहुंचाई। कोच सचिन वैष्णव ने बताया कि मैन आफ मैच प्रशांत सोनी को दिया गया।

एक दर्जन से अधिक देशों में देखा जा रहा दशहरा मेला, निगम के यूट्यूब पर रोज बढ़ रहे दर्शक

कोटा, 15 अक्टूबर। 131वां राष्ट्रीय दशहरा मेला सोशल मीडिया के माध्यम से अब अंतर्राष्ट्रीय पहचान बनाता हुआ दिख रहा है। इस बार मेला समिति की ओर से नवाचार करते हुए दशहरे मेले का प्रचार-प्रसार सोशल मीडिया पर भी शुरू किया गया है। इसके लिए फेसबुक, यूट्यूब व इंस्टाग्राम पर पेज तैयार कर लाइव प्रसारण किया जा रहा है। मेला समिति अध्यक्ष विवेक राजवंशी ने बताया कि राष्ट्रीय दशहरा मेला के कार्यक्रमों को यूट्यूब चौनल पर एक दर्जन से अधिक देशों में देखा जा रहा है। भारत के अलावा अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, इंग्लैंड, वेल्स, स्कॉटलैंड, नॉर्दर्न आयरलैंड, बांग्लादेश, कनाडा, नेपाल, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, फिलिपींस, सऊदी अरब जैसे देशों में रहने वाले भारतीय अब तक निगम के यूट्यूब चौनल के माध्यम से अब तक हुए आयोजनों का आनंद ले चुके हैं।

भारत के 500 से अधिक शहरों और कस्बों में भी पहुंच: राजवंशी ने बताया की विदेशों के साथ भारत में भी कोटा का दशहरा मेला शहरों और कस्बों तक अपनी पहुंच बना रहा है। दिल्ली, मुंबई, कलकत्ता, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद जैसे महानगरों, पिंपरी-चंचवाड़, इंदौर, अहमदाबाद बढ़ते शहरों से लेकर छोटे शहरों और कस्बों में भी यूट्यूब के माध्यम से कोटा के दशहरा मेला को देखा जा रहा है।

कार्यक्रम का लिंक जल्द देने का प्रयास: मेले के कार्यक्रमों का अपडेट देने के लिए यूट्यूब पर सीधे प्रसारण की लिंक तीन दिन पहले देने की कोशिश की जा रही है। चेयरमैन विवेक राजवंशी ने लोगों से भी आग्रह किया है कि मेले से जुड़े हुए अपडेट और कार्यक्रमों के लाइव प्रसारण के लिंक को अन्य शहरों, राज्यों और विदेशों में रहने वाले दोस्तों, परिचितों और रिश्तेदारों से भी साझा करें।

कार्यालय नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा जिला कोटपूतली-बहरोड

क्रमांक :- न.पा.पा.प्रा./मानव संसाधन/2024-25/1145 दिनांक :- 10/10/2024

ई-निविदा सूचना (08/2024-25 NIB CODE - DLB2425A3292)

एतद्द्वारा यह है कि राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों/एनजीओ/संस्था/फर्म/सप्लायर्स से निर्धारित प्रपत्र में मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है।

UBN NO.- DLB2425SLRC10447

राज.संवाद/सी/24/6468 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा जिला कोटपूतली-बहरोड

क्रमांक :- न.पा.पा.प्रा./मानव संसाधन/2024-25/1154 दिनांक :- 10/10/2024

ई-निविदा सूचना (11/2024-25 NIB CODE - DLB2425A3295)

एतद्द्वारा यह है कि राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों/एनजीओ/संस्था/फर्म/सप्लायर्स से निर्धारित प्रपत्र में मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है।

UBN NO.- DLB2425SLRC10450

राज.संवाद/सी/24/6475 अधिशाषी अधिकारी

पशु आहार संयंत्र, नदबई (भरतपुर) राजस्थान

RCDF/CFPNAD/F.( )/2024-25/ 3534-45 Date :- 04/10/2024

निविदा सूचना

कैटल फीड प्लान्ट नदबई पर निम्नलिखित कार्यो की निविदायें आमंत्रित की जाती है -

क्र.सं.	निविदा का नाम	अनुमानित लागत	निविदा का माध्यम	यूबीएन नम्बर
1.	पशु आहार परिवहन कार्य।	200 लाख	ऑनलाईन	CDF2425SLRC00723
2.	कम्प्यूटर-लैपटोप आपूर्ति।	4.50 लाख	सील बन्द लिफाफा	CDF2425GSOB00721
3.	प्रयोगशाला उपकरण व कैमीकल आपूर्ति।	5.00 लाख	सील बन्द लिफाफा	CDF2425GSRC00722
4.	मोटर रिवाईडिंग कार्य।	2.00 लाख	सील बन्द लिफाफा	CDF2425SSRC00720

निविदा से सम्बन्धित समस्त सूचनायें, निविदा प्रपत्र मय शर्तो के विभाग की बेबसाईट www.sarasmilkfed.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड जा सकती है।

प्रबन्धक, सीएफपी नदबई

राज.संवाद/सी/24/6455

जीवन में भरे रस-हमारा प्यारा

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

क्रमांक :- न.नि.भ./निर्माण/2024-25/483-489 दिनांक :- 09.10.2024

ई-निविदा सूचना-07/2024-25

नगर निगम, भरतपुर द्वारा स्वायत्त शासन विभाग में उपयुक्त श्रेणी में एवं अन्य विभागों के "A"&"AA" श्रेणी में पंजीकृत, अनुभवी संवेदकों एवं पंजीकृत अनुभवी एन.जी.ओ. से निर्धारित प्रपत्र में ई प्रोक्योरमेन्ट प्रकिया से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि के अनुमानित लागत पर नगर निगम में पंजीकृत सक्षम संवेदक द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एव अन्य विभागों के "A"&"AA" श्रेणी के सवेंदक द्वारा 2 प्रतिशत राशि पृथक-पृथक रूप खाते में RTGS/NEFT के माध्यम से जमा कराना होगा। निविदा की महत्वपूर्ण शर्ते एवं विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

कार्यो की संख्या	02 कार्य ।
कार्यो की कुल लागत	49.88 लाख
वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in से निविदा डाउनलोड करने की समय व तिथि	दिनांक 09.10.2024 से 22.10.2024 तक एवं सायं 6.00 बजे
वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in से ऑनलाईन निविदा अपलोड करने की अन्तिम समय व तिथि	दिनांक 22.10.2024 सायं 6.00 बजे
नगर निगम में प्रोसेसिंग शुल्क निविदा शुल्क एवं अमानत राशि की यू.टी.आर. स्लिप भौतिक रूप से जमा कराने की तिथि	दिनांक 23.10.2024 दोपहर 12.00 बजे
निविदा खोलने की समय व तिथि	दिनांक 23.10..2024 दोपहर 3.00 बजे

UBN Number:-
1. DLB2425SLOB10508 2. DLB2425WSOB10509

राज.संवाद/सी/24/6486 आयुक्त नगर निगम, भरतपुर

Govt. Rajasthan
Office Of The Medical Superintendent
Govt. Medical College Allied Hospital, Bharatpur
email:- pmobpr@gmail.com

Order No. 5829 Date: 07.10.2024

E-tenders are invited Rate contract for Gauze & Bandage at Governmenment R.B.M. Hospital Bharatpur till date 17.10.2024 Other Details, Rules & Regulation and other conditions can you seen or download form http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in. NIB No:- MHS2425A2354, UBN No:- MHS2425GLRC03357
Estimate: 40.00 Lac

Medical Superintendent
DIPR/C/9732/2024 Govt. Medical College Allied Hospital Bharatpur

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, सा.नि.वि. खण्ड-भरतपुर

क्रमांक: 3586 दिनांक: 08.10.2024

-:: निविदा सूचना संख्या 10/2024-25 ::-

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अधीन **03 नं. कार्य एवं निविदा की कुल राशि रु. 136.00** लाख हेतु मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। जिससे संबंधित विवरण एवं सूचनाएं वेबसाइट **www.pwd.rajasthan.gov.in** एवं **www.dipr.rajasthan.gov.in** एवं **(http://sppp.rajasthan.gov.in)** पर देखी जा सकती हैं।

NIB Code: PWD2425A2054

UBN No.: 1. PWD2425WSOB07494, 2. PWD2425WSOB07495, 3. PWD2425WSOB07496

डीआईपीआर/सी/9768/2024 अधिशाषी अभियंता, सा.नि.वि. खण्ड-भरतपुर

आज का दिन

आश्विन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी, विक्रम सं. 2081, शक संवत् 1946, हिजरी 1446, तद्नुसार अंग्रेजी दिनांक 15 अक्टूबर, सन् 2024 ईस्वी। वार- मंगलवार, सूर्य-दक्षिणायण, ऋतु-शरद

सम्पादकीय

महाराष्ट्र चुनाव से पहले ओबीसी वोटों पर निशाना

महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने गुरुवार को जिस तरह से ओबीसी आरक्षण के लिए निर्धारित नॉन क्रीमी लेयर सीमा को लगभग दोगुना करवाने का संकेत दिया, उससे दो बातें बिल्कुल साफ हो गई हैं। एक तो यह कि सत्तारूढ़ एनडीए खेमा हरियाणा में मिली अप्रत्याशित जीत से बने उत्साहपूर्ण माहौल में एक पल भी गंवाए बगैर अपना पूरा ध्यान महाराष्ट्र चुनाव पर लगा चुका है। दूसरी बात यह कि हरियाणा के अनुभव की रोशनी में उसने यहां सबसे बड़ा दांव ओबीसी समुदाय के वोटरों पर लगाने का फैसला किया है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से ऐन पहले की गई इस घोषणा का हरियाणा में भाजपा को मिली जीत से ही नहीं, वहां अपनाई गई रणनीति से भी सीधा संबंध है। चुनाव से पहले के हालात हरियाणा में भी भाजपा के अनुकूल नहीं थे। वहां मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसी साल जून महीने में ओबीसी समुदायों से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान नॉन-क्रीमी लेयर की सीमा बढ़ाने का वादा किया। कई एक्सपर्ट मानते हैं कि इस वादे ने अंदर ही अंदर इस समुदाय के वोटरों पर निर्णायक प्रभाव डाला।

महाराष्ट्र की राजनीति के संदर्भ में देखें तो यह फैसला और ज्यादा अहमियत रखता है। यहां मराठा आरक्षण की मांग पिछले कुछ समय से खासी चर्चित रही है। लोकसभा चुनावों से पहले राज्य सरकार ने मराठा समुदाय को ओबीसी कोटे के अंदर से ही रिजर्वेशन देने की घोषणा की थी। माना जाता है कि महायुति को इसका खामियाजा ओबीसी वोटरों की नाराजगी के रूप में भुगतना पड़ा। इस लिहाज से महायुति सरकार के ताजा फैसले को लोकसभा चुनावों की गलती को दुरुस्त करने के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है। यह मांग कुछ कोनों से उठाई भी जा रही थी। आठ लाख की मौजूदा सीमा के कारण ओबीसी परिवारों का एक बड़ा हिस्सा जो इस सीमा से थोड़ा ही ऊपर था, वंचित महसूस कर रहा था। आर्थिक तौर पर सशक्त न होने के बावजूद वह आरक्षण का फायदा नहीं उठा पा रहा था। अगर यह सीमा 15 लाख रुपए सालाना कर दी जाती है, और जैसा कि राज्य सरकार के स्तर पर संकेत दिया जा रहा है, संभवत: जल्दी ही कर भी दी जाएगी, तो ऐसे तमाम परिवार इससे प्रभावित होंगे। एनडीए को उम्मीद है कि इससे न सिर्फ उसे वोटों का फायदा होगा बल्कि अपने अनुकूल माहौल बनाने में भी सहायता मिलेगी। बहरहाल, चुनावी नफा-नुकसान से थोड़ा अलग हटकर देखें तो तय है कि इस तरह के दाव-पेच न तो अच्छे नीतिगत फैसलों को जन्म देते हैं और न ही आम लोगों के दीर्घकालिक हितों को पूरा कर सकते हैं। फिर भी अगर ये चुनाव-दर-चुनाव चलते चले आ रहे हैं तो इससे राजनीति की क्वॉलिटी ही नहीं वोटरों की प्रायॉरिटी भी रेखांकित होती है।

विदेशी अखबारों से

श्रीलंका की नई सरकार ने कई हाई-प्रोफाइल मामलों की पुनः जांच के आदेश दिए

श्रीलंका की नई सरकार ने पुलिस को कुछ हाई-प्रोफाइल मामलों की फिर से जांच करने का आदेश दिया है, जिसमें 2019 के 'ईस्टर संडे' आतंकवादी हमले और 2005 में एक तमिल अल्पसंख्यक समुदाय के पत्रकार की हत्या का मामला भी शामिल है। पिछले महीने राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने वाली सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) ने उन पिछले मामलों की फिर से जांच करने का वादा किया था, जिनका समाधान नहीं हो पाया था। सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय ने यह निर्णय इसलिए लिया है, ताकि जांच में किसी भी तरह की चूक की पहचान की जा सके।

पुलिस प्रवक्ता निहाल थलदुवा ने शनिवार को कहा, मंत्रालय ने कार्यवाहक पुलिस प्रमुख से कहा है कि इन मामलों की पुन: जांच की जानी चाहिए। जिन मामलों की फिर से जांच की जानी है, उनमें 2015 में सेंट्रल बैंक बॉण्ड जारी करने में कथित घोटाला शामिल है, जिसके लिए पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की तत्कालीन सरकार को दोषी ठहराया गया था। इसके अलावा 2019 के 'ईस्टर संडे' आतंकवादी हमले की भी जांच की जानी है, जिसमें 11 भारतीयों सहित 270 से अधिक लोग मारे गए थे। आतंकवादी हमले का गवाह बना कैथोलिक चर्च इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग करता रहा है।

उसका आरोप है कि पिछली सरकारों ने राजनीति से प्रेरित होकर इस हमले पर पर्दा डाल दिया था। जिन अन्य मामलों की जांच की जानी है उनमें तमिल अल्पसंख्यक समुदाय के पत्रकार डी. शिवराम की 2005 में हुई हत्या और उस समय पूर्वी विश्वविद्यालय के प्रमुख रहे एक तमिल अल्पसंख्यक शिक्षाविद का 2006 में अपहरण किये जाने और लापता होने का मामला भी शामिल है।

प्रेरक प्रसंग

पेड़ पौधे करते हैं बातें

एक दिन महात्मा बुद्ध एक वृक्ष को नमन कर रहे थे। दूर खड़े एक भिक्षु ने देखा तो उसे हैरानी हुई। वह बुद्ध के पास गया और पूछा, भंते! आपने इस वृक्ष को नमन क्यों किया? भिक्षु की बातें सुनकर बुद्ध ने जवाब में कहा, क्या इस वृक्ष को मेरे नमन करने से कुछ अनहोनी हो गई? शिष्य बोला, नहीं भगवन! ऐसी बात नहीं, पर मुझे यह देखकर थोड़ी हैरानी अवश्य हुई कि आप जैसा ज्ञानी महापुरुष इस वृक्ष को नमस्कार कर रहा है, जबकि यह न तो आपकी किसी बात का उत्तर दे सकता है और न ही आपके नमन करने पर अपनी प्रसन्नता जाहिर कर सकता है। बुद्ध मुस्कराए और उन्होंने कहा, वत्स! तुम्हारा सोचना गलत है। वृक्ष भले बोलकर उत्तर न दे सकता हो, पर जिस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति की एक भाषा होती है, उसी प्रकार प्रकृति की भी अपनी भाषा होती है। वृक्ष में भी प्राण हैं, उसकी भी अपनी भाषा है। इस वृक्ष के नीचे बैठकर मैंने साधना की है। इसकी घनी पत्तियों ने मुझे शीतलता प्रदान की है। चिलचिलाती धूप, वर्षा से इसने मेरा बचाव किया है। प्रत्येक पल इसने मेरी सुरक्षा की। इसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना मेरा परम कर्तव्य है। और बात सिर्फ इस पेड़ की नहीं है। प्रत्येक जीव को समस्त प्रकृति का कृतज्ञ होना चाहिए। आगे बुद्ध ने समझाया कि तुम इस वृक्ष की ओर ध्यान से देखो। इसकी हिलती हुई टहनियों को देखो, इसके हिलते हुए पत्तों को देखो। इससे आने वाली मंद-मंद हवा को महसूस करो। धीरे-धीरे तुम इससे जुड़ने लगोगे। फिर महसूस करोगे कि ये वृक्ष बातें भी करते हैं।

महाराष्ट्र: भय और आतंक के माहौल में चुनाव

शकील अख्तर

मुंबई में लंबी लिस्ट है पिछले दिनों हुई राजनीतिक हत्याओं की। गोलियां चलाकर आतंक पैदा करने की। फिल्म एक्टर सलमान खान जो गुजरात में मोदी जी का समर्थन करने गए थे उनके घर के बाहर अभी गोलियां चलाई गईं। और जिस अपराधी लारेंस बिश्नोई पर आरोप है उसने अभी बाबा सिद्दकी की हत्या की जिमेमेदारी ले ली है। पंजाबी गायक सिद्धु मुसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी भी इसी गेंग ने ली थी। डबल इंजन की सरकार है। गैंग लीडर लारेंस बिश्नोई गुजरात की जेल में बंद है मगर आश्चर्य वह सुपारी ले रहा है और हत्याएं करवा रहा है। क्या मतलब है इसका? इतने ताकतवर प्रधानमंत्री राज्य में उनकी सरकार और गुजरात की जेल में बंद एक गैंगस्टर द्वारा मुंबई में एक के बाद एक राजनीतिक हत्याएं! आतंक का माहौल! किस लिए? चुनाव में किसी को फायदा पहुंचाने के लिए? महाराष्ट्र की विपक्षी पार्टियों को यही आशंका है।

मुम्बई में यह किस में डर पैदा करने की कोशिश है? महाराष्ट्र में चुनाव हैं और उससे पहले राजनीतिक हत्याओं का यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। बाबा सिद्दिकी तो राज्य सरकार के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की पार्टी में आ गए थे। वाय श्रेणी की सुरक्षा थी मगर फिर भी मारे गए। और वह क्या पुलिस थाने में भाजपा विधायक ने राज्य सरकार में शामिल शिंदे गुट के नेता पर गोलियां चला दी थीं। अजीत पवार की पार्टी एनसीपी के तो 8 दिन में यह दूसरे नेता की हत्या है। और इस साल में तीसरे नेता की। मुंबई में लंबी लिस्ट है पिछले दिनों हुई राजनीतिक हत्याओं की। गोलियां चलाकर आतंक पैदा करने की। फिल्म एक्टर सलमान खान जो गुजरात में मोदी जी का समर्थन करने गए थे उनके घर के बाहर अभी गोलियां चलाई गईं। और जिस अपराधी लारेंस बिश्नोई पर आरोप है उसने अभी बाबा सिद्दकी की हत्या की जिमेमेदारी ले ली है। पंजाबी गायक सिद्धु मुसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी भी इसी गेंग ने ली थी। डबल इंजन की सरकार है। गेंग लीडर लारेंस बिश्नोई गुजरात की जेल में बंद है मगर आश्चर्य वह सुपारी ले रहा है और हत्याएं करवा रहा है। क्या मतलब है इसका? इतने ताकतवर प्रधानमंत्री राज्य में उनकी सरकार और गुजरात की जेल में बंद एक गेंगस्टर द्वारा मुंबई में एक के बाद एक राजनीतिक हत्याएं! आतंक का माहौल! किस लिए? चुनाव में किसी को फायदा पहुंचाने के लिए? महाराष्ट्र की विपक्षी पार्टियों को यही आशंका है। सबसे प्रमुख विपक्षी दल शिवसेना यूबीटी के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने कहा है कि इस हत्या ने महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था की कलई खोल दी।

राज्यसभा सांसद संजय राउत ने इसे मुख्यमंत्री की विफलता बताया है। उन्होंने गृह मंत्री देवेन्द्र फडणवीस को बर्खास्त करने की मांग की है। उद्धव ठाकरे की पार्टी की ही राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी कड़े सवाल उठाते हुए कहा है कि अगर सत्ता पक्ष का नेता सुरक्षित नहीं है तो फिर महाराष्ट्र में कौन सुरक्षित है? महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री राज्य का लूटने में लगे हैं उन्हें कानून व्यवस्था की कोई चिंता नहीं है। प्रियंका चतुर्वेदी ने बड़ा सवाल उठाया कि विधानसभा चुनाव की घोषणा में इतनी देर क्यों की जा रही है?

यही मुख्य सवाल है। चुनाव में देर क्यों की जा रही है? क्या राज्य में डर व आतंक का वातावरण बनाने के लिए? गुजरात की साबरमती जेल में बंद एक गेंगस्टर कैसे इतना ताकतवर हो सकता है कि डबल इंजन और गुजरात में भी सरकार है तो ट्रिपल इंजन की सरकार कह सकते हैं वह देश के हर राज्य में और विदेश में कनाडा तक में हत्याएं करवा रहा हो और महाराष्ट्र गुजरात की राज्य सरकारें केन्द्र सरकार कोई कुछ नहीं कर पा रहा हो? कोशिश यही है कि महाराष्ट्र में विपक्ष में इतना डर और आतंक पैदा कर दो कि वह ठीक से चुनाव ही नहीं लड़ पाए। क्या यह संभव है? राहुल गांधी को डराया जा सकता है ? उद्धव ठाकरे को कोई डरा सकता है? शरद पवार किसी से डरेंगे? संभव ही नहीं है। यह सारी कोशिशें बेकार जाएंगी। उल्टे महाराष्ट्र में यह संदेश जाएगा कि मोदी एकनाथ शिंदे अजीत पवार यह कोई उन्हें सुरक्षा नहीं दे सकता है। यह सब इन्हीं की जेल में बंद एक गेंगस्टर के सामने लाचार हैं। राज लारेंस बिश्नोई का चल रहा है प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री अजीत पवार का नहीं। सोचिए तीन बार के एमएलए, राज्य सरकार में मंत्री रहे, बेटा जिशान सिद्दीकी अभी भी एमएलए और उप मुख्यमंत्री की अजीत पवार की पार्टी में शामिल फिर भी दशहरे के दिन, भीड़ भाड़ वाले इलाके बान्द्रा ईस्ट इलाके में शाम को गोली मार दी जाती है। बाबा सिद्दकी कोई सामान्य नेता नहीं थे। हर पार्टी में सब उन्हें जानते थे। फिल्म स्टारों में उनकी पूछ थी। जिन्दगी भर कांग्रेस में रहे अभी इसी साल के शुरू में अजीत पवार की पार्टी में गए थे। बिहार के रहने वाले थे। मगर मुबंई में आकर जैसे बहुत सारे दूसरे लोगों ने कांग्रेसी बनकर अपना उद्धार किया था वैसे ही वे भी थे। जब केन्द्र और राज्य दोनों जगह कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई तो वे सत्ता में शामिल अजीत पवार के साथ चले गए। जाते तो कांग्रेस छोड़कर बहुत सारे लोग हैं मगर एकाध ही होता है जो जाने के बाद कांग्रेस पर सोनिया राहुल पर गंदे आरोप नहीं लगता। प्रियंका चतुर्वेदी एक उदाहरण हैं। बाकी लोग तो अपने स्वार्थों से गए मगर प्रियंका चतुर्वेदी के साथ तो बदतमीजी हुई थी। उन्होंने पार्टी में ही रुककर इसकी शिकायत भी की। मगर कोई सुनवाई नहीं हुई तब उन्होंने कांग्रेस छोड़ी। लेकिन छोड़ने के बाद कभी कांग्रेस के खिलाफ नहीं बोला। बाबा सिद्दकी और उनके बेटे जिशान बहुत गंदे आरोप लगाते हुए कांग्रेस से गए थे। मगर देखिए राहुल को इसके बाद भी उनका मन साफ था। कोई गुस्से नाराजगी की भावना नहीं। खुद उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने परिवार के साथ संवेदना व्यक्त की। और बहुत कड़े सवाल उठाते हुए कहा कि इस भयावह घटना ने महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था की सारी पोल खोल दी है। राहुल की और कांग्रेस की यही खासियत है जो उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। खाली महाराष्ट्र की ही बात की जाए तो यहां से कितने कांग्रेसी नेताओं ने पार्टी छोड़ी? गिनते जाइए! लंबी लिस्ट है। और सब वह हैं जो दूसरे राज्यों से साधारण हैसियत से आकर यहां कांग्रेस में शामिल हुए और नाम, नामा रसूख सब बनाया। वैसे सबको सम्मान दो के सिद्धांत पर हम साधारण हैसियत लिख रहे हैं नहीं तो कुछ भी नहीं कि स्थिति में कांग्रेस में आए थे। कृपाशंकर सिंह (यूपी से), मिलिंद देवड़ा (इनके पिता मुरली देवड़ा राजस्थान से आए थे) बाबा सिद्दकी (बिहार से) कई नाम हैं। जब कांग्रेस सत्ता में नहीं रही तो सत्ताधारी पार्टियों की तरफ चले गए। गए तो संजय निरुपम भी हैं। वे भी बिहार से हैं मगर उन्होंने नाम शिवसेना में बनाया था। कांग्रेस में बाद में आए। सांसद यहां भी बने। ऐसे ही जाने वालों की लंबी लिस्ट है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण भी।

खैर यह स्वार्थी, अवसरवादी, डरपोक नेताओं का कांग्रेस से जाना ऐसे ही चलता रहता है। आना भी। जब सत्ता में कांग्रेस आएगी तो यह लोग सबसे पहले राहुल की जय जयकार करते हुए वापस आएंगे। और कांग्रेस इन्हें लेगी भी। यह कांग्रेस की समस्या है। अब इसे राहुल दूर करेंगे या नहीं मालूम नहीं। लेकिन अगर वे इस बारे में साफ कहें तो इससे कांग्रेस को फायदा होगा। पार्टी के साथ वफादारी से जुड़े लोगों का उत्साह बढ़ेगा। और फेंस पर जाने को बैठे लोगों में डर बैठेगा। लेकिन राहुल अनुशासन के मामले में कितने सख्त हो पाते हैं कितने नहीं यह कहना मुश्किल है। लेकिन फिलहाल तो उनके सामने महाराष्ट्र चुनाव है। जहां इंडिया गठबंधन की स्थिति काफी अच्छी दिख रही है। लोकसभा में भी महाराष्ट्र ने मोदी जी को बड़ी चोट पहुंचाई थी। 48 सीटों में से एनडीए को केवल 17 सीटें मिलीं। 31 सीटों पर इंडिया गठबंधन जीती। इनमें भी कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 13 सीटें और बाद में जीता एक निर्दलीय उसमें शामिल हो गया तो 14 सीटें जीतीं। अब विधानसभा चुनाव में मोदी जी के लिए महाराष्ट्र बचाना बहुत कठिन चुनौति है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन हरियाणा के ताजे अनुभव से काम लेकर वहां ज्यादा चौकसी से चुनाव लड़ेगा। आन्तरिक कलह पर कड़ाई से रोक लगाएगा। देखते हैं इंडिया गठबंधन कितनी जल्दी सीट शेयरिंग करता है।

किसानी को महिलाएं ही बचा सकती हैं

बाबा मायाराम

परंपरागत खेती-किसानी का अधिकांश कार्य महिलाओं पर निर्भर रहा है। वे खेत में बीज बोने से लेकर उनके संरक्षण, संवर्धन और भंडारण तक का काम बड़े जतन से करती हैं। पशुपालन से लेकर विविध तरह की हरी सब्जियां व फलदार वृक्ष लगाना व उनके परवरिश का काम करती हैं। जंगलों से फल-फूल, पत्ती के गुणों की पहचान करना व संग्रह करने में उनकी प्रमुख भूमिका रही है। वे जैव विविधता की संरक्षक रही हैं। आज इस कॉलम में खेती में उनके योगदान को याद करना चाहूंगा, जिससे अभूतपूर्व संकट के दौर से गुजर रही खेती को समझा जा सके, बचाया जा सके। मैंने पिछले कुछ बरसों से देश भर में घूम-घूमकर खेती को नजदीक से देखा-समझा है।

मिट्टी की बड़ी कोठियों में, लकड़ी के पटाव पर, मिट्टी की हंडी में व ढोलकी में बीज रखे जाते थे। इसके अलावा, तूमा (लौकी की एक प्रजाति) बांस के खोल में बीजों का भंडारण किया जाता था। इसी प्रकार, बीजों को धूप में सुखा कर, कोठी या भंडारण के स्थान पर धुआं किया जाता था, जिससे पतंगे या घुन नहीं लगता। कीड़ों से बचाव के लिए लकड़ी या गोबर से जली राख या रेत भी बीजों में मिलाते हैं। परंपरागत खेती-किसानी का अधिकांश कार्य महिलाओं पर निर्भर रहा है। वे खेत में बीज बोने से लेकर उनके संरक्षण, संवर्धन और भंडारण तक का काम बड़े जतन से करती हैं। पशुपालन से लेकर विविध तरह की हरी सब्जियां व फलदार वृक्ष लगाना व उनके परवरिश का काम करती हैं। जंगलों से फल-फूल, पत्ती के गुणों की पहचान करना व संग्रह करने में उनकी प्रमुख भूमिका रही है। वे जैव विविधता की संरक्षक रही हैं। आज इस कॉलम में खेती में उनके योगदान को याद करना चाहूंगा, जिससे अभूतपूर्व संकट के दौर से गुजर रही खेती को समझा जा सके, बचाया जा सके। मैंने पिछले कुछ बरसों से देश भर में घूम-घूमकर खेती को नजदीक से देखा-समझा है। किसानों के खेतों में गया हूं और उनसे मिलकर खेती के बारे में जाना है। महिला किसानों से भी चर्चा की है। इस आधार पर खेती में उनके योगदान पर कुछ बातें कही जा सकती हैं। कड़कड़ाती ठंड हो या मूसलाधार बारिश या फिर चिलचिलाती तेज धूप महिलाएं सभी परिस्थितियों में खेती का काम करती रही हैं। खेती के विकास में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, भोजन के लिए ईंधन जुटाना, खाना बनाना, मवेशियों को खेतों से घास लाना, खेतों में काम करने जाना और फिर खेत से आकर घर का काम करना आदि उनकी जिम्मेदारियों में शामिल है। निंदाई-गुड़ाई के दौरान विजातीय पौधे और खरपतवार को फसल से अलग करना भी उनके काम का हिस्सा हुआ करता था। जब पौधों में फूल आ जाते हैं तब वे ऐसे विजातीय पौधों को आसानी से पहचान कर अलग कर देती थीं। कुछ फसलों में निंदाई-गुड़ाई तीन-चार बार करनी पड़ती थी। यह काम भी वे करती थीं। लेकिन अब नींदानाशक आने से उनकी भूमिका कम हो गई है।

इसके अलावा, बीजों के चयन में उनकी खास भूमिका होती थी। पहले खेतों में ही बीजों का चयन हो जाता था, इसमें देखा जाता था कि सबसे अच्छे स्वस्थ पौधे कि खेत में हैं। किस खेत के हिस्से में अच्छी बालियां हैं। वहां किसी तरह के कमजोर और रोगी पौधे नहीं होने चाहिए। अगर ऐसे पौधे फसलों के बीच होते थे तो उन्हें हटा दिया जाता था। फिर अच्छी बालियों को छांटकर उन्हें साफ कर और सुखा लिया जाता था। इसके बाद बीजों का भंडारण किया जाता था। इन सब कामों में महिलाओं की प्रमुख भूमिका होती थी।

बीज भंडारण, पारंपरिक खेती का एक अभिन्न हिस्सा है। अलग-अलग परिस्थिति और संस्कृति के अनुरूप किसानों ने बीजों की सुरक्षा के कई तरीके और विधियां विकसित की हैं। मक्का के बीज को घुन और खराब होने से बचाने के लिए चूल्हे के ऊपर छींके पर रखते हैं और सतपुड़ा अंचल में खुले में मक्के के भुट्टे को खंबे को छिलका समेत उल्टे लटका कर रखते हैं। छिलका बरसाती या छाते का काम करता है और बारिश का पानी भी उन्हें खराब नहीं कर पाता। मिट्टी की बड़ी कोठियों में, लकड़ी के पटाव पर, मिट्टी की हंडी में व ढोलकी में बीज रखे जाते थे। इसके अलावा, तूमा (लौकी की एक प्रजाति) बांस के खोल में बीजों का भंडारण किया जाता था। इसी प्रकार, बीजों को धूप में सुखा कर, कोठी या भंडारण के स्थान पर धुआं किया जाता था, जिससे पतंगे या घुन नहीं लगता। कीड़ों से बचाव के लिए लकड़ी या गोबर से जली राख या रेत भी बीजों में मिलाते हैं। बीज के अभाव में बीजों का आदान-प्रदान हुआ करता था। कई बार महिलाएं उनके मायके से ससुराल बीज ले आती थीं। और कुछ हद तक यह सिलसिला अब भी जारी है। खासतौर से सब्जियों के बीज की अदला-बदली रिश्तेदार और परिवारजनों में होना आम बात थी। हाल ही में छत्तीसगढ़ में कुनकुरी के पास एक गांव में एक किसान से मिला था। उन्होंने बताया कि उनके पास मक्का व बरबटी का बीज उनके पुरखों के जमाने का है। यह देसी बीज वे पीढ़ियों से इस्तेमाल करते हैं। हर साल बोते हैं और बीज के लिए बचाकर रखते हैं। यानी बीज उनके पुरखों की विरासत भी है, और उसके साथ उसे बोने से लेकर भंडारण तक का परंपरागत ज्ञान भी उनके पास है।

धान रोपाई का काम तो महिलाएं करती हैं। जब वे रंग-बिरंगे कपड़ों में गीत गाते हुए धान रोपाई करती हैं तो देखते ही बनता है। इनमें कई स्कूली लड़कियां भी होती हैं। वे स्कूल में भी पढ़ती हैं और खेतों में भी काम करती हैं। लड़कियां कृषि में ज्ञान और कौशल सीखती हैं। सतपुड़ा अंचल में धान रोपाई को स्थानीय भाषा में लबोदा कहा जाता है। पहले हर घर में सब्जी बाड़ी (किचन गार्डन) हुआ करती थी, जिसे जैव विविधता का केन्द्र भी कहा जा सकता है। इसमें कई तरह की हरी सब्जियां, मौसमी फल और मोटे अनाज लगाए जाते थे। जैसे भटा, टमाटर, हरी मिर्च, अदरक, भिंडी, सेमी (बल्लर), मक्का, ज्वार आदि होते थे। मुनगा, नींबू, बेर, अमरूद आदि बच्चों के पोषण के स्रोत होते थे। इसमें न अलग से पानी देने की जरूरत थी और न खाद की। जो पानी रोजाना इस्तेमाल होता था उससे ही बाड़ी की सब्जियों की सिंचाई हो जाती थी। लेकिन इनमें कई कारणों से कमी आ रही है। ये सभी काम महिलाएं ही करती थीं। हालांकि, अब भी कई इलाकों में सब्जी बाड़ी की जाती हैं। सब्जी बाड़ी में अदरक, तुलसी, पुदीना, हल्दी जैसे औषधीय महत्व के पौधे भी होते थे, जो पारंपरिक चिकित्सा व नुस्खों में काम आते थे। इसके अलावा, जंगल में औषधीय पौधों, फलों व जड़ी-बूटियों की जानकारी भी महिलाओं को होती है। वे कई तरह के औषधीय पौधों के गुणधर्म जानती हैं, और कई छोटी-मोटी स्वास्थ्य समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान कर लेती हैं। जंगल क्षेत्र में रहने वाले लोगों की आजीविका जंगल पर ही निर्भर है। खेत और जंगल से उन्हें काफी अमौद्रिक चीजें मिलती हैं, जो पोषण के लिए निश्शुल्क और प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होती हैं। ये सभी चीजें उन्हें अपने परिवेश और आस-पास से मिल जाती है। जैसे बेर, जामुन, अचार, आंवला, महुआ, मकोई, सीताफल, आम, शहद और कई तरह के फल-फूल, जंगली कंद और हरी पत्तीदार भाजियां सहज ही उपलब्ध हो जाती हैं। यानी खेती एक तरह की जीवन पद्धति है जिसमें जैव विविधता का संरक्षण होता है। मिट्टी, पानी और पर्यावरण का संरक्षण होता है और इन सबमें महिलाओं की भूमिका अहम है। कुछ समय पहले मैं उत्तराखंड गया था, वहां अधिकांश गांवों के लोग रोजगार की तलाश में शहरों में पलायन कर गए हैं। वहां महिलाओं ने घर में बच्चों की परवरिश के साथ खेती की जिम्मेदारी भी संभाली।

हास्य-व्यंग्य

वो तो सब खा चुके हैं...

आलोक पुराणिक

राष्ट्र कर क्या रहा है।

एक तिहाई राष्ट्र वीडियो रील बना रहा है।

एक तिहाई राष्ट्र वो वीडियो रील देख रहा है।

बचा एक तिहाई राष्ट्र सोच रहा है कि क्या रील ही राष्ट्र है। एक परिचित की पत्नी रास्ते में कुत्ते के साथ डांस करने की कोशिश कर रही थीं। कुत्ता इस कोशिश पर परेशान कम हैरान ज्यादा था। परिचित की पत्नी ने बताया कि रील में कुछ यूनिक होना चाहिए, इसलिए कुत्ते के साथ डांस कर रही हैं। यूनिक के चक्कर में बंदा और बंदी कतई बेवकूफ हुए जा रहे है, पर इस बात को कह देना परम बेवकूफी है। अक्लमंदी इस दौर में चुप रहने में ही है।

रील ऐसी ऐसी बन रही हैं कि और रील का बनना कमाल नहीं है, ऐसी रील लाखों की तादाद में देखी जा रही हैं, ये कमाल है। कुत्ता डांस देखने के लिए वह राष्ट्र समय निकाल रहा है, जो आम तौर पर बिजी ही पाया जाता है। रीलें कमाल कर रही हैं।

राष्ट्र कुछ समय श्राद्ध में व्यस्त था।

एक बहुत भ्रष्ट अफसर का श्राद्ध कराके आया। पिछले साल वह दिवंगत हुए थे। श्राद्ध पक्ष शुरु होने से पहले भ्रष्ट अफसर पत्नी के सपने में आकर गुहार लगाते थे-डीयर श्राद्ध में पूड़ी-खीर खिलाने भर से काम ना चलेगा,खूब खिलाना, सब कुछ खिलाना।

दिवंगत अफसर की पत्नी परेशान. क्या खिलायें-मैंने पूछा-दिवंगत किन-किन विभागों में कार्यरत रहे, कमीशन-रिश्वत कितने परसेंट खाते थे। सब पता करके श्राद्ध पैकेज मैंने बनाया-एक थाली में किताब-कापी आधी फाड़कर, एक आधे टूटे हुए पुल की फोटू, एक टूटी नाली की फोटू, एक बच्चों के खिलौने की जीप का आधा हिस्सा सजाया, खाऊ मंदिर के तौर पर एक स्विस बैंक की फोटू लगायी थाली में। दिवंगत अफसर शिक्षा विभाग में रहे थे, कापी-किताब खरीद में घोटाला करके पचास परसेंट कमीशन खाया, फिर पीडब्लूडी में रहकर आधा पुल खा गये थे रिश्वत में। नाली भी आधी गड़प की थी उन्होने, जीप खरीद घोटाले में पचास परसेंट कमीशन उन्होने खाया था। वही उन्हे श्राद्ध में खाने को दिया गया। ओम खा हा, ओम खा हा, करके श्राद्ध संपन्न किया। भ्रष्ट अफसर ने पत्नी के सपने में आकर थैंकू बोला। साहब ऐसे-ऐसे विकट खाऊ इस धरा पर अवतरित हुए हैं, पूड़ी-खीर से कहां निपटेंगे ये। कुछ नये रचनात्मक श्राद्ध पैकेज लाये जाना जरुरी है। नेताओं के श्राद्ध में कुछ इस किस्म के पैकेज हो सकते हैं-किसी दिवंगत नेता के श्राद्ध में मोबाइल फोन रखा जाए, गुरु ने टेलीकाम घोटाले में खाया था। किसी दिवंगत नेता के श्राद्ध में थाली में तरह-तरह कोयले सजे हुए हैं, आपने कोयला-खदान में कांड में किये थे।

अंबुजा सीमेंट्स ने मॉडल आंगनबाड़ी के साथ जी सैदपुर के बच्चों को आधुनिक शिक्षा से परिचित कराया

उत्तराखंड, एजेंसी। विविधतापूर्ण अदाणी समूह की सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी अंबुजा सीमेंट्स सभी के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएसआर प्रयासों के माध्यम से, कंपनी ने अंबुजा सीमेंट्स रुड़की के पास हरिद्वार जिले के जी सैदपुर में एक मॉडल आंगनबाड़ी का उद्घाटन किया है।

इस पहल को बच्चों के लिए एक जीवंत, सुरक्षित शिक्षण वातावरण प्रदान करके प्रारंभिक बचपन की शिक्षा और सामुदायिक स्वास्थ्य का समर्थन करने के लिए डिजाइन किया गया है। जी सैदपुर में हाल ही में शुरू की गई मॉडल आंगनबाड़ी जीवंत बाला (सीखने में सहायक के रूप में भवन) भित्ति चित्र हैं जो दृश्यों के माध्यम से सीखने को बढ़ावा देते हैं, जबकि शिक्षा और स्वास्थ्य पर सूचनात्मक बोर्ड बच्चों और समुदाय के लिए बहुमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं। सुविधा में आरामदायक बेंच और डेस्क एक अनुकूल सीखने का माहौल सुनिश्चित करते हैं, जबकि बच्चों के विकास के सटीक आकलन के लिए वजन तराजू, शिशु मीटर और मध्य-ऊपरी-बांह परिधि मापने वाले टेप सहित व्यापक माप उपकरण उपलब्ध हैं।

आंगनबाड़ी एक समर्पित पोषण ज्ञान केंद्र भी है, जहां सहायक नर्स मिडवाइफ़ (एएनएम) और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी समुदाय के सदस्यों के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच करते हैं, जिससे स्वास्थ्य और निवारक स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा मिलता है। आईसीडीएस दिशा-निर्देशों के अनुसार जन्मदिन समारोह, अन्नप्राशन और गोद भराई जैसी आकर्षक मासिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं, जिससे सामाजिक संपर्क और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा मिलता है।

आंगनबाड़ी पानी और स्वच्छता सुविधाओं के लिए भी सहायता प्रदान करती है, जिससे बच्चों के लिए स्वच्छ और स्वास्थ्यकर वातावरण सुनिश्चित होता है। अंबुजा सीमेंट्स सामुदायिक विकास के लिए लंबे समय से प्रतिबद्ध है, इसने पहले क्षेत्र के दाउदबासी, छापुर और लाव्वा गांवों में इस तरह के आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र स्थापित किए हैं। यह चौथा आंगनबाड़ी बच्चों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए अंबुजा सीमेंट्स के समर्पण को और मजबूत करता है, सामुदायिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाकर और शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों पर ध्यान केंद्रित करके ग्रामीण परिवारों के जीवन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है।

सुदर्शन केमिकल ने ह्यूबैक ग्रूप के अधिग्रहण के लिए किया निर्णायक समझौता

मुंबई, एजेंसी। सुदर्शन केमिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एससीआईएल या कंपनी) ने आज घोषणा की है कि उसने एक परिसंपत्ति और शेयर सौदे के संयोजन में अधिग्रहण पर जर्मनी स्थित ह्यूबैक समूह के साथ एक निर्णायक समझौता किया है। इस रणनीतिक अधिग्रहण से एक वैश्विक पिगमेंट कंपनी बनेगी, जो एससीआईएल के परिचालन और विशेषज्ञता को ह्यूबैक की तकनीकी क्षमताओं के साथ जोड़ेगी।

अधिग्रहण के बाद, संयुक्त कंपनी के पास उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का एक व्यापक पिगमेंट पोर्टफोलियो होगा और यूरोप और अमेरिका सहित प्रमुख बाजारों में इसकी मजबूत उपस्थिति होगी। यह एससीआईएल के उत्पाद पोर्टफोलियो को बढ़ाएगा, जिससे इसे ग्राहकों तक पहुंच मिलेगी और वैश्विक स्तर पर 19 साइटों पर एक विविध परिसंपत्ति पदचिह्न मिलेगा। संयुक्त कंपनी का नेतृत्व श्री राजेश राठी और उच्च प्रदर्शन करने वाली प्रबंधन टीम द्वारा किया जाएगा, जिसमें गुणवत्ता निष्पादन कौशल और तकनीकी योग्यता होगी।

ह्यूबैक समूह का 200 साल का इतिहास है और 2022 में क्लेरिएंट के साथ एकीकरण के बाद यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा पिगमेंट समूह बन गया। ह्यूबैक का वित्त वर्ष 21 और वित्त वर्ष 22 में एक अरब यूरो से अधिक का राजस्व था, जिसमें विशेष रूप से यूरोप, अमेरिका और एपैक क्षेत्र में वैश्विक पहुंच थी। बढ़ती लागत, इन्वेंट्री मुद्दों और उच्च ब्याज दरों के कारण समूह को पिछले दो वर्षों में वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ा। एससीआईएल द्वारा ह्यूबैक का अधिग्रहण एक स्पष्ट टर्नअराउंड योजना के साथ इन चुनौतियों का समाधान करेगा।

लेन-देन पर टिप्पणी करते हुए, एससीआईएल के प्रबंध निदेशक श्री राजेश राठी ने कहा, हम इस लेन-देन से खुश हैं जो दो व्यवसायों को एक साथ लाता है जो प्रमुख वैश्विक बाजारों की सेवा करेंगे। हम इन दोनों कंपनियों को वास्तव में वैश्विक पिगमेंट कंपनी बनाने के लिए सावधानीपूर्वक एकीकृत करेंगे, जिसमें फ्रैंकफर्ट रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान बना रहेगा। एससीआईएल अपनी चपलता और दक्षता के लिए जाना जाता है, और हम इस संस्कृति को संयुक्त कंपनी में शामिल करेंगे ताकि इसे सबसे अधिक ग्राहक-केंद्रित और लाभदायक पिगमेंट कंपनियों में से एक बनाया जा सके।

हेउबैक के ब्रैम डी होंड्ट ने कहा, एससीआईएल के साथ हाथ मिलाकर, हमारा लक्ष्य उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के साथ ग्राहकों की सेवा करने की अपनी 200+ साल की विरासत को पुनः प्राप्त करना है। साथ मिलकर, हम ग्राहक केंद्रितता और उत्पाद उत्कृष्टता के सिद्धांतों पर निर्माण करके पिगमेंट उद्योग के भविष्य को आकार देंगे। हमारी संयुक्त क्षमताएँ हमें अपने ग्राहकों को बेहतर सेवा देने में सक्षम बनाएंगी। हम इस अगले अध्याय में प्रवेश करते हुए एससीआईएल के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। क्रॉफर्ड बेली और नोएर सुदर्शन के कानूनी सलाहकार के रूप में कार्य कर रहे हैं और डीसी एडवाइजरी वित्तीय सलाहकार के रूप में कार्य कर रही है।

चुस्ती की संस्कृति और ग्राहक फोकस इस एकीकरण के केंद्र में होंगे। संयोजन के रणनीतिक और वित्तीय लाभ इस प्रकार हैं:

ग्राहक केंद्रितता (सेवा) पर आधारित कंपनी: अधिग्रहण के बाद एससीआईएल सभी ग्राहकों के लिए पसंदीदा आपूर्तिकर्ता बनने की परिकल्पना करता है। कंपनी के पास विभिन्न खंडों और अनुप्रयोगों में विस्तृत उत्पाद पोर्टफोलियो होगा और यह ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ श्रेणी के उत्पाद पोर्टफोलियो की पेशकश करने में सक्षम होगी। एससीआईएल की आरएंडडी और नवाचार क्षमताएं वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क के साथ मिलकर कंपनी को कुशलतापूर्वक ग्राहकों की सेवा करने में सक्षम बनाएंगी।

सबसे मूल्यवान वैश्विक पिगमेंट कंपनी: संयुक्त इकाई का लक्ष्य दुनिया की सबसे मूल्यवान पिगमेंट कंपनी बनना है, जिसके पास बेहतरीन वित्तीय ताकत और लाभप्रदता है। इस अधिग्रहण से वैश्विक बाजारों में स्ह्वद्बरु के उत्पाद पोर्टफोलियो की चौड़ाई बढ़ती है, इसे वैश्विक ग्राहकों, खासकर यूरोप और अमेरिका में सेवा देने का अवसर मिलता है, और 19 वैश्विक साइटों पर एक विविध परिसंपत्ति फुटप्रिंट मिलता है।

एक चुस्त संगठन: एकीकरण से चुस्ती और दक्षता की संस्कृति बनेगी, जिसमें सभी कार्यों में महत्वपूर्ण तालमेल की उम्मीद है। संयुक्त कंपनी हितधारकों के लिए मूल्य को अधिकतम करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू करेगी

विश्वस्तरीय प्रबंधकों और पिगमेंट विशेषज्ञों का नेतृत्व: एससीआईएल गुणवत्तापूर्ण निष्पादन कौशल और तकनीकी योग्यता के साथ एक उच्च प्रदर्शन करने वाली प्रबंधन टीम तैयार करेगा। लेन-देन के समापन के बाद संयुक्त कंपनी का नेतृत्व एससीआईएल के प्रबंध निदेशक राजेश राठी करेंगे।

ह्यूबैक के पास एक विस्तृत और उच्च गुणवत्ता वाला उत्पाद पोर्टफोलियो है जिसमें अनुकूलित उत्पादों सहित विशेषताओं का एक बड़ा प्रतिशत शामिल है। यह कोटिंग, प्लास्टिक, स्याही, ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स में अनुप्रयोगों के साथ वैश्विक ब्लू-चिप ग्राहकों के एक मजबूत ग्राहक आधार को सेवा प्रदान करता है। ह्यूबैक के पास वैश्विक स्तर पर 17 विनिर्माण स्थल हैं जो किसी भी भू-राजनीतिक और आपूर्ति श्रृंखला चुनौतियों के दौरान स्थिरता प्रदान करते हैं, आपूर्तिकर्ताओं और ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक संबंध सुनिश्चित करते हैं।

महाजेनको को सोलर पीवी मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए सात्विक सोलर ने 302 करोड़ रुपये का कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया

नई दिल्ली, एजेंसी। सात्विक ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने आज घोषणा की है कि उसने महाराष्ट्र स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड (MAHAGEN-CO) के साथ महाराष्ट्र भर में विभिन्न स्थानों पर 200 मेगावाट के अत्याधुनिक N-TOPCon 580Wp मॉड्यूल्स की सप्लाई के लिए अनुबंध हासिल किया है।

ऑर्डर का कुल मूल्य 302 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इन मॉड्यूल की तैनाती महाराष्ट्र की अक्षय ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जिससे स्वच्छ और हरित ऊर्जा समाधानों की दिशा में राज्य की पहल को समर्थन मिलेगा।

यह साझेदारी सर्वश्रेष्ठ श्रेणी के उत्पादों और रणनीतिक सहयोगों के माध्यम से अक्षय ऊर्जा संक्रमण को सशक्त बनाने के सात्विक के दृष्टिकोण को दर्शाती है।

महाजेनको भारत की सबसे बड़ी बिजली उत्पादन कंपनियों में से एक है, और यह ऑर्डर अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में उच्च दक्षता वाली सौर प्रौद्योगिकियों के एक विश्वसनीय प्रदाता के रूप में सात्विक की बढ़ती उपस्थिति और प्रतिष्ठा की पुष्टि करता है। कंपनी ने सात्विक एन-टॉपकॉन 580Wp मॉड्यूल का ऑर्डर दिया है, जिसका उपयोग इस अनुबंध को पूरा करने के लिए किया जाएगा, जो सात्विक के पोर्टफोलियो में सबसे उन्नत और मांग वाले उत्पादों में से एक है। अपनी बेहतरीन दक्षता और प्रदर्शन के लिए जाने जाने वाले इन मॉड्यूल को चुनौतीपूर्ण पर्यावरणीय परिस्थितियों में भी बेहतर ऊर्जा उत्पादन देने के लिए इंजीनियर किया गया है।

इस अवसर पर सात्विक ग्रीन एनर्जी के सीईओ प्रशांत माथुर ने कहा, हम सात्विक में इस परियोजना के लिए महाजेनको द्वारा चुने जाने पर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह ऑर्डर न केवल सौर प्रौद्योगिकी में नवाचार और उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, बल्कि बड़े पैमाने पर, टाइम सेंसिटिव प्रोजेक्ट्स को पूरा करने की हमारी क्षमता को भी उजागर करता है।

हमारे एन-टॉपकॉन मॉड्यूल को उच्चतम उद्योग मानकों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो आने वाले वर्षों के लिए स्थायी ऊर्जा उत्पादन सुनिश्चित करता है। हम महाराष्ट्र के अक्षय ऊर्जा लक्ष्यों में योगदान देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

सात्विक ग्रीन एनर्जी अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में आगे रहने के लिए कई प्रमुख बुनियादी ढांचा तकनीकी इनोवेशंस को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही है।

कंपनी उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल विकसित कर रही है, जिसमें हाफ-कट मॉड्यूल और प्रीमियम मॉड्यूल शामिल हैं, जिनमें '0 बज़ बार' और '24 बज बार' तकनीक जैसी उन्नत सुविधाएं मॉड्यूल निर्माण के अलावा, यह ऊर्जा भंडारण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रोलाइज़र बैटरी निर्माण और भंडारण समाधानों में निवेश की भी संभावना तलाश रही है।

कंपनी का R&D बुनियादी ढांचा और इन-हाउस विनिर्माण कौशल फर्म को भारतीय और वैश्विक दोनों बाजारों में उच्च दक्षता वाले सौर मॉड्यूल की बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम बनाता है।

त्योहारों का जश्न मनाएं टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर पर आकर्षक ऑफर्स के साथ, रु 30,000 तक के कैशबैक के फायदे पाएं

बैंगलोर, एजेंसी। त्योहारों का मौसम ढेरों खुशियां और जश्न का माहौल लेकर आता है। इसी के मद्देनज़र दोपहिया और तिपहिया सेगमेन्ट में संचालन करने वाली दुनिया की प्रमुख ऑटोनिर्माता टीवीएस मोटर कंपनी अपने टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर वेरिएन्ट्स पर रु 30,000 तक के स्पेशल फेस्टिव कैशबैक ऑफर लेकर आई है। ये आकर्षक ऑफर्स

चुनिंदा राज्यों में 31 अक्टूबर 2024 तक उपलब्ध हैं, जो मात्र रु 85,650 (प्रभावी एक्स-शोरूम कीमत, राजस्थान) में उपभोक्ताओं को भारत का पसंदीदा फैमिली ईवी खरीदने का मौका देंगे। टीवीएस आईक्यूब एस वेरिएन्ट के लिए, तमिलनाडु, पुडुचैरी, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, राजस्थान, कर्नाटक, केरल, आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, उड़ीसा और महाराष्ट्र के उपभोक्ता बिना किसी अतिरिक्त लागत के 5 साल/ 7000 किलोमीटर के लिए रु 5999 कीमत की एक्सटेंटेड वारंटी का फायदा पा सकते हैं। इसके अलावा कंपनी आकर्षक रीटेल फाइनैंस ऑफर्स भी लेकर आई है जैसे चुनिंदा बैंक कार्ड पर रु 10,000 तक का कैशबैक, मात्र रु 7999 की डाउन पेमेंट और रु 2399 से शुरू होने वाली आसान ईएमआई के विकल्प। ऐसे में त्योहारों के इस सीज़न टीवीएस आईक्यूब खरीदना बेहद आसान हो गया है। इस तरह के ऑफर्स इलेक्ट्रिक परिवहन की ओर बदलाव को लुभावना बनाते हैं, साथ ही स्थायित्व एवं आधुनिक इनोवेशन्स के लिए टीवीएस मोटर कंपनी की प्रतिबद्धता को समर्थन प्रदान करते हैं।

बड़ौदा बीएनपी पारिबा म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया निफ्टी मिडकैप 150 इंडेक्स फंड, हाई ग्रोथ वाली कंपनियों में निवेश का अवसर, एनएफओ की क्या है खूबी

मुंबई, एजेंसी। बड़ौदा बीएनपी पारिबा म्यूचुअल फंड ने अपना न्यू फंड ऑफर (एनएफओ), बड़ौदा बीएनपी पारिबा निफ्टी मिडकैप 150 इंडेक्स फंड लॉन्च किया है। यह एनएफओ 14 अक्टूबर 2024 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है और 28 अक्टूबर 2024 तक इसमें सब्सक्राइब किया जा सकता है। यह पैसिवली मैनेज्ड, लो कास्ट (कम लागत वाला) इक्विटी फंड निवेशकों को संभावित रूप से हाई ग्रोथ वाले मिडकैप शेयरों में निवेश का अवसर देता है। यह स्कीम एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स की तुलना में निवेशकों को अलग अलग सेक्टर में बेहतर तरीके से डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो प्रदान करती है। इस स्ट्रैटेजी से किसी एक ही सेक्टर में निवेश करने को लेकर जो रिस्क होता है, वह कम होता है।

बड़ौदा बीएनपी पारिबा निफ्टी मिडकैप 150 इंडेक्स फंड का लक्ष्य निफ्टी मिडकैप 150 टोटल रिटर्न इंडेक्स के प्रदर्शन को ट्रैक करना है, जिसमें ऐसी मिडकैप कंपनियां शामिल होता है जो भविष्य में लार्ज कैप की कैटेगरी में आने की क्षमता रखती हैं। इस फंड में निवेश के जरिए, निवेशक कैपिटल गुड्स, केमिकल्स, रियल एस्टेट और टेक्सटाइल जैसे सेक्टर में एक्सपोजर हासिल कर सकते हैं, जिनका निफ्टी 50 इंडेक्स में या तो बहुत कम प्रतिनिधित्व है या वे इंडेक्स में मौजूद ही नहीं हैं। बड़ौदा बीएनपी पारिबा एसेट मैनेजमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ सुरेश सोनी ने एनएफओ पर कहा कि एसएंडपी इंडेक्स बनाम एक्टिव रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 10 साल में 75 फीसदी मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंडों ने अपने बेंचमार्क से कम प्रदर्शन किया है। हमारा एनएफओ एक कम लागत वाला, पैसिव इन्वेस्टमेंट सॉल्यूशन प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य निफ्टी मिडकैप 150 इंडेक्स की तरह रिटर्न देना है। साथ ही इसका उद्देश्य खराब प्रदर्शन के जोखिम को कम करना और ग्रोथ के लिए बेहतर अवसर प्रदान करना है। बड़ौदा बीएनपी पारिबा निफ्टी मिडकैप 150 इंडेक्स फंड का एक प्रमुख लाभ ऐतिहासिक रूप से इसके बेंचमार्क इंडेक्स की मजबूत प्रदर्शन करने की क्षमता है। अप्रैल 2005 से निफ्टी मिडकैप 150 टीआरआई में निवेशकों द्वारा किया गया निवेश 18.7% सीएजीआर की दर से करीब 28 गुना हो गया। उनका कहना है कि इंडेक्स में शामिल कंपनियों की स्वाभाविक रूप से हाई ग्रोथ रेट, व्यापक रूप से स्टॉक व सेक्टर का चयन और री-रेटिंग के अवसरों को देखते हुए, हम उम्मीद करते हैं कि निफ्टी मिडकैप 150 इंडेक्स लार्ज कैप इंडेक्स की तुलना में ज्यादा रिटर्न देगा। हमारी रिसर्च से पता चलता है कि जब निवेशकों ने अपना निवेश 10 साल बनाए रखा तो इस दौरान 94 फीसदी समय में निफ्टी मिडकैप 150 टीआरआई ने 10त्न या उससे ज्यादा कंपाउंडेड एनुअल रिटर्न दिया। 10 साल के दौरान के निवेश पर रिटर्न देखें तो कभी भी निगेटिव रिटर्न देखने को नहीं मिला है।

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) शुरू करने के लिए भी यह फंड एक बेहतर विकल्प है। पिछले 15 साल में निफ्टी मिडकैप 150 टीआरआई में 10,000 रुपये की मंथली एसआईपी की वैल्यू अब 1 करोड़ रुपये से अधिक हो गई, जो रेगुलर निवेश के जरिए वेल्थ क्रिएशन की क्षमता को दर्शाता है। डायवर्सिफिकेशन, उभरते ग्रोथ सेक्टर में निवेश और लंबी अवधि में हाई रिटर्न की क्षमता चाहने वाले निवेशक बड़ौदा बीएनपी पारिबा निफ्टी मिडकैप 150 इंडेक्स फंड पर विचार कर सकते हैं। लागत प्रभावी और पैसिवली मैनेज्ड इन्वेस्टमेंट के माध्यम के रूप में, यह फंड निवेशकों को भारत के तेजी से ग्रोथ करते मिडकैप सेगमेंट से हाई रिटर्न हासिल करने का अवसर देता है।

स्किल इंडिया मिशन के लिए एआई असिस्टेंट और वीआर/एमआर में 5 उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना के लिए कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने मेटा के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने दो पहलों के शुभारंभ के लिए आज मेटा के साथ साझेदारी की घोषणा की है। ये पहल हैं- स्किल इंडिया मिशन के लिए एक एआई असिस्टेंट और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और मिक्स्ड रियलिटी (एमआर) में 5 उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित करना। इसके तहत, स्किल इंडिया डिजिटल (एसआईडी) पोर्टल पर शिक्षार्थियों के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए मेटा के ओपन-सोर्स लामा मॉडल द्वारा संचालित एक अभिनव एआई-आधारित चैटबॉट विकसित किया जाएगा। मेटा के ओपन-सोर्स एआई मॉडल को भारत के एआई इकोसिस्टम के लिए सुलभ बनाकर, हम भारत के एआई मिशन के अनुरूप एक सहयोगी ई-गवर्नेंस फ्रेमवर्क की कल्पना करते हैं। इस फ्रेमवर्क के तहत बड़े पैमाने पर सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन को तेजी से आगे बढ़ाने की क्षमता वाले प्रभावशाली एआई समाधानों को अपनाने के प्रयासों में तेजी लाने का प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा, हैदराबाद, बेंगलुरु, जोधपुर, चेन्नई और कानपुर में स्थित राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) में 5 उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) कायम किए जाएंगे। ये केंद्र शिक्षार्थियों और प्रशिक्षकों को सुरक्षित और बेहतर वातावरण में मौजूदा कौशल सीखने और बढ़ाने के लिए नवीनतम वीआर तकनीक से लैस करेंगे।

एआई असिस्टेंट पर साझेदारी का उद्देश्य सूचना पहुँच को सुव्यवस्थित करना, सीखने के परिणामों में सुधार करना और छात्रों को सहज डिजिटल इंटरफ़ेस के माध्यम से सहज सहायता प्रदान करना है। 5 उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) रियलिस्टक सिमुलेशन भी प्रदान करेंगे, जुड़ाव में सुधार करेंगे और कौशल विकास प्रशिक्षण तक पहुँच बढ़ाएँगे। साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए, कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जयंत चौधरी ने कहा, मंत्रालय में हमारा मिशन भारत के युवाओं को आज के प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल के साथ और मजबूत बनाना है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वर्चुअल रियलिटी और मिक्स्ड रियलिटी जैसी तकनीकों को स्किल इंडिया इकोसिस्टम के साथ जोड़ते हुए हमारी कोशिश है कि देश के सभी युवाओं के लिए लर्निंग से संबंधित अत्याधुनिक तकनीकों को पहुँचाया जाए। आज मेटा के साथ हमारी साझेदारी इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मेटा इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट और हैड ऑफ पब्लिक पॉलिसी शिवनाथ ठुकराल ने कहा, ''मेटा में, हम भारत के आर्थिक विकास के लिए सार्थक प्रभाव पैदा करने के लिहाज से एआई, वीआर और एमआर जैसी अग्रणी तकनीकों का लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमडीएसई) के साथ ये साझेदारी तकनीक और शिक्षा के बीच के फासले को दूर करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। ओपन-सोर्स लामा जैसी उन्नत तकनीकों के इंटीग्रेशन के माध्यम से हमारा लक्ष्य न केवल छात्रों, बल्कि शिक्षकों और उद्यमियों को भी सशक्त बनाना है, और उन्हें आज की डिजिटल-प्रथम दुनिया में कामयाब होने के लिए आवश्यक उपकरणों से लैस करना है।''

स्किल इंडिया डिजिटल पोर्टल आज देश के कौशल संबंधी ईको सिस्टम की आधारशिला बन गया है, जिसमें लाखों छात्र अपनी रोजगार क्षमता में सुधार करने के उद्देश्य से पाठ्यक्रमों तक पहुँच बना रहे हैं। एआई चैटबॉट के लॉन्च के साथ, एमएसडीई और मेटा मिलकर पाठ्यक्रम सामग्री के साथ छात्रों के जुड़ाव और उनके फ्यूचर रेडी होने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं।

एआई असिस्टेंट प्रोजेक्ट के लिए टैक्नीकल पार्टनर सर्वम, चैटबॉट के विकास और तैनाती के लिए जिम्मेदार होगा, जिसे छह महीने की अवधि में पायलट किया जाएगा। चैटबॉट, जिसे एसआईडी पोर्टल में एकीकृत किया जाएगा, उपयोगकर्ताओं को 24/7 सहायता प्रदान करेगा, जिससे पाठ्यक्रम की जानकारी की त्वरित खोज, पाठ्यक्रम सामग्री के लिए इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर और संशोधन के लिए व्याख्यान सारांश और प्रासंगिक वीडियो तक पहुंच संभव होगी।

व्हाट्सएप पर उपलब्ध, चैटबॉट अंग्रेजी, हिंदी और हिंग्लिश के साथ-साथ आवाज संबंधी क्षमताओं को सपोर्ट करेगा, जिससे यह भारत भर के विभिन्न प्रकार के उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक सुलभ हो जाएगा। इसके अलावा, उपयोगकर्ता विशिष्ट पाठ्यक्रम विषयों की खोज कर सकते हैं, कौशल केंद्र तलाश सकते हैं, स्थान और रुचि के आधार पर नौकरी लिस्टिंग का पता लगा सकते हैं और निरंतर सुधार के लिए फीडबैक प्राप्त कर सकते हैं।

चैटबॉट प्लेटफॉर्म को और अधिक अनुकूलित करने के लिए एमएसडीई को मूल्यवान विश्लेषण भी प्रदान करेगा। इसके अलावा, उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना के लिए तकनीकी साझेदार स्किलवेरी, शिक्षार्थियों और प्रशिक्षकों को नवीनतम तकनीक से लैस करने के लिए अत्याधुनिक वीआर और एमआर रिसोर्सेज, पाठ्यक्रम और प्रशिक्षित पेशेवर प्रदान करेगा।

भारतीय नौसेना ने नौसेना के नागरिकों को बीमा प्रदान करने के लिए बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

पुणे, एजेंसी। भारतीय नौसेना के नागरिक कर्मियों को जीवन बीमा से संबंधित सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने के लिए भारतीय नौसेना ने देश की अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक बजाज आलियांज लाइफ के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

08 अक्टूबर 2024 को किए गए इस समझौता ज्ञापन के तहत बजाज आलियांज लाइफ किफायती दरों पर व्यापक कवरेज सुनिश्चित करते हुए विभिन्न प्रकार के जीवन बीमा प्रॉडक्ट उपलब्ध कराएगा।

'नौसेना नागरिकों के वर्ष' के तहत आयोजित गतिविधियों के एक भाग के रूप में इस अवसर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, कार्मिक प्रमुख वाइस एडमिरल संजय भल्ला ने बजाज आलियांज लाइफ द्वारा प्रस्तुत उन जीवन बीमा समाधानों की सराहना की, जिन्हें विशेष रूप से भारतीय नौसेना के नागरिकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है।

बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ श्री तरुण चुघ ने कहा, ''बजाज आलियांज लाइफ में हम सभी के लिए यह वास्तव में गर्व का क्षण है कि हमें भारतीय नौसेना के कर्मियों को जीवन बीमा सेवाएँ प्रदान करने का अवसर मिला है।

भारतीय नौसेना के '2024 - नौसेना नागरिकों के वर्ष' के अनुरूप - हम नौसेना नागरिकों के लिए अपनी सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। मेरा मानना है कि यह जीवन बीमा के लाभों को और अधिक भारतीयों तक पहुँचाने और हमारे देश के भीतर बीमा पैठ की खाई को दूर करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हम भारतीय नौसेना को केवल सबसे प्रभावी और सहज-सरल समाधान प्रदान करें।''

इस भागीदारी के तहत बजाज आलियांज लाइफ जीवन बीमा से संबंधित विभिन्न प्रॉडक्ट उपलब्ध करा रहा है। ये ऐसे प्रॉडक्ट हैं, जो भारतीय नौसेना से जुड़े नागरिकों के विभिन्न जीवन लक्ष्यों को पूरा करने के लिहाज से बहुत उपयोगी हैं। भारतीय नौसेना के नागरिक कर्मियों को उनके जीवन लक्ष्यों को सुरक्षित करने के लिए टर्म इंश्योरेंस और पर्याप्त जीवन बीमा कवरेज के महत्व को समझने में मदद करने के लिए शैक्षिक सेमिनार और सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

कंपनी नौसेना के नागरिकों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने वाली अनूठी प्रक्रियाओं को भी पेश करेगी। भारतीय नौसेना ने नौसेना के नागरिकों को बीमा सोल्यूशंस प्रदान करने के लिए बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस दौरान भारतीय नौसेना के कार्मिक प्रमुख वाइस एडमिरल संजय भल्ला, और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री अमित जायसवाल, चीफ डिस्ट्रिब्यूशन ऑफिसर - प्रोप्राइटरी सेल्स फोर्स और बजाज आलियांज लाइफ की उनकी टीम भी मौजूद थी।

हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश 15 अक्टूबर, 2024 को खुलेगी

जयपुर। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ('कंपनी') ने मंगलवार, 15 अक्टूबर, 2024 को इक्विटी शेयरों की अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ - 'ऑफर') खोलने का प्रस्ताव किया है। कंपनी Hyundai Motor समूह की अंग है, जो क्रिसिल रिपोर्ट के अनुसार कैलेंडर वर्ष 2023 में यात्री वाहन बिक्री के आधार पर दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी ऑटो ओईएम थी। एंकर इन्वेस्टर बोली की तारीख बोली/ऑफर खुलने की तारीख से एक कार्य दिवस पहले है, जो सोमवार, 14 अक्टूबर, 2024 है। बोली/ऑफर बंद होने की तारीख गुरुवार, 17 अक्टूबर, 2024 है।

ऑफर का प्राइस बैंड रु.1,865 प्रति इक्विटी शेयर से रु.11,960 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 7 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 7 इक्विटी शेयरों के गुणकों के लिए बोली लगाई जा सकती हैं। कंपनी के आईपीओ में हुंडई मोटर (प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर) द्वारा 142,194,700 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है।

कंपनी को इस प्रस्ताव से कोई आय (प्रस्ताव आय) प्राप्त नहीं होगी। यह ऑफर प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियम, 1957 के विनियम 19(2)(बी) के अनुसार किया जा रहा है, जिसे संशोधित किया गया है (एससीआरआर) और यह सेबी आईसीडीआर विनियमनों के विनियमन 31 के साथ संलग्न है। यह ऑफर सेबी आईसीडीआर विनियमनों के विनियमन 6(1) के अनुसार बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के जरिए किया जा रहा है। इसमें नेट ऑफर का 50% तक (यह 50% से अधिक नहीं हो सकता) हिस्सा आनुपातिक आधार पर पात्र संस्थागत खरीदार (क्यूआईबी) (क्यूआईबी पोर्शन) को आवंटित करने के लिए उपलब्ध होगा, हालांकि हमारी कंपनी, बीआरएलएम के परामर्श से, एंकर इन्वेस्टर को क्यूआईबी हिस्से का 60% तक आवंटित कर सकती है और इस तरह के आवंटन का आधार सेबी आईसीडीआर विनियमनों (एंकर इन्वेस्टर पोर्शन) के अनुसार, बीआरएलएम के परामर्श से हमारी कंपनी द्वारा विवेकाधीन आधार पर होगा, जिसमें से एक तिहाई घरेलू म्यूचुअल फंड के लिए आरक्षित होगा। यह घरेलू म्यूचुअल फंड से एंकर इन्वेस्टर को आवंटन किए गए मूल्य (एंकर इन्वेस्टर एलोकेशन प्राइस) पर या इससे अधिक पर वैध बोलियां प्राप्त होने पर निर्भर होगा।

इसके अलावा, नेट क्यूआईबी पोर्शन का 5% आनुपातिक आधार पर केवल म्यूचुअल फंड को आवंटित करने के लिए उपलब्ध होगा, बशर्ते ऑफर मूल्य पर या इससे ऊपर वैध बोलियां प्राप्त हों, और नेट क्यूआईबी हिस्से का शेष हिस्सा आनुपातिक आधार पर सभी क्यूआईबी (एंकर निवेशकों के अलावा) को आवंटित करने के लिए उपलब्ध होगा, जिसमें म्यूचुअल फंड भी शामिल हैं, बशर्ते कि ऑफर मूल्य पर या इससे ऊपर वैध बोलियां प्राप्त हों। इसके अलावा, शुद्ध प्रस्ताव का कम से कम 15% गैर-संस्थागत निवेशकों (गैर-संस्थागत श्रेणी) को आवंटन के लिए उपलब्ध होगा। इसमें से गैर-संस्थागत श्रेणी का एक-तिहाई हिस्सा रु.200,000 से अधिक और रु.1,000,000 तक के आवेदन आकार वाले बोलीदाताओं को आवंटन के लिए उपलब्ध होगा और गैर-संस्थागत श्रेणी का दो-तिहाई हिस्सा रु.1,000,000 से अधिक के आवेदन आकार वाले बोलीदाताओं को आवंटन के लिए उपलब्ध होगा। साथ ही गैर-संस्थागत श्रेणी की इन दो उप-श्रेणियों में से किसी एक में कम-सब्सक्रिप्शन को सेबी आईसीडीआर विनियमों के अनुसार गैर-संस्थागत श्रेणी की अन्य उप-श्रेणी में बोलीदाताओं को आवंटित किया जा सकता है, बशर्ते कि प्रस्ताव मूल्य पर या इससे ऊपर वैध बोलियां प्राप्त हों।

युवती ने अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने से परेशान होकर कुंड में कूदी

हनुमानगढ़, 15 अक्टूबर। के गोगामेड़ी थाना क्षेत्र के ललाना बास दिखनादा गांव में एक युवती ने अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने से परेशान होकर कुंड में कूदकर जान दे दी। परिजनों को युवती के सुसाइड करने के समय इस बात का पता नहीं चला। इस कारण उन्होंने पुलिस को सूचना दिए बिना युवती के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। तीन दिन बाद इस बात का पता चलने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। इस मामले में गोगामेड़ी पुलिस थाने में दो युवकों के खिलाफ सुसाइड के लिए उकसाने का मामला दर्ज हुआ है। एएसआई महावीर प्रसाद ने बताया कि लीलाधर (19) पुत्र रामेश्वर नाई निवासी ललाना बास दिखनादा ने लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी बहन कविता (24) बीएड कर रही थी। कविता की शादी के लिए मलवास तहसील सिद्धमुख जिला चूरू निवासी राकेश नाई के साथ रिश्ता तय किया था। जो करीब डेढ़ वर्ष तक रहा। वे कविता की शादी करने वाले थे। उसी समय मनीष पुत्र विनोद कुमार उर्फ शेरसिंह नाई निवासी ललाना बास दिखनादा ने उसकी बहन की फोटो वीडियो और गलत व्हाट्सएप मैसेज कर राकेश से रिश्ता तुड़वा दिया। इस पर उन्होंने पंचायत की। पंचायत में मनीष और उसके परिवार वालों को उलाहना दिया। पंचायत में मनीष की ओर से रिश्ता तुड़वाने की गलती स्वीकार कर इसके बाद किसी प्रकार की गलती नहीं करने का आश्वासन दिया गया। उसके बाद करीब 8 महीने पहले उसकी बहन का रिश्ता सहवाला के दिनेश नाई के साथ तय कर दिया। इसका पता चलने पर राकेश पुत्र धर्मपाल निवासी मलवास ने अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर राकेश सैन नाम से इंस्टाग्राम आईडी तैयार कर उसकी बहन की अश्लील फोटो और मैसेज उसके होने वाले बहनोई दिनेश के मोबाइल नम्बर पर भेज दिए। वीडियो कॉल कर पूर्व की फोटो निकालकर फोटो और मैसेज भेजे। इस पर उसके बहनोई ने 9 अक्टूबर की रात करीब साढ़े 9 बजे उसकी बहन के फोन नम्बर पर कॉल कर फेक आईडी, अश्लील फोटो और मैसेज के बारे में बात की। राकेश और अन्य व्यक्ति ने उसके परिवार की अन्य बहन और औरतों के फोन नम्बर पर भी अश्लील फोटो और वीडियो भेजे थे। राकेश और अन्य व्यक्ति की ओर से मैसेज और अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने से समाज परिवार में हुई बदनामी से तंग आकर उसकी बहन कविता ने 9 अक्टूबर को घर में बने कुंड में कूदकर सुसाइड कर ली। लीलाधर के अनुसार दाह संस्कार के समय उन्हें उसकी बहन की अश्लील फोटो और मैसेज के बारे में और परिवार की अन्य औरतों के पास आए मैसेज और वीडियो का पता नहीं था। बाद में परिवार के सदस्यों ने बताया कि कविता ने मनीष और राकेश की ओर से परेशान करने पर सुसाइड किया है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 108 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एएसआई महावीर प्रसाद ने बताया कि लीलाधर (19) पुत्र रामेश्वर नाई निवासी ललाना बास दिखनादा ने लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी बहन कविता (24) बीएड कर रही थी। कविता की शादी के लिए मलवास तहसील सिद्धमुख जिला चूरू निवासी राकेश नाई के साथ रिश्ता तय किया था। जो करीब डेढ़ वर्ष तक रहा। वे कविता की शादी करने वाले थे। उसी समय मनीष पुत्र विनोद कुमार उर्फ शेरसिंह नाई निवासी ललाना बास दिखनादा ने उसकी बहन की फोटो वीडियो और गलत व्हाट्सएप मैसेज कर राकेश से रिश्ता तुड़वा दिया। इस पर उन्होंने पंचायत की। पंचायत में मनीष और उसके परिवार वालों को उलाहना दिया। पंचायत में मनीष की ओर से रिश्ता तुड़वाने की गलती स्वीकार कर इसके बाद किसी प्रकार की गलती नहीं करने का आश्वासन दिया गया। उसके बाद करीब 8 महीने पहले उसकी बहन का रिश्ता सहवाला के दिनेश नाई के साथ तय कर दिया। इसका पता चलने पर राकेश पुत्र धर्मपाल निवासी मलवास ने अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर राकेश सैन नाम से इंस्टाग्राम आईडी तैयार कर उसकी बहन की अश्लील फोटो और मैसेज उसके होने वाले बहनोई दिनेश के मोबाइल नम्बर पर भेज दिए। वीडियो कॉल कर पूर्व की फोटो निकालकर फोटो और मैसेज भेजे। इस पर उसके बहनोई ने 9 अक्टूबर की रात करीब साढ़े 9 बजे उसकी बहन के फोन नम्बर पर कॉल कर फेक आईडी, अश्लील फोटो और मैसेज के बारे में बात की। राकेश और अन्य व्यक्ति ने उसके परिवार की अन्य बहन और औरतों के फोन नम्बर पर भी अश्लील फोटो और वीडियो भेजे थे। राकेश और अन्य व्यक्ति की ओर से मैसेज और अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने से समाज परिवार में हुई बदनामी से तंग आकर उसकी बहन कविता ने 9 अक्टूबर को घर में बने कुंड में कूदकर सुसाइड कर ली। लीलाधर के अनुसार दाह संस्कार के समय उन्हें उसकी बहन की अश्लील फोटो और मैसेज के बारे में और परिवार की अन्य औरतों के पास आए मैसेज और वीडियो का पता नहीं था। बाद में परिवार के सदस्यों ने बताया कि कविता ने मनीष और राकेश की ओर से परेशान करने पर सुसाइड किया है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 108 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुरुष मित्रों के साथ मिलकर पति को पिलाया जहर

इलाज के दौरान मौत, अवैध संबंधों के चलते दिया वारदात को अंजाम

हनुमानगढ़, 15 अक्टूबर। अवैध संबंधों के चलते पत्नी ने अपने दो पुरुष मित्रों के साथ मिलकर पति के साथ मारपीट की। फिर पति को जबरन कीटनाशक दवा पिला दी। अस्पताल में इलाज के दौरान पति की मौत हो गई। इस संबंध में भादरा पुलिस थाने में मृतक की पत्नी सहित तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस के अनुसार बलवंत पुत्र हरिसिंह धाणक निवासी रामबास ने मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि उसके छोटे भाई सुभाष की शादी शर्मिला के साथ हुई थी। इनके दो बच्चे हैं। सुभाष की पत्नी शर्मिला के राजकुमार पुत्र मानसिंह धाणक निवासी भाड़ी से पिछले एक वर्ष से अवैध संबंध थे। उसने, उसके चाचा प्रताप, पिता हरिसिंह, वेदप्रकाश व सज्जन आदि ने शर्मिला व राजकुमार को कई बार समझाया, लेकिन वे नहीं माने और उनके अनैतिक संबंध वैसे ही जारी रहे। इसी दौरान शर्मिला के सुरेश कुमार पुत्र चिमनाराम जाट निवासी रामबास से भी अवैध संबंध बन गए। शर्मिला के पास सुरेश कुमार व राजकुमार का काफी आना-जाना बढ़ गया। दो अक्टूबर की रात 10.30 बजे राजकुमार व सुरेश उसके भाई सुभाष की ढाणी आए। दोनों ने सुभाष के साथ मारपीट की, जिससे वह बेसुध हो गया। शर्मिला ने उसके भाई वेदप्रकाश को रात 11 बजे फोन कर बताया कि तुम्हारे भाई सुभाष को पता नहीं क्या हो गया और वह बेसुध पड़ा है। इस पर व उसका भाई वेदप्रकाश बाइक लेकर सुभाष के खेत में बनी ढाणी में गए और सुभाष को संभाला तो वह जोर-जोर से कराह रहा था। तब सुभाष ने उन्हें बताया कि राजकुमार व सुरेश कुमार ने उसके साथ मारपीट की और जबरदस्ती कीटनाशक दवा पिला दी। तुम लोग मुझे बचा लो, ये लोग मुझे जान से मार कर छोड़ेंगे। तब वह व उसका भाई वेदप्रकाश गाड़ी के जरिए सुभाष को हॉस्पिटल में लेकर गए। उसके भाई सुभाष ने रास्ते में बताया कि राजकुमार व सुरेश ने शर्मिला के साथ अवैध संबंधों के चलते उसके साथ मारपीट की और फिर शर्मिला के साथ मिलकर जबरदस्ती कीटनाशक दवा पिला दी। रास्ते में सुभाष की तबीयत और ज्यादा बिगड़ने लगी। वे सुभाष को लेकर अस्पताल पहुंचे और भर्ती करवाया, लेकिन इलाज के दौरान अपराह्न करीब 3 उसके भाई सुभाष की मृत्यु हो गई। पुलिस ने बीएनएस की धाराओं व एससीएसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। जांच भादरा वृताधिकारी संजीव कटेवा कर रहे हैं।

आबूरोड में सांप के डंसने की दो घटना

आबूरोड, 15 अक्टूबर। आबूरोड के पास स्थित दो गावों में सांप काटने से एक युवक और एक महिला की मौत हो गई। पहली घटना झामर में हुई, जहां एक विवाहिता महिला टीलीबाई (20) पत्नी प्रभुराम गरासिया रविवार रात को खाना बना रही थी। तभी बिजली गुल हो गई। विवाहिता जहां खाना बना रही थी वहां दीवार पर एक छेद से सांप आया और गर्दन के नीचे काट दिया। सांप के काटते ही महिला बेहोश हो गई। आनन-फानन में परिवार विवाहिता को लेकर अस्पताल के लिए निकले तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई। महिला गर्भवती थी। दूसरी घटना भाखर क्षेत्र के ग्राम पंचायत पाबा के रतोरा फली में हुई। जहां 19 वर्षीय छात्र गणेश कुमार पुत्र लसमाराम गरासिया को रविवार देर रात को घर के पास में सांप ने काट लिया। सांप के काटने के बाद छात्र भी बेहोश हो गया। जिसने गुजरात अंबाजी अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

हादसे में युवक के सीने के आर-पार हुआ पेचकस

पाली, 15 अक्टूबर। पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में भर्ती हादसे में घायल युवक। वैन पलटने के दौरान उसमें रखा नुकीला पेचकस युवक के सीने के आर-पार हो गया। सड़क पर बैठे दो पशुओं से तेज रफ्तार वैन टकराकर दो-तीन बार पलटी। वैन में तीन युवक सवार थे। हादसे के दौरान वैन में रखा पेचकस एक युवक के सीने के आर-पार हो गया। घटना पाली जिले के मारवाड़ जंक्शन थाना इलाके में खारड़ा बस स्टैंड के पास रविवार रात 9 बजे हुई। मारवाड़ जंक्शन सरोज बैरवा ने बताया- पाली के बाड़ा गुड़ा (बगड़ी नगर) से तीन युवक कमलेश नायक (27) पुत्र श्रवण, राहुल और अर्जुन वैन से बजरंग बाड़ी (पाली) जा रहे थे। इस दौरान खारड़ा बस स्टैंड के पास रोड पर बैठे पशु इन्हें दिखाई नहीं दिए और तेज रफ्तार से वैन पशुओं से टकरा गई। वैन दो-तीन बार पलटी। तीनों युवक घायल हो गए। कमलेश के सीने में वैन में रखा पेचकस आर-पार धंस गया। बाकी दोनों युवक भी घायल हो गए। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंचे। तीनों घायलों को मारवाड़ जंक्शन हॉस्पिटल ले गए। कमलेश को देर रात पाली के बांगड़ हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। हादसे में वैन क्षतिग्रस्त हो गई और चपेट में आए दोनों पशु मर गए। क्षतिग्रस्त वैन सड़क किनारे करवाकर यातायात सुचारु कराया। घायल कमलेश नायक ने बताया- कल में अपने कजिन भाइयों राहुल और अर्जुन के साथ बजरंग बाड़ी जा रहा था। राहुल के फुफेरे भाई रोहित की बर्थ-डे पार्टी थी। हादसे में पेचकस आर-पार हो गया। बांगड़ हॉस्पिटल के डॉ सौरभ गौड ने बताया- युवक को देखने पर लगा कि जैसे गोली आर-पार हुई हो। गनीमत रही कि नुकीली वस्तु ने दिल को डैमेज नहीं किया। वरना युवक की जान जा सकती थी।

नाबालिग ने लगाया छेड़छाड़ करने का आरोप

2 महिलाओं सहित 6 लोगों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज

चूरू, 15 अक्टूबर। शहर के महिला पुलिस थाने में एक नाबालिग ने दो महिलाओं सहित 6 लोगों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज करवाया है। शहर के महिला पुलिस थाने में एक नाबालिग ने दो महिलाओं सहित 6 लोगों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज करवाया है। शहर के महिला पुलिस थाने में एक नाबालिग ने दो महिलाओं सहित 6 लोगों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज करवाया है। महिला थाना पुलिस ने नाबालिग की रिपोर्ट पर एक पत्रकार, एक अधिकारी, एक एनजीओ संचालक, दो महिलाओं और एक युवक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज किया है। मामले की जांच कर रहे सदर थानाधिकारी बलवंत सिंह ने बताया कि नाबालिग ने रिपोर्ट में बताया कि दो साल पहले वह चूरू सदर थाना क्षेत्र में रहती थी। जहां एक एनजीओ संचालक, एक अधिकारी व एक पत्रकार ने उससे छेड़छाड़ व अश्लील हरकत करते थे। इस घटना के बारे में वहां रहने वाली एक महिला को बताया तो उसने चुप रहने की बात कही। वह उसको बहुत डराती रहती थी। वहीं, मकान की छत पर स्थित कमरे में शराब परोसने भेजती थी। जहां एक अधिकारी, एक पत्रकार और एनजीओ संचालक उसके साथ अश्लील हरकत करते थे। इस बारे में वहां रहने वाली दोनों महिलाओं को बताया। तब एक महिला ने डरा धमकाकर चुप रहने की बात कही। इसके अलावा घटनास्थल पर स्थित कमरे में अन्य लड़कियां भी बुलाई जाती थी। वहां रहने वाली एक महिला अन्य लड़कियों को भी बहुत डराती थी। जांच अधिकारी बलवंत सिंह ने बताया कि मामले की जांच गंभीरता के साथ की जा रही है। जांच में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

पीट-पीटकर युवक की हत्या

श्रीगंगानगर, 15 अक्टूबर। श्रीगंगानगर जिले के हिंदुमलकोट थाना क्षेत्र में पीट-पीटकर एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। युवक का आरोपियों के परिवार की एक युवती से प्रेम संबंध था। शनिवार रात वह युवती को मोबाइल फोन गिफ्ट करने के लिए निकला था। इस दौरान उसके साथ उसका एक दोस्त भी था। ये लोग गांव में कुछ ही दूर निकले थे। इसी दौरान युवती के परिजनों ने उससे मारपीट कर दी। इससे युवक की मौत हो गई। हिंदुमलकोट थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले राजू ने बताया कि उसके भाई का गांव की ही एक युवती से प्रेम संबंध था। शनिवार रात वह युवती को मोबाइल फोन गिफ्ट करने के लिए घर से निकला था। इसकी जानकारी युवती के परिजनों को हो गई। युवती के परिवार के आरोपी युवकों ने पंजाब से आए अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर युवक को घेर लिया। आरोपियों ने उससे मारपीट की और उसे गंभीर चोटें पहुंचाई। इससे उसकी मौत हो गई। राजू ने बताया कि आरोपी करीब 8 से 10 थे। इन लोगों ने उसके भाई को चोटें पहुंचाई। मामले की जांच एसएचओ महेश कुमार कर रहे हैं।

फायरिंग में किशोर हुआ घायल

गाली देने से मना करने पर पुरानी रंजिश में 12 बोर बंदूक से किया फायर

जैसलमेर, 15 अक्टूबर। जैसलमेर के पूनम नगर गांव में एक किशोर पर फायरिंग करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार पुरानी रंजिश के चलते एक व्यक्ति ने 16 साल के दशरथ सिंह पर फायरिंग कर दी। 12 बोर बंदूक से हुए फायर में किशोर बच गया, मगर उसके 2 जगह छर्रे लग गए। परिजन दशरथ सिंह को लेकर रामगढ़ हॉस्पिटल आए, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे जैसलमेर स्थित जवाहिर हॉस्पिटल रेफर किया गया। फिलहाल दशरथ सिंह की हालत खतरे से बाहर है। वहीं रामगढ़ पुलिस ने फायर करने वाले जयपाल सिंह की तलाश शुरू कर दी है। घटना रविवार देर शाम की बताई जा रही है। पीड़ित दशरथ सिंह के चाचा ने बताया कि दशरथ सिंह पुत्र नरपत सिंह कोल्ड ड्रिंक पीने अपने चाचा के लड़के के साथ गांव की दुकान पर गया था। इस दौरान वहां पहले से ही बैठे जितेंद्र सिंह ने दशरथ सिंह के साथ गाली गलौज कर दी। इसके बाद दशरथ ने गाली देने से मना करने के बाद दोनों के बीच कहासुनी हो गई। वहां जितेंद्र सिंह के साथ बैठे जयपाल सिंह ने बंदूक निकाल कर दशरथ पर फायर कर दिया। जिससे बंदूक के छर्रे दशरथ सिंह के हाथ व पेट में चले गए। घटना के तुरंत बाद दशरथ सिंह को रामगढ़ सीएचसी ले जाया गया। जहां से उसे जैसलमेर रेफर कर दिया गया है। फायरिंग की सूचना मिलने पर रामगढ़ पुलिस का जाब्ता मौके पर पहुंचा। घायल दशरथ सिंह के मामा भूरसिंह रामगढ़ ने बताया कि इन दोनों परिवारों के बीच पुरानी रंजिश है। जिसको लेकर जयपाल सिंह पुत्र केसर सिंह व उसके चाचा के लड़के जितेंद्र सिंह पुत्र तखत सिंह हर बार शराब पीकर हो हल्ला मचाते रहते हैं। रविवार को दशरथ के साथ जितेंद्र सिंह के गाली गलौच करने के बाद शराब के नशे में जयपाल सिंह ने बंदूक से फायर कर दिया। जिससे दशरथ सिंह के पेट में 3 व हाथ में एक छर्रा लगा। गनीमत रही कि उसको गोली नहीं लगी, अन्यथा उसकी जान जा सकती थी। रामगढ़ पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दुल्हन की विदाई से पहले दूल्हे के भाई की मौत

सिरोही, 15 अक्टूबर। सिरोही में दुल्हन की विदाई से पहले दूल्हे के छोटे भाई और रिश्तेदार की मौत हो गई। दोनों युवक बाइक से जा रहे थे। दुल्हन के घर से टेंट का सामान लेकर आ रही पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद शादी के घर में मातम छा गया। हादसा कैलाशनगर थाना क्षेत्र में मनादर कस्बे के देवनगर में रविवार सुबह 7:30 बजे हुआ। थानाधिकारी कानाराम सीरवी ने बताया- जालोर के मेडा उपला से सोमाराम की बारात शनिवार शाम मनादर कस्बे के देवनगर में आई थी। रात को शादी होने के बाद सुबह दुल्हन की विदाई की तैयारियां चल रही थीं। रविवार सुबह 7 बजे दूल्हे का भाई दिनेश (30) पुत्र कानाराम रेबारी और देवनगर निवासी निंबाराम (18) पुत्र मानाराम रेबारी बाइक से सामान लेने के लिए गए थे। यह पिकअप दुल्हन के घर से टेंट का सामान लेकर आ रही थी। इसी ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवकों की मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया- वहां से लौटते समय देवनगर निवासी कालूराम देवासी के घर के सामने पहुंचे थे। तभी दुल्हन के घर से टेंट का सामान लेकर आ रही पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों घायलों को एंबुलेंस से कैलाश नगर अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें सिरोही सरकारी अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। इस दौरान रास्ते में निंबाराम की मौत हो गई। दिनेश को सिरोही के सरकारी अस्पताल से उदयपुर के लिए रेफर कर दिया। एंबुलेंस के मोरस के पास पहुंचते ही रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। सिरोही सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी के बाहर मृतकों के परिजन से जानकारी लेती पुलिस। थानाधिकारी कानाराम सीरवी ने बताया- दोनों शव को सिरोही सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजन को सौंप दिए हैं। दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है। परिजन की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पिपलेश्वर महादेव मंदिर में चोरी

सिरोही, 15 अक्टूबर। चोर मंदिर से करीब 20 तोला वजन के चांदी के गहने और अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए। स्वरूपगंज थाना क्षेत्र के पिपलेश्वर महादेव मंदिर में चोरों ने रविवार रात मंदिर के ताले तोड़े। चोर मंदिर से करीब 20 तोला वजन के चांदी के गहने और अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए। मंदिर के पुजारी मफतलाल महाराज ने स्वरूपगंज पुलिस को सूचना दी कि रविवार रात को वह मंदिर में पूजा पाठ और अन्य कार्य करके घर में सोने के लिए चले गए थे। सुबह उठकर देखा तो मंदिर के ताले टूटे हुए थे और वहां रखा हुआ सभी समान बिखरा पड़ा था। मंदिर में रखे सामानों की जब जांच की तो चांदी के तीन मुकुट, एक शिवलिंग का मुखारविंद चोर चोरी कर ले गए। घटना की सूचना मिलते ही स्वरूपगंज थाने के हेड कॉन्स्टेबल सोनाराम टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना किया। पुलिस ने मामला दर्ज करने के साथ ही इस मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस मामले में पुराने चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले लोगों की कॉल डिटेल के साथ ही अन्य सूचनाएं एकत्र कर रही है।

2 दिन से लावारिस खड़ी थी गाड़ी, क्रेन से थाने में ले गई पुलिस

बीकानेर, 15 अक्टूबर। दिल्ली से स्कॉर्पियो चुराने वाले चोरों ने गाड़ी को बीकानेर के नापासर इलाके में एक होटल के बाहर लावारिस छोड़ दिया। चोरों ने स्कॉर्पियो के पीछे वाले शीशे पर माफीनामा भी लिखा है। चोरों ने स्कॉर्पियो के पीछे वाले शीशे पर अंदर से कागज चिपकाया है। जिस पर लिखा- दिल्ली के पालम से चोरी हुई है, सॉरी। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से गाड़ी को थाने में खड़ा करवाया है। पुलिस आसपास के इलाके में लगे कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ आरोपियों की तलाश कर रही है। आसपास के लोगों ने पूछताछ में बताया कि गाड़ी पिछले 2 दिनों से यहां खड़ी थी। नापासर थानाधिकारी जसवीर कुमार ने बताया- सुबह करीब 9 बजे एक राहगीर का फोन आया था। उसने बताया- जयपुर रोड पर स्थित ग्रीन गार्डन होटल के पास एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो लावारिस हालत में खड़ी है।

इस पर कागज चिपकाया हुआ है, जिसमें गाड़ी चोरी की होने की बात लिखी है। थानाधिकारी ने बताया- राहगीर की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जांच करने पर स्कॉर्पियो लॉक थी। आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर सामने आया कि खाड़ी पिछले 2 दिनों से यहां खड़ी थी। उन्होंने बताया- गाड़ी के पीछे वाले शीशे पर अंदर से 2 कागज चिपकाए हुए थे। पहले पर लिखा था- गाड़ी दिल्ली पालम से चोरी की हुई है। इसके बाद गाड़ी के नंबर लिखे थे और अंत में सॉरी लिखा था। वहीं दूसरे कागज पर आई लव माय इंडिया लिखा था। कागजों पर लिखे गाड़ी नंबर से मालूम करवाया तो यह न्यू दिल्ली की पालम कॉलोनी के विनय कुमार के नाम से रजिस्टर्ड निकली। पुलिस के अनुसार, विनय कुमार से बात की गई तो पता चला कि यह गाड़ी 9-10 तारीख को उनके पालम कॉलोनी स्थित घर के आगे से चोरी हुई थी। इसकी रिपोर्ट पालम थाने दर्ज करवाई हुई है। पालम थाने के हेड कॉन्स्टेबल संदीप कुमार से संपर्क करके स्कॉर्पियो के बारे में जानकारी साझा की गई। गाड़ी को क्रेन की मदद से थाने में लाया गया है। न्यू दिल्ली की पालम पुलिस और विनय कुमार के आने पर कागजी कार्रवाई कर गाड़ी सौंप दी जाएगी। पुलिस ने शक जताया है कि किसी वारदात में गाड़ी का उपयोग किया गया है। वारदात पूरी होने के बाद गाड़ी को नापासर में छोड़कर बदमाश यहां से फरार हो गए हैं। पुलिस आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

सट्टा लगाते 2 युवक गिरफ्तार

4.84 लाख रुपए का मिला हिसाब, पुलिस ने 2 अलग-अलग जगह की कार्रवाई

हनुमानगढ़, 15 अक्टूबर। पुलिस ने सट्टे के खिलाफ दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। हनुमानगढ़ की जंक्शन थाना पुलिस ने जुआ-सट्टा और ऑनलाइन गैम्बलिंग के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत गांधीनगर इलाके में दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 3720 रुपए नकद और 4.84 लाख रुपए का हिसाब बरामद हुआ।

इस मामले में दोनों युवकों के खिलाफ बीएनएस की धारा, आईटी एक्ट और आरपीजीओ के तहत अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। जंक्शन पुलिस थाना प्रभारी सतपाल बिश्नोई ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अरशद अली की ओर से जिले में अवैध मादक पदार्थ, जुआ-सट्टा, क्रिकेट बुकी और अवैध धंधों की रोकथाम के लिए जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सभी अधिकारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में इस अभियान की सख्ती से पालना करवाए जाने के लिए निर्देशित किया गया है।

साथ ही आमजन से गुप्त रूप से सूचना देने के लिए अपील की गई है। इसी क्रम में रविवार रात को एसआई संतोष के नेतृत्व में गठित स्पेशल टीम को मुखबिर के जरिए सूचना मिली। सूचना पर अलग-अलग टीम को जंक्शन थाना क्षेत्र में रवाना किया गया। पहली टीम ने जंक्शन कस्बे के गांधीनगर इलाके में करणी सिंह (30) पुत्र विनोद कुमार मेहरा निवासी वार्ड 16, गांधीनगर को 3420 रुपए की सट्टा रकम सहित गिरफ्तार किया। इसके अलावा लैपटॉप में सट्टे का 8510 रुपए का हिसाब-किताब मिला। इस मामले में जांच एसआई चुंका को सौंपी है। थाना प्रभारी ने बताया कि दूसरी टीम ने मुखबिर की सूचना पर गांधीनगर इलाके में कार्रवाई करते हुए तुलसीदास (31) पुत्र उधवदास सिंधी निवासी वार्ड 16, गांधीनगर को 300 रुपए नकद सट्टा रकम सहित गिरफ्तार किया। इसके अलावा लैपटॉप में सट्टा का 4 लाख 76 हजार 86 रुपए का हिसाब-किताब मिला। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में एसआई संतोष, एएसआई देवेन्द्र कुमार, हेड कॉन्स्टेबल शंकरदयाल, महेन्द्र सिंह, कॉन्स्टेबल संदीप कुमार, राजवंत सिंह, परमेश्वर और रामकरण शामिल रहे। इस कार्रवाई में हेड कॉन्स्टेबल श्रवण कुमार की विशेष भूमिका रही।

जैसलमेर में मिला सांचौर के युवक का शव

पिता की जगह 4 दिन पहले ही आया था काम पर, हत्या का जताया शक

जैसलमेर जैसलमेर के झिनझिनयाली थाना इलाके के खेत में बने टैंक में सांचौर के एक युवक का शव मिला।

खेत मालिक ने परिजनों को जानकारी देकर जैसलमेर बुलाया। परिजनों की मौजूदगी में पुलिस ने युवक पीराराम जाट (20) पुत्र कालूराम के शव को पानी के टैंक से बाहर निकाला। शव को जवाहिर हॉस्पिटल लाकर पोस्टमॉर्टम करवाया गया। परिजनों ने युवक की हत्या का अंदेशा जताते हुए जांच करने की मांग की है। झिनझिनयाली थाना प्रभारी सुरजाराम ने बताया कि परिजनों को समझाने के बाद वे शव को लेकर घर गए। घटनास्थल की एफएसएल जांच कराई है ताकि युवक की मौत के कारणों का खुलासा हो सके। मृतक युवक के चाचा भूराराम ने बताया कि युवक पीराराम बाड़मेर में बीए फाइनल की पढ़ाई कर रहा था। इसके साथ ही वह आर्मी की तैयारी भी कर रहा था।

पीराराम के पिता कालूराम झिनझिनयाली थाना इलाके में मदन सिंह नामक व्यक्ति के खेत में मजदूरी का काम करते हैं। चार दिन पहले मृतक के पिता के मामा की मौत होने पर पिता ने पीराराम को अपनी जगह पर खेत की देखभाल के लिए बुला लिया।

भूराराम ने बताया कि 12 अक्टूबर की शाम को खेत मालिक मदन सिंह का फोन आया कि पीराराम खेत पर कहीं मिल नहीं रहा है। आप लोग आ जाओ। हम सभी देर रात करीब 11 बजे तक झिनझिनयाली पहुंचे। वहां पुलिस भी मौजूद थी। हमें बताया गया कि शव पानी के टैंक में मिला है। हमारी मौजूदगी में पीराराम को पानी के टैंक से बाहर निकाला।

उन्होंने बताया कि पीराराम के चेहरे पर चोट के निशान होने पर हमने हत्या का अंदेशा जताया। 13 अक्टूबर को जवाहिर हॉस्पिटल में शव का पोस्टमॉर्टम करवाया गया। पुलिस द्वारा एफएसएल जांच करवाने और मामले की जांच करने के आश्वासन पर हम 13 अक्टूबर की रात करीब 12 बजे शव लेकर घर रवाना हुए। मृतक पीराराम पुत्र कालूराम जाट सांचोर के सोबडावास रहने वाला था।

पाली में सड़क हादसे में 4 घायल

दो व्यक्तियों के सिर में आई चोट, दो जनों के पांव में फ्रेक्चर

पाली, 15 अक्टूबर। कार की टक्कर से घायल बाइक सवार युवकों का पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में उपचार करते नर्सिंगकर्मी। पाली में सोमवार को 3 अलग-अलग हादसों में चार जने घायल हो गए। हादसे में दो जनों के सिर में गंभीर चोट आई वहीं दो जनों के पांव में फ्रेक्चर हो गए। घायलों को उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल भर्ती किया गया। जहां उनका उपचार जारी है। पहला हादसा पाली जिले के फुलाद गांव के पास हुआ। बाइक पर आ रहे पाली जिले के धापुणिया बेरा सारण (सिरियारी) निवासी 35 साल के विजय सिंह पुत्र शेभूसिंह रावत और 40 साल के बाबूसिंह पुत्र रैणसिंह को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। दोनों घायलों के सिर और पांव में चोटें आई। इसी तरह बाइक से रोहट निवासी भुंडाराम(25) पुत्र गोविंद सरगरा रोहट से जालोर की तरफ सोमवार की सुबह जा रहा था। इस दौरान स्कॉर्पियो चालक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक का एक हाथ फ्रेक्चर हो गया और सिर में भी चोट आई। पाली शहर के नया बस स्टैंड से कुछ आगे मनू सर्विस सेंटर के पास हाईवे पर तेज रफ्तार कार ने साइकिल सवार को पीछे से टक्कर मार दी।

शिव के तांडव के पीछे की कहानी

जानें कौन है नटराज के पैरों के नीचे

भगवान शिव नृत्यु क्यों करते हैं और नृत्य से कौन सी ऊर्जा का संचार करते हैं। साथ ही नटरजा के पैरों के नीचे कौन है, जिस पर वह नृत्य कर रहे हैं। आइए जानते हैं नटराज के पैरों के नीचे बौना राक्षस कौन है। उत्सव, खुशी, मिलन, कृतज्ञता, उत्साह और असीम शांति से भरी एक दिव्य अनुभूति है नृत्य। नृत्य में हमारी ऊर्जा ब्रह्मांडीय ऊर्जा के साथ एक होने लगती है। नृत्य करती शिव की नटराज प्रतिमा दर्शाती है कि संसार गति से भरा है, और यहां का कण-कण नृत्य कर रहा है। शिव का नृत्य ही ब्रह्मांड है। इस नृत्य में गति है, और इस गति में नृत्य है। नृत्य की यही गति ब्रह्मांड है। इसी गति को पाना प्रभु को पाना है। जिसने भी प्रभु को पाया है, वे सब नाचे हैं, चाहे चैतन्य महाप्रभु हों या मीरा।

नृत्य परमात्मा की परम पूजा में लीन होना होता है। नृत्य कोई विचार नहीं है, बल्कि यह समस्त विचारों, मानसिक विकारों को वतर्मान से बाहर करने का मार्ग है। नृत्य में जब व्यक्ति अपनी सुध-बुध खोकर परमात्मा से एक हो जाना चाहता है, तब नृत्य उसके लिए पूजा बन जाता है। जब कोई नृत्य में होता है तो उसके लिए समय हो या विचार, सब ठहर जाते हैं। उसके अंदर जितने तरह के भय या दुख रहते हैं, विलीन हो जाते हैं। यहां तक कि भूत-भविष्य का भी लोप हो जाता है। रह जाता है सिर्फ वर्तमान और उसके साथ उस क्षण का वह आनंद जो परमात्मा से साक्षात मिलन का साक्षी होता है।

वैदिक काल से ही नृत्य भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। ऋग्वेद के कई श्लोकों में इंद्र को ब्रह्मांड को नचाने वाला कहा गया है। यजुर्वेद से पता चलता है कि वैदिक युग में नृत्य करने वाले खूब थे। अथर्ववेद में कहा है, 'स्यां गायंति नृत्यंति भूम्यां मर्त्यायैलिवाः, युद्धंते यस्यमा-न्दो यस्यां वदति दुन्दुभिः।' यानी जहां आनंद के बाजे बज रहे हैं, लोग प्रसन्नता से नाचते-गाते हैं और वीर लोग उत्साह से राष्ट्र की रक्षा में तत्पर हैं।

स्कंद पुराण में शिव के नटराज मुद्रा में होने की कथा है। नटराज की मूर्ति देखें तो उनके पैरों तले कोई है। यह अपस्मरा नाम का राक्षस है। इस राक्षस को अभिमान और अज्ञानता का प्रतीक माना गया है।

मगर शिव क्या कर रहे हैं? वह इस राक्षस को क्रोधित होकर मार भी सकते थे। मगर मुस्कुराते हुए अपस्मरा पर चढ़कर नृत्य कर रहे हैं। वो नृत्य के आनंद में हैं, जिसके पैरों तले अभिमान और अज्ञानता नाम का राक्षस कुचला जा रहा है।

हमारे भारतीय जीवन में कोई भी उत्सव नृत्य के बगैर पूरा नहीं माना जाता। उत्सव जीवन में उजाला लेकर आते हैं, जिसमें नृत्य के जरिए अज्ञान और अभिमान को खत्म करना हमारी सांस्कृतिक विरासत है। इसीलिए भारत के हर प्रांत में अलग-अलग नृत्य प्रचलित रहे हैं। भरतनाट्यम, कथकली, कथक, ओडिसी, मणिपुरी, मोहिनीअट्टम, कुचिपुड़ी, सत्रीया नृत्य आदि भारत की विरासत हैं, जो परमात्मा के अलग-अलग रूपों की आराधना के लिए वर्णित हैं। भारत के अनेक पौराणिक मंदिर इन नृत्यों का इतिहास दर्शाते हैं। नृत्यों के माध्यम से कथाओं और कहानियों को भी दर्शाया जाता है। नृत्य करने और देखने वाले दोनों के लिए वह पल दिव्यता से भर जाता है।

भारत में शास्त्रीय नृत्य हों, या फिर पारंपरिक लोक नृत्य, भांगड़ा, गरबा से लेकर, शादी के नृत्य और western ballroom dance आदि हों, यह बस वास्तव में दिव्यता से एक हो जाने का अहसास कराते हैं। नृत्य करिए, अकेले में करिए और हो सके तो सबके साथ मिलकर करिए, ताकि जीवन के उत्सव का जश्न सामूहिक रूप से मनाया जा सके। आप अपने जीवन में dance करने का मौका कभी न छोड़िएगा। हां, जब शरीर से dance न कर रहे हों, तब परमात्मा का शुक्राना करते हुए मन ही मन dance कर चेहरे पर मुस्कुराहट को बनाए रखिएगा।

प्रभु श्रीराम भगवान शंकर के ज्ञान और धर्म से युक्त वचन रचना सुनकर संतुष्ट हो गए

भगवान शंकर ने यहां अपने मन की स्थिति व भगवान की आज्ञा का कितना सुंदर समन्वय बनाया। वे भगवान राम से रुष्ट भी तो हो सकते थे। वे कह सकते थे, कि हे प्रभु! आप भी कितनी कच्ची बात करते हैं। क्या आपको भी पत्नी के वियोग की पीड़ा समझानी पड़ेगी? भगवान श्रीराम जी ने, भगवान शंकर से विनती की, कि अब आप श्रीपार्वती जी से विवाह करने को तत्पर हों। जैसे ही श्रीराम जी के यह वचन भोलेनाथ ने सुने, तो वे बोले-

'कह सिव जदपि उचित अस नाहीं।
नाथ बचन पुनि मेटि न जाहीं।।
सिर धरि आयसु करिअ तुम्हारा।
परम धरमु यह नाथ हमारा।।'

भगवान शिव बोले, कि यद्यपि विवाह करना हमारे लिए किंचित भी उचित नहीं है। किंतु स्वामी की बात भी मेटी नहीं जा सकती। हे नाथ! मेरा यही परम धर्म है, कि मैं आपकी आज्ञा को सिर पर रखकर उसका पालन करुं। भगवान शंकर ने यहाँ अपने मन की स्थिति व भगवान की आज्ञा का कितना सुंदर समन्वय बनाया। वे भगवान राम से रुष्ट भी तो हो सकते थे। वे कह सकते थे, कि हे प्रभु! आप भी कितनी कच्ची बात करते हैं।

क्या आपको भी पत्नी के वियोग की पीड़ा समझानी पड़ेगी? आपको तो पता ही है, कि श्रीसीता जी को जब रावण हरण करके ले गया था, तो आप कितनी असहनीय पीड़ा में चले गये थे। पत्तों-पत्तों, टहनियों व भंवरों से भी आप पूछ रहे थे, कि मेरी सीते कहाँ है। वह भी तब जब श्रीसीता जी तो केवल खोई थी। उन्होंने सती जी की भांति देह नहीं त्यागी थी।

इस परिस्थिति में कोई आपको कहता, कि हे राम जी! विलाप छोड़िए। अगर आपकी एक पत्नी का आपसे बिछोह हो गया है, तो आप दूसरी शादी कर इस पीड़ा से निकल भी तो सकते हैं। आपके पिता श्रीदशरथ जी ने कौन सी तीन शादियां नहीं की थी। अब आप बताइये, कि क्या इस विचार को आप मान लेते, कि आप श्रीसती जी को छोड़, एक अन्य विवाह कर लेते? ठीक इसी प्रकार से हमारा भी अब मन नहीं कि हम विवाह करें। किंतु क्योंकि हमें ऐसी आज्ञा देने वाले कोई और नहीं, बल्कि स्वयं श्रीनारायण हैं। तो ऐसे में तो मैं केवल एक ही बात कह सकता हूं।

शरद पूर्णिमा

श्रीकृष्ण गोपियों संग करते हैं महारास और महालक्ष्मी करती हैं पृथ्वी का भ्रमण

बुधवार, 16 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा है। दीपावली (कार्तिक अमावस्या) से पहले आश्विन पूर्णिमा पर देवी लक्ष्मी पृथ्वी का भ्रमण करती हैं और जो भक्त रात में जागकर लक्ष्मी पूजा करते हैं, उन्हें देवी की विशेष कृपा मिलती है। ऐसी मान्यता है। एक अन्य मान्यता ये है कि इस तिथि की रात श्रीकृष्ण गोपियों संग महारास रचाते हैं। इस पर्व पर मथुरा-वृंदावन, गोकुल, गोवर्धन पर्वत, निधिवन में काफी अधिक भक्त पहुंचते हैं। शरद पूर्णिमा की रात खुले आसमान में चंद्र की रोशनी में खीर बनाने की परंपरा है। पौराणिक मान्यता है कि इस रात चंद्र की किरणें हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक रहती हैं। इसी वजह से शरद पूर्णिमा की रात खीर बनाई जाती है, रात में चांद की चांदनी में बैठते हैं, ध्यान करते हैं, मंत्र जप करते हैं। शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा भी कहते हैं, क्योंकि देवी लक्ष्मी इस पर्व की रात में धरती का भ्रमण करती हैं और पूछती हैं कोजागृति यानी कौन जाग रहा है। इस रात में लोग जागते हैं और पूजा-पाठ करते हैं, उनसे देवी लक्ष्मी उनसे प्रसन्न होती हैं। शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा अपनी सभी सोलह कलाओं के साथ दिखाई देता है।

चंद्रदेव को लगाते हैं खीर का भोग

पौराणिक कथाओं में चंद्र को शांति और पवित्रता का प्रतीक माना है। चंद्र सबसे तेज चलने वाला ग्रह है, ये करीब ढाई दिन में ही राशि बदल लेता है, इसी वजह से ज्योतिष में चंद्र को मन का कारक कहते हैं। ये ग्रह कर्क राशि का स्वामी है। पूर्णिमा की रात चंद्र अपने पूरे प्रभाव में होता है। जिन लोगों की कुंडली में चंद्र से संबंधित दोष हैं, उन्हें पूर्णिमा की रात चंद्र देव की पूजा करनी चाहिए और खीर का भोग लगाना चाहिए। माना जाता है कि चंद्र देव को खीर अर्पित करने से चंद्र के दोषों का असर कम होता है।

शरद पूर्णिमा पर करें ये शुभ काम

देवी लक्ष्मी के साथ विष्णु जी अभिषेक करें। श्रीसूक्त, लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ करें। पूजा में खीर का भोग लगाएं। हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं। सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ करें। आप चाहें तो राम नाम मंत्र का जप भी कर सकते हैं। भगवान गणेश, शिव जी, देवी पार्वती की भी पूजा करें। शिवलिंग पर चंदन का लेप करें। बिल्व पत्र, धतूरा, दूर्वा, आंकड़े के फूल चढ़ाएं। ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें। जरूरतमंद लोगों को अनाज, धन, कपड़े, जूते-चप्पल का दान करें।

छोटी कन्याओं को पढ़ाई की चीजें दान करें। किसी गौशाला में गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें।

किसी तालाब में मछलियों को आटे से बनी गोलियां खिलाएं। किसी मंदिर में पूजन सामग्री भेंट करें। देवी मां को लाल चुनरी चढ़ाएं।

पूजा-विधि और महत्व

इस महीने की पूर्णिमा को आश्विन पूर्णिमा के नाम से जाना जाएगा। उदया तिथि के चलते 17 अक्टूबर के दिन पूर्णिमा व्रत रखा जाएगा। हालांकि कई पंडितों और पुजारियों का कहना है कि शारदीय पूर्णिमा का व्रत 16 अक्टूबर को रखा जाएगा। पूर्णिमा तिथि पर लक्ष्मी मां की पूजा-उपासना करने से घर की सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। पूर्णिमा के दिन चंद्रमा को अर्घ्य भी दिया जाता है। पवित्र नदी में स्नान करें या पानी में गंगाजल मिलकर स्नान करें

भगवान श्री हरि विष्णु और मां लक्ष्मी का जलाभिषेक करें

माता का पंचामृत सहित गंगाजल से अभिषेक करें

अब मां लक्ष्मी को लाल चंदन, लाल रंग के फूल और श्रृंगार का सामान अर्पित करें

मंदिर में घी का दीपक प्रज्वलित करें

संभव हो तो व्रत रखें और व्रत लेने का संकल्प करें

आश्विन पूर्णिमा की व्रत कथा का पाठ करें

श्री लक्ष्मी सूक्तम का पाठ करें

पूरी श्रद्धा के साथ भगवान श्री हरि विष्णु और लक्ष्मी जी की आरती करें

माता को खीर का भोग लगाएं

चंद्रोदय के समय चंद्रमा को अर्घ्य दें

अंत में क्षमा प्रार्थना करें

आश्विन पूर्णिमा का महत्व

आश्विन पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान स्नान और दान करने का खास महत्व है। आश्विन पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करने से साधक को शुभ फल की प्राप्ति होती है।

साथ ही आश्विन पूर्णिमा के दिन चंद्र देव और धन की देवी मां लक्ष्मी की विधिपूर्वक पूजा और व्रत करने का विधान है। इसलिए आश्विन पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान किया जाता है। हिंदू धर्म में हर साल आश्विन माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को शरद पूर्णिमा मनाई जाती है। इस दिन धन की देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा करने की परंपरा है। हिंदू धर्म में शरद पूर्णिमा की रात को बहुत खास माना जाता है।

कब है करवा चौथ ?

शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

पति की लंबी उम्र के लिए करवा चौथ का निर्जला व्रत रखा जाता है। इस दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करती है और परंपारिक परिधान पहनती है। जब शाम के चंद्रोदय हो जाता है इसके बाद चंद्र को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाता है। सुहागिन महिलाओं के लिए करवा चौथ का व्रत बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस व्रत को ज्यादातर शादी-शुदा महिलाएं रखती हैं। पति की लंबी आयु के लिए निर्जला व्रत रखा जाता है। इस दिन महिलाएं अपने सुहाग के लिए सोलह श्रृंगार करती हैं। शाम के समय जब चंद्रोदय हो जाता है तो चंद्रमा के अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाता है।

कब है करवा चौथ ?

इस साल करवा चौथ का व्रत 20 अक्टूबर 2024, दिन रविवार को रखा जाएगा। इस दिन सुहागिन महिलाएं कठिन व्रत का पालन करती हैं और विधिवत पूजा-अर्चना करती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस व्रत को रखने से पति की लंबी उम्र और सुरक्षा प्राप्त होती है। इसके साथ ही घर में सुख-समृद्धि आती है।

पूजा का शुभ मुहूर्त

-चतुर्थी तिथि प्रारंभ- 20 अक्टूबर 2024 को 6.46 बजे

- चतुर्थी तिथि समाप्त - 21 अक्टूबर 2024 को 4.16 बजे

- करवा चौथ व्रत समय - सुबह 6.25 से शाम 7.54

- अवधि - 13 घंटे 29 मिनट्स

करवा चौथ पूजा मुहूर्त

- करवा चौथ पूजा मुहूर्त शाम 05.46 बजे से शाम 7.02 बजे तक है।

- अवधि 1 घंटा 16 मिनट्स

-करवा चौथ के दिन चंद्रोदय का समय- शाम 7.54 बजे

करवा चौथ व्रत सामग्री

मिट्टी या तांबे का करवा और ढक्कन, पान, सींक, कलश, अक्षत, चंदन, फल, पीली मिट्टी, फूल, हल्दी, लकड़ी का आसान, देसी घी, कच्चा दूध, दही, शहद, शक्कर का बूरा, रोली और मौली, मिठाई, चलनी।

करवा चौथ पूजा विधि

- सबसे पहले ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें।

- मंदिर और घर की सफाई करें।

- सभी देवी-देवताओं की विधि-विधान पूजा करें।

- इसके बाद करवा चौथ व्रत रखने का संकल्प लें।

- संध्या के समय शुभ मुहूर्त में करवा चौथ की व्रत कथा का पाठ करें।

- फिर चंद्रमा की पूजा करें।

- चंद्रोदय होने के बाद अर्घ्य दें।

- पति को छलनी से देखकर आरती उतारें।

- आखिर में पति द्वारा पत्नी को पानी पिलाकर व्रत पारण किया जाता है।

सार समाचार

प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों का स्वागत

बहरोड़, 15 अक्टूबर (निसं)। राजऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय अलवर द्वारा इंदिरा गांधी स्टेडियम अलवर में आयोजित अंतर महाविद्यालय बैडमिंटन प्रतियोगिता युगल महिला का आयोजन हुआ।

खेल प्रभारी इंद्रजीत यादव ने बताया कि धर्मचन्द गांधी जैन राजकीय महाविद्यालय बहरोड़ की छात्रा पारुल भारद्वाज पुत्री रामानंद भारद्वाज बीएससी पार्ट द्वितीय वर्ष, हैप्पी यादव पुत्र चरण सिंह बीएससी द्वितीय वर्ष उप विजेता रही। साथ ही छात्र पारुल भारद्वाज पुत्री रामचंद्र भारद्वाज बीएससी पार्ट द्वितीय वर्ष एवं देवांशी पुत्री संजय कुमार एमएम पूर्वार्द्ध का अंतर विश्वविद्यालय टीम में चयन हुआ। छात्रों के महाविद्यालय पहुंचने पर फूलमाला पहनकर स्वागत किया गया। प्राचार्य डॉ. डीके सिंह ने छात्रों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा खेल को उच्चतर स्तर पर पहुंचने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर डॉ विनय सिंह यादव, डॉ. जितेंद्र सिंह, प्रियंका यादव, बीना, अनीता राज, डॉ. नेहा राठौड़, महेंद्र गुर्जर, अरविंद रोलानिया, अनिल कुमार, सपना यादव, डॉ. सरिता बंग, डॉ विनीता भदोरिया, डॉ. संजू गर्ग, कौशल चंद्र मिश्रा, योगेंद्र चौधरी, सुनील, सुनीता, हंसराज, मनोज सेन सहित महाविद्यालय का स्टाफ विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ग्राम संसाधन नीमराना ब्लॉक की बैठक

नीमराना, 15 अक्टूबर (निसं)। डॉ भीमराव अंबेडकर पार्क मे (ग्राम संसाधन व्यक्ति) नीमराना ब्लॉक द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से (ब्लॉक संगठन) एकता मंच का गठन करने का निर्णय लिया गया। जिसमें अध्यक्ष पद पर किरण, उपाध्यक्ष पद पर रितु बाई, सचिव पद पर सुनीता नानकवास आदि का चयन किया गया।

इस कार्यकारिणी को अंतिम रूप देने का श्रेय धर्मवीर यादव ब्लॉक संसाधन व्यक्ति, बाबूलाल चर्खिया, सुषमा ब्लॉक संसाधन, ईवा ब्लॉक संसाधन का रहा। इस संगठन को बनाने का मुख्य उद्देश्य राज्य व जिला स्तर पर होने वाले सामाजिक अंकेक्षण कार्य में मिलने वाली अनियमितताओं का समाधान करना है। जिसमें अध्यक्ष का होना अनिवार्य है क्योंकि बाकी सभी ब्लॉकों में यह प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। नीमराना के अंदर हमने यह सब चुनाव प्रक्रिया से पूर्ण किया। इस अवसर पर कृपा देवी, सुलेखा, जयश्री, भूतेरी, पुष्पा, सपना, सुनीता, सुनील, रानी आदि ग्राम संसाधन व्यक्ति उपस्थित रहीं।

भारतीय संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता में आकर्षक प्रस्तुतियां

अलवर, 15 अक्टूबर (निसं)। आर्काइव्स म्यूजिका, ईकाई आश्रम प्रगति एवं विकास संस्थान अलवर द्वारा भारत के महान संगीतज्ञ पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर एवं पं रघुनाथ तलेगांवकर की स्मृति में तीन दिवसीय, दसवीं अखिल भारतीय संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन महावर ऑडिटोरियम जेल सर्किल के पास किया जा रहा है।

इसी प्रतियोगिता के तहत दूसरे दिन बांसुरी वादन में इलाहाबाद के प्रियांशु ने राग वृंदावनी सारंग में आलाप जोड़ झाला, बंदिश जबलपुर के आराध्य सराफ ने पहाड़ी धुन में रंगरेजिया बजाया, बनारस के तुषार ने राग पुरिया में मसीतखानी गत प्रस्तुत की गईं। तबला वादन में पेशकार, पलटा, रेला, कायदा टुकड़ा बजाकर तालीया बटोरी। इसके बाद हार्मोनियम, गिटार वादन की प्रस्तुतियां हुई, राग बिहाग, चारूकेशी दरबारी में बंदिश पेश की गई।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में आशुतोष शर्मा मत्स्य यूनिवर्सिटी सब रजिस्टार, अभिषेक तनेजा, श्वेता झिरीवाल, अमित छाबड़ा, सौरभ कालरा, नमिता शर्मा, शामिल रहे। प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में कोलकाता के पंडित राजेंद्र प्रसाद बनर्जी वनस्थली के तबला प्रोफेसर चेतन निषाद, जयपुर के तबला वादक अंकित पारीक थे। प्रतियोगिता के तीसरे दिन 15 अक्टूबर को प्रात: 9 बजे से शास्त्रीय गायन, भजन, गजल की प्रतियोगिताएं जारी है।

काले धुएं से जीवन संकट में

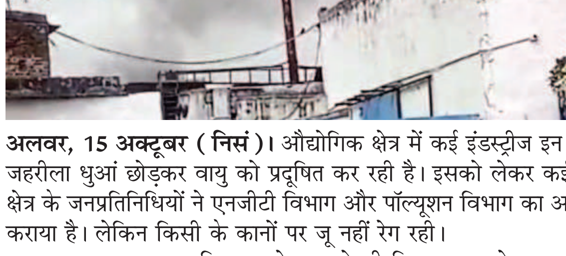

अलवर, 15 अक्टूबर (निसं)। औद्योगिक क्षेत्र में कई इंडस्ट्रीज इन दिनों जहरीला धुआं छोड़कर वायु को प्रदूषित कर रही है। इसको लेकर कई बार क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने एनजीटी विभाग और पॉल्यूशन विभाग का अवगत कराया है। लेकिन किसी के कानों पर जू नहीं रेग रही।

इस बाबत अलवर जिला कलेक्टर को भी शिकायत करते हुए अवगत कराया है कि उद्योग नगर क्षेत्र में बहुत सी ऐसी कंपनियों और इंडस्ट्रीज है जो मानकों के विपरीत चिमनी से धुआं निकालकर प्रदूषण को बढ़ा रही है। एनजीटी व पॉल्यूशन विभाग के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ा रही है। जहां रोजाना जहरीला काला धुआं उगल रही है, आसपास क्षेत्र मे इन दिनों सांस लेना बीमारी का सबब बनता जा रहा है।

भाजपा के सक्रिय सदस्यता अभियान पर चर्चा

बहरोड़, 15 अक्टूबर (निसं)। भाजपा मंडल बहरोड़ द्वारा सक्रिय सदस्यता अभियान को लेकर सोमवार को बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी रहे। इन्होंने सक्रिय सदस्यता अभियान के विषय को विस्तार से समझाया। जिसमें जिलाध्यक्ष उमेद भाया, जिला महामंत्री महासिंह चौधरी, हर्ष यादव, जिला उपाध्यक्ष कपिल वैध, कमल यादव, सुरेंद्र शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष बलवान यादव, सुभाष अग्रवाल, जिला कोषाध्यक्ष रोहिताश्व यादव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा वरिष्ठ कार्यकर्ता सुरेश यादव, सुभाष गुप्ता, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय मीर, राधेश्याम बोहरा तथा सभी विधानसभाओं मंडल अध्यक्ष व महामंत्री उपस्थित रहे तथा सक्रिय सदस्यता अभियान संयोजक महासिंह चौधरी, सहसंयोजक सुरेंद्र शर्मा को बनाया गया।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम कार्य योजना क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक संपन्न

अलवर, 15 अक्टूबर (नसं)। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के निदेशक डॉ. प्रशांत गार्गव ने अलवर के मिनी सचिवालय स्थित कलक्ट्रेट सभागार में अलवर शहर की एनसीएपी कार्य के कार्यान्वयन एवं जीआरएपी (ग्रैप) की समीक्षा बैठक ली।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के निदेशक डॉ. गार्गव ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में शामिल अलवर शहर में वायु गुणवत्ता सुधार हेतु किए गए कार्यों की समीक्षा की।

उन्होंने निर्देश दिये कि वायु प्रदूषण की रोकथाम से जुड़े विभाग टीम भावना के साथ बेहतर तालमेल रखते हुए अलवर शहर की वायु की गुणवत्ता को सुधारने हेतु एक विस्तृत सेच्युरेटेड कार्य योजना तैयार करे जिसमें वायु प्रदूषण के कारणों हेतु सर्वे, निदानात्मक कार्य आदि शामिल करें।

कार्य योजना के तहत प्राथमिक स्तर के कार्य जिसमें निविदा आदि कार्य समयबद्ध रूप से कर लिए जावे। उन्होंने कहा कि तैयार की जाने वाली अच्छी कार्य योजना का बेहतर क्रियान्वयन किया जाना भी अतिमहत्वपूर्ण विषय है।

उन्होंने कहा कि नगर निगम नोडल एजेन्सी के रूप में कचरा प्रबंधन, वायु गुणवत्ता एवं स्वच्छता, हॉट स्पॉट पॉइंट को दृष्टिगत रखते हुए शहर का माइक्रो प्लान तैयार कर कार्य योजना बनाए। अन्य संबंधित विभाग भी अपना माइक्रो प्लान तैयार करे। यूआईटी शहर में पौधारोपण की कार्य योजना बनाए जिसमें तकनीकी सहयोग वन विभाग का लेवे।

उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि एनसीएपी की शेष राशि का उपयोग कार्य योजना के अनुरूप करे। उन्होंने सडक निर्माण एजेंसियों यूआईटी, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी एवं रिडकोर को सडक की एंड टू एंड पेवलिंग कार्य का सेच्युरेशन प्लान तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि शहर की वायु व शहर को स्वच्छ रखने हेतु आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करे। उन्होंने ग्रैप के नियमों की संबंधित एजेंसियों के माध्यम से पालना कराने के निर्देश दिये।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव (से.नि.) कल्पना शर्मा ने एनसीएपी कार्यक्रम में शामिल ऐसे शहर जिन्होंने अपनी वायु गुणवत्ता में अभूतपूर्व सुधार किया है कि तर्ज पर अलवर शहर को बेहतर वायु गुणवत्ता वाला शहर बनाने के लिए विभागीय समन्वय, कचरा प्रबंधन, स्वच्छता, वायु गुणवत्ता सुधार हेतु आधुनिक तकनीक का उपयोग, स्वच्छ शहरों की विजिट, नागरिक व एनजीओ की सहभागिता के संबंध में विस्तृत प्रजेन्टेशन प्रस्तुत किया।

ग्रैप के दिशा-निर्देशों की पालना के संबंध में प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी दीपेन्द्र झरवाल ने ग्रैप की श्रेणीवार लगाए जाने वाले प्रतिबंधों एवं विभागीय दायित्वों के बारे में पीपीटी के माध्यम से विस्तार से जानकारी प्रदान की।

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों की पालना अक्षरश: टीम भावना के साथ कराई जावे। शहर की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार हेतु एनसीएपी व ग्रैप के दिशा-निर्देशों की पालना समयबद्ध रूप से कराई जावे।

उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देशित किया कि एनसीएपी के नोडल अधिकारी के रूप में सभी विभागों से समन्वय स्थापित कर इसका बेहतरीन कार्यान्वयन करावे। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा स्वच्छता एवं वायु प्रदूषण सुधार हेतु किए जा रहे कार्यों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने 'अतुल्य अलवर अभियान' के तहत शहर की साफ-सफाई से जुडी नागरिकों की शिकायतों के निराकरण हेतु cleanalwar.in पोर्टल तैयार कराया गया है जिस पर लोगों की शिकायतों का 24 घण्टे में निराकरण करने का प्रयास किया जा रहा है। कचरा उठाव व निस्तारण की दिशा में किए गए कार्यों के बारे अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों को धरातल पर प्रभावी रूप में लागू करने हेतु अक्षरश: पालना कराई जावेगी।

अलवर-मथुरा रेलखंड से विभिन्न ट्रेनों के संचालन की मांग

अलवर, 15 अक्टूबर (नसं)। सामाजिक कार्यकर्ता अखिलेश शुक्ला ने मंडल रेल प्रबंधक जयपुर को ऑनलाइन परिवाद भेजकर अलवर-मथुरा रेलखंड होकर विभिन्न ट्रेनों के संचालन की मांग की है।

इसमें उन्होंने उल्लेख किया है कि वर्तमान में रेलवे द्वारा गाडी संख्या 05635/36 गुवाहाटी-श्रीगंगानगर-गुवाहाटी ट्रेन अयोध्या के रास्ते चलाई जा रही है। यह गाड़ी बांदीकुई-भरतपुर-मथुरा-कानपुर सेंट्रल होकर चलाई जा रही है जबकि वेबसाइट पर चार्ट का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि भरतपुर व कानपुर सेंट्रल के बीच अनेक रेल होने के कारण भरतपुर से व मथुरा-कासगंज रूट से कानपुर तक के विभिन्न स्टेशनों पर यात्रीभार संतोषजनक भी नहीं है अर्थात बहुत कम है। वहीं अलवर-मथुरा रूट पर अयोध्या की कोई रेलसेवा नहीं है जिससे रामभक्तों को ट्रेन बदलकर यात्रा करनी पड़ती है जो असुविधाजनक होता है हालांकि अलवर होकर 15715-16 गरीबनवाज एक्सप्रेस त्रिसाप्ताहिक एक्सप्रेस संचालित है मगर दिल्ली के रास्ते जाती है जो लम्बा रूट है। अत: गाडी संख्या 05635/36 गुवाहाटी-श्रीगंगानगर-गुवाहाटी ट्रेन का मार्ग बदलकर बांदीकुई-अलवर-गोविन्दगढ़-डीग-गोवर्धन-मथुरा-आगरा कैंट -कानपुर सेंट्रल होकर चलाया जाएगा तो न केवल रामभक्तों को सुविधा मिलेगी बल्कि खाटूश्यामजी और गोगामेड़ी ठहराव पर गोवर्धन जी सहित तीन तीर्थस्थल पहली बार सीधी रेलसेवा से जुड़ेंगे।

साथ ही अलवर होकर आगरा कैंट, कानपुर सेंट्रल के लिए चलने वाली एक मात्र ट्रेन बीकानेर-प्रयागराज ट्रेन की खचाखच भीड़ से राहत के तौर पर वैकल्पिक ट्रेन भी मिलेगी। साथ ही उन्होंने अजमेर मंडल को परिवाद भेजकर गाड़ी सं. 20823 पुरी-अजमेर ट्रेन को जयपुर-अलवर-गोवर्धन-मथुरा होकर आगरा कैंट बढ़ाने की मांग भी की है। क्योंकि यह हर ट्रिप पश्चात् अजमेर में 72 घंटे खड़ी रहती है।

इस विस्तार के लिए अतिरिक्त रैक की आवश्यकता नहीं होगी और न रिवर्सल करना पड़ेगा सिर्फ द्वितीय अनुरक्षण (सेकेंडरी मेंटेनेंस) मथुरा अथवा आगरा कैंट शिफ्ट करने की आवश्यकता होगी। इस विस्तार से अलवर-गोवर्धन-मथुरा रूट को एक लंबी दूरी की रेलसेवा मिलेगी। साथ ही जगन्नाथ पुरी जाने वाले भक्तों को भी सुविधा होगी जिससे रेलवे को बेहतर राजस्व की प्राप्ति होगी वहीं जोधपुर मंडल को परिवाद भेजकर जोधपुर-आगरा वन्देभारत के प्रस्तावित संचालन को जयपुर-अलवर-मथुरा होकर करने की मांग भी की है।

रामगढ़ में श्री राम कथा का शुभारंभ

रामगढ़, 15 अक्टूबर (नसं)। कस्बे के गोविंदगढ़ मोड़ स्थित अग्रवाल धर्मशाला में भव्य श्री राम कथा का शुभारंभ सोमवार को किया गया। राम कथा के उपलक्ष्य में सुबह 11 बजे भव्य कलश और शोभा यात्रा निकाली गई।

कलश और शोभा यात्रा अग्रवाल धर्मशाला से शुरू हुई जो की गोविंदगढ़ मोड होते हुए बालोतनगर, गुलाब वाटिका से मुख्य बाजार होती हुई, तहसील रंगमंच, बस स्टैंड से वापस अग्रवाल धर्मशाला पहुंची। 1100 कलशों के साथ सैकड़ो की संख्या में महिलाएं कलश यात्रा में शामिल हुई। कलश यात्रा का कस्बे के व्यापारियों व सामाजिक संगठन के कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। इस रामकथा के दौरान श्रद्धालुओं को भगवान राम के चरित्र के बारे में बताया जाएगा और धर्म के क्षेत्र में कैसे आगे बढ़ा जाए, इस पर भी चर्चा होगी।

कांग्रेसजनों ने डीएपी खाद की किल्लत पर ज्ञापन सौंपा

बहरोड़, 15 अक्टूबर (निसं)। डीएपी खाद की किल्लत और कालाबाजारी को लेकर सोमवार को कांग्रेस प्रदेश सचिव संजय यादव के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहरोड़ द्वारा एसडीएम रामकिशोर मीणा को ज्ञापन दिया गया।

संजय यादव ने बताया कि रवि की फसलों की बिजाई होने के साथ ही विधानसभा क्षेत्र बहरोड़ में किसानों के लिए डीएपी खाद का संकट छा गया है।

डीएपी में लेने के लिए किसान परिवारों को सुबह 6 बजे से ही सहकारी समिति के बाहर लाईन लगाकर खड़ा होना पड़ रहा है बावजूद इसके काफी किसानों को खाद नहीं मिल पा रहा है।

बहरोड़ विधानसभा में लगभग 5000 डीएपी खाद कट्टो की मांग थी। लेकिन 800 कट्टे ही सहकारी समिति में पहुंचे। जिससे किसानों की भीड़ को देखकर पुलिस निगरानी में खाद वितरण किया जा रहा है। यहां तक कि इस दौरान पुलिस और किसानों की आपसी झड़प की घटना भी सामने आई है। इसके साथ साथ आमजन से शिकायत भी मिल रही है कि कुछ लोगों द्वारा डीएपी खाद की कालाबाजारी भी की जा रही है जिससे किसानों पर आर्थिक बोझ भी बन रहा है तथा कुछ लोग नकली डीएपी खाद भी बाजार में बेच रहे हैं, जो किसानों की फसल की गुणवत्ता के लिए नुकसानदायक है। गेंहू और सरसों की बिजाई के लिए किसानों को खेती की मेहनत के साथ ही डीएपी खाद लेने के लिए भी कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है जिससे फसल की बिजाई का कार्य प्रभावित हो रहा है।

सरकार को आंदोलन की चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार द्वारा अन्नदाताओं के हित में डीएपी खाद आपूर्ति सुचारू रूप से नहीं की गई और किसानों परिवारों को राहत नहीं मिली तो हम आंदोलन करेंगे।

इस मौके पर बहरोड़ ब्लॉक अध्यक्ष विकास यादव, दलीप अधाना, सुभाषचंद, पंकज शर्मा, राजसिंह यादव, लीलाराम सैनी, गुलाब प्रजापत, मनोज रावत, संजय सरपंच, नरेंद्र मिस्त्री, सुशांत एडवोकेट, योगेश यादव, नितिन यादव, जितेंद्र यादव, अमित योगी, अनिल वकील, विनीत वकील, कुलदीप जोनी सोनी, शीशपाल, योगेश यादव अवधेश, लोकेश, देवेंद्र राघव, घनश्याम सहित सभी कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धार्मिक आयोजनों से सामाजिक सद्भाव को बल

अलवर, 15 अक्टूबर (नसं)। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने गोविंदगढ़ मोड से निकाली गई कलश व शोभायात्रा को ध्वजा लहराकर रवाना किया।

मंत्री शर्मा ने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि धार्मिक आयोजन सामाजिक सद्भाव को मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से हमारी सांस्कृतिक परम्पराएं अगली पीढी को धरोहर स्वरूप प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि कथा जैसे पुनित आयोजनों के माध्यम से ही मनुष्य अपने को परमात्मा के करीब महसूस कर अपने को जीवमात्र की सेवा में अर्पित करने की प्रेरणा प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र मर्यादा व जनकल्याण का आदर्श प्रस्तुत करता है।

उन्होंने कहा कि गोविंदगढ़ मोड़ स्थित अग्रवाल धर्मशाला में 9 दिवस तक आयोजित होने वाली भव्य श्री राम कथा के माध्यम से आमजन भगवान श्रीराम के बाल स्वरूप से लेकर उनके जीवन संघर्ष, त्याग, मर्यादा व आदर्श के बारे में जानकारी प्राप्त कर भगवान श्रीराम द्वारा बताए गए जनकल्याण के मार्ग का अनुसरण करने की प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि कलश व शोभा यात्रा अग्रवाल धर्मशाला से शुरू हुई जो की गोविंदगढ़ मोड होते हुए बालोत नगर, गुलाब वाटिका से मुख्य बाजार होती हुई तहसील रंगमंच, बस स्टैंड से वापस अग्रवाल धर्मशाला पहुंची। यात्रा में 1100 कलशों के साथ सैकड़ों की संख्या में महिलाएं कलश यात्रा में शामिल हुई । वही कलश यात्रा का कस्बे के व्यापारियों व सामाजिक संगठन के कार्यकर्ताओं ने पुष्पावर्षा कर भव्य स्वागत किया। इस दौरान मनमोहक झांकिया निकाली गई।

इसके उपरान्त मंत्री शर्मा ने मूंगस्का स्थित नर्सरी में एक पेड मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को इस अभियान से जुडकर अपनी मां के नाम एक पौधा लगाकर धरती मां के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करनी चाहिए।

सर्किट हाउस में जनसुनवाई

अलवर, 15 अक्टूबर (नसं)। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेहाना रियाज चिश्ती द्वारा 15 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक जनसुनवाई की जाएगी जिसमें महिलाओं की समस्याओं को सुना जाएगा।

सूचना

मेरा पुत्र अनमोल गलत संगत में पड़ गया है। इससे मेरा व मेरे परिवार का किसी तरह का कोई लेना-देना नहीं है। इसके कृत्यों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। मेरी चल-अचल संपत्ति से भी इसका कोई लेना-देना नहीं है। मैं इसे अपनी समस्त संपत्ति से बेदखल करता हूं।

सुरेश चंद शर्मा, अलवर राजस्थान

सार समाचार

सर्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह 12 नवंबर को

अलवर, 15 अक्टूबर (निसं)। सतीश भाटिया चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 12 नवंबर 2024 देवउठनी ग्यारस को सर्वजातीय निशुल्क सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जा रहा है जिसमे निर्धन कन्याओं का निशुल्क विवाह हिंदू रीति रिवाज से करवाया जाएगा। इसमें वर वधु के माता पिता एवं परिजनों द्वारा रिश्ता तय किया जाता है उसके पश्चात ट्रस्ट द्वारा वर वधु के फार्म भरवाए जाते है एवं रजिस्ट्रेशन किया जाता है।

इस निशुल्क विवाह का आयोजन सार्वजनिक गौशाला स्टेशन रोड अलवर में 12 नवंबर 2024 को ट्रस्ट की तरफ से आयोजित किया जाएगा। इस विवाह में ट्रस्ट की तरफ से प्रत्येक परिवार को 50-50 व्यक्तियों का नाश्ता और भोजन करवाया जाएगा।

ट्रस्ट द्वारा कन्याओं को भेट स्वरूप डबल बेड, गद्दे, तकिए, बड़ी अलमारी, कंबल, चद्दर, बर्तन, पंखा, प्रेस, हाथ घड़ी, लड़की के कपड़े, लड़के का लहंगा, श्रृंगार दानी, पायजेब, बिछुआ, नाक का कांटा, प्रेशर कुकर, भगोनी एव अन्य कई भेंट और दी जाएगी। सामूहिक बारात प्रात: 10 बजे पुरुषार्थी धर्मशाला स्कीम नं.02 से चलकर भगत सिंह सर्किल होते हुए बिजलीघर सर्कल होते हुए सार्वजनिक गौशाला पहुंचेगी। सर्वप्रथम तोरण, वरमाला के पश्चात फेरे का कार्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा। सामूहिक विवाह के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया चालू है इस विवाह का रजिस्ट्रेशन ट्रस्ट के कार्यालय होटल नटराज एरोड्रम रोड, अलवर स्थित किया जा रहे हैं। अब तक 11 रजिस्ट्रेशन हो चुके है।

कार्यक्रम संयोजक अजय अग्रवाल, अश्विनी अग्रवाल, पवन अग्रवाल, चरणजीत सुनेजा, ओमप्रकाश कुकरेजा, राजेंद्र आहूजा, प्रेम गांधी, रविन्द्र गर्ग, डॉ. एस. सी. मित्तल बनाए गए हैं और इस कार्यक्रम की तैयारियां मुख्य ट्रस्टी सतीश भाटिया की देखरेख में हो रही है। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विभिन्न कमेटियों का गठन किया जा चुका है बाकी कार्यक्रम की तैयारिया की जा रही है। रजिस्ट्रेशन पूर्णतया निशुल्क है एवं वर वधु दोनों पक्षों से किसी भी प्रकार का खर्चा नहीं लिया जाएगा। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख 10 अक्टूबर 2024 रखी गई है। इस विवाह के लिए वर वधु का रिश्ता स्वयं परिवारजन ही करेंगे। अधिक जानकारी के लिए 9799134700 इस नंबर पर संपर्क कर सकते है।

नर्सिंग कर्मियों को लापरवाही पर नोटिस जारी

मालाखेड़ा, 15 अक्टूबर (निसं)। आयुष्मान आरोग्य केंद्र एवं हेल्थ वेलनेस सेंटर पर उदासीनता बरतने वाले नर्सिंग कर्मी को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए गए हैं। खंड मुख्य चिकित्सा कार्यालय मालाखेड़ा पर सोमवार को क्षेत्र के नर्सिंग कर्मचारी एएनएम की मीटिंग का आयोजन किया। जहां खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने मीटिंग के दौरान चेतावनी दी, कि टीकाकरण, एंटी लारवा एक्टिविटी, तथा हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर की मासिक रिपोर्ट नहीं भेजने वाले उदासीन कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब ले तथा संतोषजनक जवाब नहीं आने पर उनका इंसेंटिव काटा जाए।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समस्त योजनाएं आयुष्मान आरोग्य केंद्र पर किए गए उपचार, व टीकाकरण की प्रगति लेने के लिए मीटिंग का आयोजन हुआ। जिसमें ब्लॉक प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कई चिकित्सक, एएनएम तथा एलएचवी मौजूद रहे। इस दौरान खंड मुख चिकित्सा अधिकारी लोकेश मीणा की अध्यक्षता में आयोजित मीटिंग के दौरान ब्लॉक प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर ने जानकारी दी। जहां आवंटित लक्ष्य व अर्जित आंकड़े में आए हुए अंतर को बताया। जिसमें प्रमुख रूप से केरवा जाट, बिजवाड़, बड़ेर, खारेडा, सेंटर पर राजश्री द्वितीय की समय पर किस्त जारी नहीं करवाने को गंभीरता से लिया।

वहीं हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर पर तैनात सएचओ द्वारा मासिक बैठक की रिपोर्ट समय पर नहीं भेजने पर भी नाराजगी जताई गई। इसके साथ ही मौसमी बीमारी के चलते क्षेत्र में हेपेटाइटिस व डेंगू के रोगी वाले गांव में एंटी लारवा एक्टिविटी समय पर शुरू नहीं करने को भी गंभीर माना। इस पर खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी लोकेश मीणा ने आयुष्मान आरोग्य केंद्र पर तैनात कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस जारी कर उनसे जवाब लेने, तथा संतोषजनक जवाब नहीं आने पर उनके इंसेंटिव काटने के निर्देश दिए हैं।

तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा स्थगित

कोटकासिम, 15 अक्टूबर (निसं)। राजकीय महाविद्यालय बीबीरानी में नई शिक्षा नीति 2020 के तहत स्नातक प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के नियमित विद्यार्थियों के मिड टर्म टेस्ट 16 से 19 अक्टूबर तक आयोजित किए जाएगी। प्रथम सेमेस्टर के मिड टर्म टेस्ट पूर्व निर्धारित समय सारणी के अनुसार 16 और 17 अक्टूबर को ही होंगे।

इन परीक्षाओं में शामिल होने के लिए विद्यार्थियों को अपने कॉलेज आई कार्ड लाना अनिवार्य होगा। तृतीय सेमेस्टर की मिड टर्म परीक्षा जो 18 और 19 अक्टूबर को होनी थी जो किन्हीं अपरिहार्य कारणों से आगामी कुछ दिनों के लिए स्थगित कर दी गई है। नई परीक्षा तिथियों की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

खेतानाथ आश्रम में द्वादशी पर भंडारा

नीमराना, 15 अक्टूबर (निसं)। कस्बे के नगर पालिका क्षेत्र के जोशीहोड़ा स्थित बाबा खेतानाथ आश्रम में मासिक मेले भंडारे में सत्संग का आयोजन किया गया। बाबा खेतानाथ आश्रम के महंत शंकर नाथ महाराज के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रत्येक माह की द्वादशी को बाबा का मेला भंडारा व सत्संग का आयोजन किया जाता है।

सोमवार को भंडारे के साथ-साथ कलाकारों ने सत्संग में एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। महंत ने ग्रामीण व महिलाओं को संबोधित करते हुए भगवान के प्रति आस्था रखकर सत्य के प्रति चलने का आवाहन किया। इस मौके पर कैलाश चंद यादव, हवासिंह यादव, सुजान यादव, रामपाल कुमावत, नगर पालिका उप चेयरमैन जसवंत यादव, भूपसिंह मास्टर अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

नए विकास अधिकारी का सम्मान

मुंडावर, 15 अक्टूबर (निसं)। मुंडावर यादव विकास समिति ने सोमवार को पंचायत समिति के आए नए विकास अधिकारी संजय यादव का सम्मान किया। सम्मान के दौरान विकास समिति ने विकास अधिकारी से पंचायत समिति के सभी सरपंचों को साथ लेकर समान विकास की अपेक्षा की।

इस मौके पर विकास समिति अध्यक्ष घमंडीराम, सूबेदार लालाराम, कैशियर सुबेसिंह, राकेश प्रधान आदि मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सरोज शर्मा के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी.एल.टॉवर3-ए, विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित करा कर सांध्य ज्योति दर्पण कार्यालय केडलगंज , अलवर से प्रकाशित है। संपादक सी.पी. सैनी, फोन नं. 0144-2335105, 2701531 जयपुर कार्यालय : संसार चन्द्र रोड, जयपुर, निदेशक : बी.एम.शर्मा, सम्पादक : महेन्द्र यादव - फोन : 2364412, 2361816, फैक्स : 0141-2361816। नागौर कार्यालय - 1/44 व्यास कॉलोनी, नागौर - सम्पादक : रमेश जैन, फोन : 240071 फैक्स- 01582-240071, भरतपुर कार्यालय - कोतवाली रोड, भरतपुर- सम्पादक : जगदीश अग्रवाल, फोन : 223780, पोस्टल रजि.नं. आरजे-779, आरएनआई नं. 48648/90